● वर्ष-3
● अंक-197
रायपुर, शनिवार
30 मार्च 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6›› चेहरे पर टमाटर लगाने के गजब के

मौजूदा लोकसभा सांसदों में 44 प्रतिशत दागी और 25 अरबपति, महिला केवर्ल 15 फीसदी

एडीआर रिपोर्ट में प्रकाशित

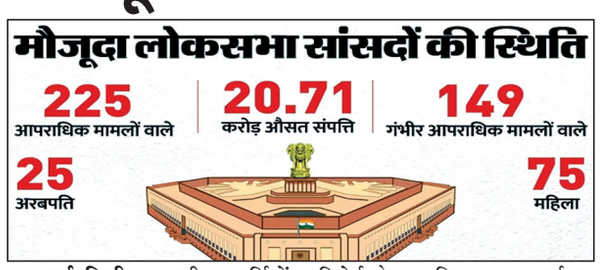

नई दिल्ली। चुनावी सरगर्मियों के बीच एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने मौजूदा लोकसभा सांसदों से जुड़ी एक रिपोर्ट प्रकाशित की है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, 44% वर्तमान सांसदों कि खिलाफ आपराधिक मामले, जबकि 29% के खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। वहीं वर्तमान में 25 अरबपति सांसद भी हैं।

एडीआर की रिपोर्ट क्या है?- एडीआर ने लोकसभा 2019 के 543 में से 514 वर्तमान सांसदों के शपथपत्रों पर एक रिपोर्ट तैयार की है। अकबरपुर लोकसभा सीट से भाजपा सांसद देवेन्द्र सिंह का शपथपत्र उपलब्ध न होने के कारण उनका विश्लेषण रिपोर्ट में नहीं है और 28 सीटें रिक्त हैं। यह रिपोर्ट 2019 के लोकसभा चुनावों और उसके बाद हुए उपचुनावों में उम्मीदवारों द्वारा दाखिल किए गए हलफनामों पर आधारित है।

514 में से 225 (44 प्रतिशत) वर्तमान सांसदों ने अपने ऊपर आपराधिक मामले घोषित किये हैं। वहीं 149 (29 प्रतिशत) वर्तमान सांसदों ने अपने ऊपर गंभीर आपराधिक मामले घोषित किए हैं। इनमें हत्या, हत्या का प्रयास, सांप्रदायिक हिंसा, अपहरण, महिलाओं के ऊपर अत्याचार इत्यादि से जुड़े अपराध शामिल हैं। 9 वर्तमान सांसदों ने अपने ऊपर हत्या से जुड़े मामले घोषित किए हैं। इनमें से भाजपा के 5 वर्तमान सांसद जबकि कांग्रेस, बसपा, वाईएसआर कांग्रेस और निर्दलीय से एक-एक सांसद है। 28 सांसदों ने अपने ऊपर हत्या का प्रयास से जुड़े मामले घोषित किए हैं। इनमें से भाजपा से 21 सांसद जबकि कांग्रेस, टीएमसी, बसपा, एनसीपी (शरद गुट), वाईएसआर कांग्रेस, राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी और वीसीके से एक-एक सांसद है। 16 वर्तमान सांसदों ने महिलाओं के ऊपर अत्याचार से जुड़े मामले घोषित किए हैं। इन 16 में से 3 वर्तमान सांसदों ने अपने ऊपर दुष्कर्म (आईपीसी-376) से जुड़े मामले घोषित किए हैं। भाजपा के सबसे ज्यादा 294 में से 118 (40 प्रतिशत) वर्तमान सांसदों ने अपने ऊपर आपराधिक मामले घोषित किए हैं। इसके बाद कांग्रेस के 46 में से 26 (57 प्रतिशत), डीएमके के 24 में से 11 (46 प्रतिशत), टीएमसी के 19 में से 8 (42 प्रतिशत), जदयू के 16 में से 12 (75 प्रतिशत) और वाईएसआर कांग्रेस के 17 में से 8 (47 प्रतिशत) सांसद हैं।

गंभीर आपराधिक मामलों वाले वर्तमान सांसद भी सबसे ज्यादा भाजपा के 294 में से 87 (30 प्रतिशत) हैं। इसके बाद कांग्रेस के 46 में से 14 (30 प्रतिशत), डीएमके के 24 में से 7 (29 प्रतिशत), टीएमसी के 19 में से 4 (21 प्रतिशत), जदयू के 16 में से 8 (50 प्रतिशत) और वाईएसआर कांग्रेस के 17 में से 7 (41 प्रतिशत) सांसदों ने अपने ऊपर गंभीर आपराधिक मामले घोषित किए हैं।

514 में से 25 (5 प्रतिशत) वर्तमान सांसदों ने 100 करोड़ से अधिक की संपत्ति घोषित की है। सबसे ज्यादा भाजपा के 294 में से 9 अरबपति सांसद हैं। इसके बाद कांग्रेस, वाईएसआर, बीआरएस, शिरोमणि अकाली दल के दो-दो सांसद हैं। वहीं डीएमके, टीएमसी, शिवसेना, टीडीपी, बीजेडी, बसपा, एनसीपी (शरद गुट) और निर्दलीय से एक-एक सांसद अरबपति हैं।

चुनाव आयोग की घोषणा

प्रदेश में मतदान सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक होगा

रायपुर. भारत निर्वाचन आयोग ने लोकसभा निर्वाचन 2024 के अंतर्गत द्वितीय चरण में राजनांदगांव, महासमुंद और कांकेर संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों में 26 अप्रैल 2024 को मतदान की तिथि निर्धारित किया है. भारत

निर्वाचन आयोग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार राजनांदगांव संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत पंडरिया, कवर्धा, खैरागढ़, डोंगरगढ़, राजनांदगांव, डोंगरगांव, खुज्जी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान दिवस 26 अप्रैल 2024 शुक्रवार को सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक मतदान होगा. कांकेर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र अंतर्गत मोहला-मानपुर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में सुबह 7 बजे से दोपहर 3 बजे तक मतदान होगा.

इसी प्रकार महासमुंद संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत सराईपाली, बसना, खल्लारी, महासमुंद, राजिम, कुरूद और धमतरी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान दिवस 26 अप्रैल 2024 शुक्रवार को प्रात: 7 बजे से शाम 6 बजे तक मतदान होगा. महासमुंद संसदीय निर्वाचन क्षेत्र अंतर्गत बिन्द्रानवागढ़ विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में 9 मतदान केन्द्रों के लिए सुबह 7 बजे से दोपहर 3 बजे तक मतदान होगा. बिन्द्रानवागढ़ विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के शेष मतदान केन्द्रों के लिए मतदान का समय सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक रहेगा.

कांकेर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत सिहावा, संजारी बालोद, डोंडीलोहारा, गुण्डरदेही विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान दिवस 26 अप्रैल 2024 शुक्रवार को सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक मतदान होगा. कांकेर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र अंतर्गत अंतागढ़, भानुप्रतापपुर, कांकेर, केशकाल विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में सुबह 7 बजे से दोपहर 3 बजे तक मतदान होगा.

महिलाओं के नेतृत्व में विकास के मॉडल पर हो रहा काम

नमो ऐप के जरिए तमिलनाडु में भाजपा कार्यकर्ताओं से मोदी ने की बात

नई दिल्ली। नमो ऐप के जरिए तमिलनाडु के भाजपा कार्यकर्ताओं से बातचीत करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि वैसे तो मैं जब भी तमिलनाडु आता हूं तो अपनी बात वणक्कम से शुरू करता हूं, लेकिन आज का वणक्कम मेरे लिए बहुत खास है, क्योंकि जब एक कार्यकर्ता दूसरे कार्यकर्ता का स्वागत वणक्कम से करता है तो कार्यकर्ताओं में अपनेपन का एहसास होता है...चाहे कैसे भी कोई भी व्यक्ति बड़ा होता है, जब भी वह अपने स्कूल के दोस्तों से मिलता है, तो 25 या 30 साल बाद भी कोई छोटा या बड़ा नहीं होता, सभी एक-दूसरे से खुशी-खुशी मिलते हैं। इसी तरह जब कार्यकर्ताओं से जुड़ा कोई कार्यक्रम होता है तो मैं भी खुशी से भर जाता हूं। मैंने अपने जीवन का बड़ा हिस्सा आप सभी की तरह एक कार्यकर्ता के रूप में काम किया है और यही कारण है कि आज मैं बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं।

बीजेपी आज महिलाओं के नेतृत्व में विकास के मॉडल पर काम कर रही है। हमारा कमिटमेंट है कि भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने में महिला शक्ति का बड़ा रोल होगा। मुझे खुशी है कि बीजेपी की महिला कार्यकर्ता इतना शानदार काम कर रही हैं। जैसा कि आप जानते हैं कि भाजपा महिला नेतृत्व वाले विकास के मॉडल पर काम कर रही है। हमारी प्रतिबद्धता भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने की है और महिलाएं इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। मुझे खुशी है कि भाजपा की महिला कार्यकर्ता कड़ी मेहनत कर रही हैं। अब चुनाव प्रचार आगे बढ़ रहा है, उम्मीदवार तय हो चुके हैं और मुद्दे स्पष्ट हैं, मैंने अपने कार्यकर्ताओं से बात करने का सोचा।

जब मैं पिछली बार सार्वजनिक कार्यक्रमों के लिए तमिलनाडु गया था, तो मुझे लोगों का आशीर्वाद मिला और इससे मुझे बहुत खुशी हुई। मैं कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत देख सकता हूं और मुझे कार्यकर्ताओं के सिपाहियों पर गर्व महसूस हो रहा है। बीजेपी की तमिलनाडु टीम के सदस्य लंबे समय से शानदार काम कर रहे हैं।

जब सरकार बदलेगी तो 'लोकतंत्र का चीरहरण' करने वालों पर होगी कार्रवाई

नई दिल्ली। कांग्रेस को आयकर नोटिस मिलने के कुछ घंटों बाद, राहुल गांधी ने शुक्रवार को लोकतंत्र को कमजोर करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की कसम खाई। राहुल गांधी ने कहा कि कार्रवाई इतनी सख्त होगी कि फिर कभी लोकतंत्र कमजोर नहीं होगा। राहुल गांधी ने बीजेपी को सरकार बदलने पर कार्रवाई की चेतावनी भी दी। उन्होंने एक्स पोस्ट पर लिखा कि जब सरकार बदलेगी तो 'लोकतंत्र का चीरहरण' करने वालों पर कार्रवाई ज़रूर होगी! और ऐसी कार्रवाई होगी कि दोबारा फिर किसी की हिम्मत नहीं होगी, ये सब करने की। ये मेरी गारंटी है। राहुल का यह पोस्ट ऐसे समय में आया है लोकसभा चुनाव से ठीक पहले आयकर विभाग ने पांच अलग-अलग वित्तीय वर्षों के टैक्स रिटर्न में कथित विसंगतियों के लिए 1823.08 करोड़ रुपये के भुगतान के नए नोटिस उसे जारी किए हैं लेकिन उसने भारतीय जनता पार्टी को लेकर आंखें बंद कर ली हैं जबकि उस पर 4600 करोड़ रुपये का जुर्माना बनता है।

मुख्तार की मौत पर तेजस्वी ने उठाए सवाल, नित्यानंद राय का पलटवार, बोले- ये तुष्टीकरण की राजनीति

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जनता पार्टी (राजद) नेता तेजस्वी यादव ने गैंगस्टर से नेता बने मुख्तार अंसारी की मौत की घटनाओं पर चिंता जताई और संवैधानिक संस्थानों से ऐसे अजीब मामलों पर स्वत: संज्ञान लेने का आह्वान किया। मुख्तार अंसारी की उत्तर प्रदेश के बांदा के एक अस्पताल में दिल का दौरा पड़ने से मृत्यु हो गई। इससे कुछ दिनों पहले उनके भाई और गाज़ीपुर के सांसद अफ़ज़ल अंसारी ने आरोप लगाया था कि उन्हें जेल में धीमी गति से जहर दिया जा रहा था। हालांकि, अधिकारियों ने इस आरोप से इनकार किया था। 63 वर्षीय अंसारी, मऊ सदर से पांच बार विधायक थे और 2005 से उत्तर प्रदेश और पंजाब में सलाखों के पीछे थे। उनके खिलाफ 60 से अधिक आपराधिक मामले लंबित थे। बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने एक्स पर लिखा कि यूपी से पूर्व विधायक मुख्तार अंसारी के इंतकाल का दु:खद समाचार मिला। परवरदिगार से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को शांति तथा शोकाकुल परिजनों को दु:ख सहने की शक्ति प्रदान करें।

प्रमुख समाचार

बूथ विजय अभियान में आज ग्रामीण विस कांदूल जायेंगे मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

रायपुर। भाजपा आज एक दिवसीय बूथ विजय अभियान का आयोजन करने जा रही है।प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव ने बताया कि सभी भाजपा के कार्यकर्ता व नेतागण एक एक बूथ में विजय स्वरूप झंडा लगाएंगे। जिसके तहत मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ग्रामीण विधानसभा कांदूल प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव साहू पारा फाफाडीह, उपमुख्यमंत्री अरुण साव न्यू मार्केट माना जायेंगे। बृजमोहन अग्रवाल सिविल लाइन, चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक ,शिवरतन शर्मा गणेशपूर,महामंत्री संजय श्रीवास्तव न्यू शांति नगर,प्रदेश कोषाध्यक्ष नंदन जैन देवेंद्र नगर विधायक,राजेश मूणत पश्चिम विधानसभा मोतीलाल साहू कांदूल,रायपुर ग्रामीण विधानसभा पुरंदर मिश्रा राजातालाब उत्तर विधानसभा सहित सभी नेतागण एक एक बूथ पर जायेंगे।

सत्येंद्र जैन पर कसेगा सीबीआई का शिकंजा

नई दिल्ली। गृह मंत्रालय ने कथित तौर पर ठग सुकेश चन्द्रशेखर से प्रोटेक्शन मनी के रूप में 10 करोड़ की उगाही करने के आरोप में जेल में बंद आप नेता सत्येन्द्र जैन के खिलाफ सीबीआई जांच की मंजूरी दे दी है। जैन और तिहाड़ जेल के पूर्व डीजी संदीप गोयल पर तिहाड़ से जबरन वसूली रैकेट चलाने और हाई-प्रोफाइल कैदियों से सुरक्षा राशि की मांग करने का आरोप लगाया गया था। यह घटनाक्रम तब हुआ जब दिल्ली के मुख्यमंत्री और आप संयोजक अरविंद केजरीवाल कथित शराब नीति घोटाले के सिलसिले में ईडी की हिरासत में हैं। इस साल की शुरुआत में दिल्ली के एलजी वीके सक्सेना ने सत्येन्द्र जैन के खिलाफ जबरन वसूली के आरोपों की सीबीआई जांच को मंजूरी दे दी थी। जबरन वसूली के आरोपों की जांच के लिए एलजी की मंजूरी मांगने वाले एक पत्र में सीबीआई ने पिछले साल नवंबर में लिखा था कि जैन पर तिहाड़ जेल से एक हाई-प्रोफाइल जबरन वसूली रैकेट चलाने का आरोप लगाया गया था और उसे सक्षम बनाने के लिए चंद्रशेखर से संरक्षण राशि के रूप में 10 करोड़ की मांग की गई थी।

अमेठी और रायबरेली में कांग्रेस क्यों नहीं उतार पा रही उम्मीदवार

नई दिल्ली। चुनावी मौसम आ गया है। लोकसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान में एक महीने से भी कम समय बचा है। कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश की 17 में से 15 सीटों पर उम्मीदवारों का ऐलान कर दिया है। हालांकि, गांधी परिवार के गढ़ अमेठी और रायबरेली में अभी तक पार्टी की ओर से उम्मीदवार का ऐलान नहीं किया गया है। यूपी कांग्रेस प्रमुख अजय राय ने कहा कि रायबरेली और अमेठी पर कोई चर्चा नहीं हुई। उन्होंने कहा, हमने पिछली बैठक में इन सीटों पर अपने विचार बता दिए थे। अब फैसला लेना नेतृत्व पर निर्भर है। पिछले हफ्ते बैठक में यूपी कांग्रेस के नेताओं ने पैनल के सामने राज्य इकाई का प्रस्ताव रखा था कि गांधी परिवार के सदस्यों को दो सीटों से चुनाव लड़ना चाहिए। कांग्रेस ने पहले ही वायनाड से राहुल गांधी के नाम की घोषणा कर दी है, लेकिन मांग है कि वह अमेठी से भी चुनाव लड़ें, जबकि प्रियंका गांधी वाड्रा को रायबरेली से लड़ना चाहिए, जो सोनिया गांधी द्वारा खाली की जा रही है। अमेठी और रायबरेली शायद सबसे ज्यादा देखे जाने वाले निर्वाचन क्षेत्रों में से हैं क्योंकि नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार कार्यकाल चाहते हैं।

कांग्रेस आयकर विभाग के नोटिस के खिलाफ करेगी राष्ट्रव्यापी प्रदर्शन

नयी दिल्ली। कांग्रेस आयकर विभाग की ओर से जारी किए गए नए नोटिस के खिलाफ इस सप्ताहांत राष्ट्रव्यापी प्रदर्शन करेगी। मुख्य विपक्षी दल ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर 'कर आतंकवाद' (टैक्स टेररिज्म) शुरू करने और लोकतंत्र को कमजोर करने का आरोप लगाया है। कांग्रेस ने शुक्रवार को कहा कि लोकसभा चुनाव से ठीक पहले आयकर विभाग ने पांच अलग-अलग वित्तीय वर्षों के टैक्स रिटर्न में कथित विसंगतियों के लिए 1823.08 करोड़ रुपये के भुगतान के नए नोटिस उसे जारी किए हैं पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कांग्रेस की सभी प्रदेश इकाइयों से राज्य में शनिवार और रविवार को बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन आयोजित करने के लिए कहा है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने दावा किया कि लोकसभा चुनाव से पहले 'कर आतंकवाद' (टैक्स टेररिज्म) के जरिये विपक्ष पर हमला किया जा रहा है। कांग्रेस के कोषाध्यक्ष अजय माकन ने आरोप लगाया कि जिन मापदंडों के आधार पर कांग्रेस को जुर्माने के नोटिस दिए गए हैं, उन्हीं के आधार पर भारतीय जनता पार्टी से 4600 करोड़ रुपये से आधिक के भुगतान की मांग करनी चाहिए। आयकर विभाग के नए कदम को लोकसभा चुनाव से ऐन पहले कांग्रेस के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है जो पहले ही धन की कमी का सामना कर रही है।

नवनीत राणा ने गृह मंत्री अमित शाह से की मुलाकात

नई दिल्ली। अमरावती से बीजेपी उम्मीदवार नवनीत राणा ने अपने पति रवि राणा के साथ केंद्रीय

गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की है। गृह मंत्री से मुलाकात के बाद अमरावती से बीजेपी उम्मीदवार नवनीत राणा ने समाचार एजेंसी एएनआई से बात करते हुए कहा कि मैं आज उनका (केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह) आर्शीवाद लेने आई थी। उनको मैं विश्वास दिलाने आई थी कि आपकी बार 400 पार का जो पीएम मोदी, देश और देश के लोगों का सपना है उस सपने को आगे लेकर बढ़ना है और इस 400 पार में एक अमरावती जरूर रहेगा। बता दें कि बीजेपी ने लोकसभा चुनाव के लिए लिस्ट की घोषणा कर दी। नवनीत राणा को अमरावती सीट से उम्मीदवार बनाया गया है। नागपुर में बावनकुले के आवास पर अपने समर्थकों के साथ और अमरावती, नागपुर, वर्धा और अन्य स्थानों के वरिष्ठ पार्टी नेताओं की उपस्थिति में भाजपा में शामिल हुईं। जब वह भाजपा में शामिल हुईं तो उनके विधायक पति रवि राणा भी मौजूद थे। भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति ने अमरावती सीट के लिए पार्टी के उम्मीदवार के रूप में उनके नाम की घोषणा की।

क्या लोकसभा चुनाव में दिखेगा इसका असर?

मुख्तार अंसारी की मौत को मुद्दा बनाने की कोशिश में विपक्ष

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश का बहुत चर्चित विधायक और माफिया डॉन मुख्तार अंसारी का निधन हो गया है। वह कई मामलों में बांदा जेल में बंद था। 28 मार्च की रात में अचानक उसे अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा, जहां डॉक्टर ने उसे मृत्यु घोषित कर दिया। मुख्तार अंसारी की मौत के बाद उत्तर प्रदेश के कई जिलों में सुरक्षा के करें इंतजाम किए गए हैं। मुस्लिम इलाकों में नजर रखी जा रही है। इन सबके बीच मुख्तार अंसारी के मौत पर राजनीति भी शुरू हो चुकी है। हालांकि, भाजपा लगातार उसे अपराधी बता रही है। उसके मौत का जो कारण सामने आया है उसमें हार्ट अटैक बताया जा रहा है। हालांकि, उसके परिवार का ढावा कुछ और है। फिलहाल उसका पोस्टमार्टम किया जा चुका है।

परिवार का आरोप

इसमें किसी को संदेह नहीं होना चाहिए कि उत्तर प्रदेश की राजनीति में मुख्तार अंसारी का दबदबा एक वक्त में खूब दिखा था। अपराध की दुनिया में जहां उसे महारत हासिल थी तो वहीं सत्ता में बैठे लोग भी उसे अपने साथ रखने की कोशिश में रहते थे। यही कारण है कि उसकी मौत को राजनीतिक मुद्दा बनाने की कोशिश की जा रही है। इसकी बड़ी वजह यह भी है कि मुख्तार अंसारी के भाई सांसद अफजाल अंसारी ने आरोप लगाया था कि जेल में धीमा शहर दिया जा रहा है। हालांकि जब उसकी मौत हो गई है तब इसे मुद्दा बनाने की कोशिश विपक्ष की ओर से की जा रही है। उसके पूरे परिवार पर 90 से ज्यादा मामले दर्ज हैं। उसकी पत्नी खुद भगोड़ा हो चुकी हैं। उत्तर प्रदेश सरकार ने इनाम भी रखा है। एक बेटा जेल में है दूसरा विवादों में है।

विपक्ष का दावा

लोकसभा चुनाव है इसलिए उसकी मौत को मुद्दा बनाया जा रहा है। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने आज मांग की कि मुख्तार अंसारी की मौत की जांच सुप्रीम कोर्ट के जज से करायी जानी चाहिए। उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा कि हर हाल में और हर स्थान पर किसी के जीवन की रक्षा करना सरकार का सबसे पहला दायित्व और कर्तव्य होता है। सरकारों पर निम्नलिखित हालातों में

से किसी भी हालात में, किसी बंधक या क़ैदी की मृत्यु होना, न्यायिक प्रक्रिया से लोगों का विश्वास उठा देगा। उन्होंने कहा कि ऐसे सभी संदिग्ध मामलों में सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश की निगरानी में जाँच होनी चाहिए। सरकार न्यायिक प्रक्रिया को दरकिनार कर जिस तरह दूसरे रास्ते अपनाती है वो पूरी तरह ग़ैर क़ानूनी हैं। जो हुकूमत जिंदगी की हिफ़ाज़त न कर पाये उसे सत्ता में बने रहने का कोई हक़ नहीं। उप्र 'सरकारी अराजकता' के सबसे बुरे दौर से गुजर रहा है। ये यूपी में 'क़ानून-व्यवस्था का शून्यकाल है

मायावती ने कहा कि मुख़्तार अंसारी की जेल में हुई मौत को लेकर उनके परिवार द्वारा जो लगातार आशंकायें व गंभीर आरोप लगाए गए हैं उनकी उच्च-स्तरीय जाँच जरूरी, ताकि उनकी मौत के सही तथ्य सामने आ सकें। ऐसे में उनके परिवार का दु:खी होना स्वाभाविक। कुदरत उन्हें इस दु:ख को सहन करने की शक्ति दे। कांग्रेस नेता सुरेंद्र राजपूत ने कहा कि कुछ दिन पहले मुख्तार अंसारी ने जहर दिए जाने की आशंका जताई थी और आज उनकी मौत हो गई। सरकार और प्रशासन अपनी गलती मानने को तैयार नहीं है। भाजपा प्रशासन में असफल है।

राजनीतिक फायदे की उम्मीद

मुख्तार अंसारी के मौत को मुद्दा बनाने की कवायत इसलिए हो रही है ताकि मुस्लिम बहुल इलाके में फायदा उठाया जा सके। गाजीपुर, मऊ, आजमगढ़, बलिया ऐसे क्षेत्र हैं जहां मुख्तार अंसारी की तूती बोलती थी। ऐसे में कहीं ना कहीं मुख्तार अंसारी से हमदर्द दिखाने की वजह से इन क्षेत्रों में कुछ राजनीतिक दलों को फायदे की उम्मीद दिखाई दे रही है। गाज़ीपुर सीट से अफजाल अंसारी जो कि मुख्तार अंसारी के बड़े भाई हैं, उनको टिकट समाजवादी पार्टी की ओर से दिया गया है। विपक्ष की ओर से तुष्टिकरण की राजनीति भी करने की कोशिश हो रही है। जो राजनीतिक दल इस मौत को लेकर मुख्तार अंसारी के साथ खड़े दिखाई दे रहे हैं, उनका मुख्य मकसद मुस्लिम वोटो को अपने पाले में लाना हो सकता है। ऐसे में देखना दिलचस्प होगा कि मुख्तार अंसारी की मौत उत्तर प्रदेश में कितना बड़ा मामला बन पाता है और चुनाव में इसका असर क्या होता है?

दो जवान की हत्या में शामिल नक्सली गिरफ्तार

सुकमा। जिले में चलाये जा रहे नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत मुखबीर से सूचना प्राप्त हुआ कि थाना भेजी क्षेत्र में किसी अप्रिय घटना को अंजाम दिये जाने हेतु ग्राम पांताभेजी व भण्डारपदर के बीच जंगल-पहाड़ी के नीचे कोन्टा एरिया कमेटी के नक्सली स्माल एक्शन टीम के सदस्यों की मौजूदगी है। उक्त सूचना के आधार पर थाना प्रभारी भेजी के जिला बल एवं 219 वाहिनी सीआरपीएफ की संयुक्त पार्टी नक्सलियों की घेराबंदी व धरपकड़ कार्यवाही हेतु भण्डारपदर की ओर रवाना हुए थे। अभियान के दौरान ग्राम पांताभेजी के आगे जंगल पहाड़ी के पास से घेराबंदी कर एक नक्सली जनताना सरकार अध्यक्ष मड़कम हड़मा पिता मड़कम आयता निवासी ग्राम पांताभेजी थाना भेजी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार मड़कम हड़मा से पूछताछ करने पर नक्सली कमाण्डर सोड़ी गजेन्द्र के आदेश पर हाट-बाजारों में अकेले-दुकेले घूमने वाले पुलिस जवानों पर हमला करने के लिए योजना बनाने एकत्र होना बताया गया।

नक्सल संगठन में जनताना सरकार अध्यक्ष के पद पर कार्य करना बताये जाने से थाना लाकर कर नक्सल रिकार्ड की जांच करने पर मड़कम हड़मा वर्ष-2021 में कोंटा एरिया कमेटी इन्चार्ज वेट्टी मंगडू व सोड़ी गजेन्द्र व अन्य नक्सली सदस्यों के साथ मिलकर ग्राम पांताभेजी में मोटर सायकल सवार 2 पुलिस कर्मी पर धारदार हथियार से हमला करके उनकी हत्या करने की घटना में शामिल रहा है। घटना के संबंध में थाना भेजी में पूर्व से अपराध क्रमांक 02/2021 धारा 147, 148, 149, 302, 341 भा.द.वि., 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध है। उक्त प्रकरण में मड़कम हड़मा की गिरफ्तारी हेतु न्यायालय सुकमा द्वारा स्थायी वारंट जारी किया गया है।

उक्त घटना के अतिरिक्त मड़कम हड़मा नक्सली कमाण्डर सोड़ी गजेन्द्र व अन्य के साथ 20 दिसम्बर 2023 को थाना एर्राबोर क्षेत्रांतर्गत नेशनल हाईवे क्रमाक-30 में ग्राम आसीरगुड़ा के पास 2 ट्रक व 1 यात्री बस को आगजनी कर बस में सवार यात्रियों से मोबाईल लूटने की घटना में शामिल रहा है। घटना के संबंध में थाना एर्राबोर में पूर्व से अपराध क्रमांक 15/2023 धारा 147, 148, 149, 341, 435, 120 (बी) भा.द.वि. 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध है। उक्त दोनों प्रकरणों में आरोपी मड़कम हड़मा के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए न्यायालय के समक्ष पेश कर न्यायिक रिमाण्ड पर जेल दाखिल किया गया।

डीआरजी जवान पर हमला करने वाला नक्सली छात्रावास से गिरफ्तार, शहरी नेटवर्क का किया खुलासा

बीजापुर। जिला मुख्यालय में डीआरजी के जवान दीपक दुर्गम पर नक्सलियों के स्मॉल एक्शन टीम ने 24 मार्च को फाईरिंग कर जानलेवा हमल कर दिया था। पुलिस ने हमला करने वाले मास्टरमाइंड नक्सली संतोष पोटाम उम्र 18 वर्ष को शहर के एक छात्रावास से गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार नक्सली ने नक्सलियों के शहरी नेटवर्क का भी खुलासा किया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार नक्सलियों ने शहर में अपना नेटवर्क बना रखा था, गिरफ्तार नक्सली छात्रावास में घटना के बाद से छिपा हुआ था। डीआरजी जवान संतोष दुर्गम को गोली मारने से पहले नक्सली पोटाम ने वारदात वाली जगह की अच्छे से रेकी की थी। गिरफ्तार नक्सली संतोष पोटाम की बहन भी नक्सली संगठन से जुड़ी है। नक्सली पोटाम ने बहन के साथ मिलकर जवान के आने-जाने की गतिविधियों पर नजर रखी थी और उसकी जानकारी भी नक्सलियों से साझा की थी।

पुलिस के मुताबिक दुर्गम पर जानलेवा हमले के लिए संतोष पोटाम ने ही स्मॉल एक्शन टीम को सूचना पहुंचाई थी। नक्सली पोटाम की सूचना के बाद ही नक्सलियों के स्मॉल एक्शन टीम ने दीपक दुर्गम पर हमला किया और मौके से फरार हो गए। बीजापुर पुलिस का कहना है कि जल्द ही नक्सलियों के शहरी नेटवर्क को ध्वस्त कर उनके मददगारों को पकड़ लिया जाएगा।

बिलासपुर में जूस पीकर मान गए रुठे नेताजी

■ 50 घंटे में छूटे कांग्रेसियों के पसीने

बिलासपुर। टिकट मिलने की आस लगाए कांग्रेस नेता जगदीश कौशिक का अनशन खत्म हो गया। बिलासपुर लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी देवेंद्र यादव ने जूस पिलाकर नेताजी का अनशन खत्म कराया। पिछले दो दिनों से जगदीश कौशिक टिकट की मांग को लेकर अनशन पर थे। कांग्रेस के नेता लगातार कौशिक को अनशन खत्म करने की सलाह दे रहे थे। कौशिक का अनशन कांग्रेस दफ्तर के बाहर ही चल रहा था। कांग्रेस दफ्तर के बाहर चल रहे अनशन का मजा जनता भी ले रही थी और बीजेपी भी।

पार्टी आलाकमान ने बिलासपुर सीट से देवेंद्र यादव को कांग्रेस ने प्रत्याशी बनाया। पार्टी की इस घोषणा के बाद बोदरी नगर पंचायत के पूर्व अध्यक्ष नाराज हो गए। नाराज कांग्रेस ने नेता पार्टी आलाकमान के फैसले को गलत बताया। पार्टी से फैसले पर पुनर्विचार करने को कहा। पार्टी ने जब कोई बात नहीं सुनी तो कौशिक धरने पर बैठ गए। कांग्रेस भवन के बाहर चल रहा उनका धरना पार्टी की जमकर किरकिरी करा रहा था। खाना और पीना छोड़ने के चलते नेताजी की तबीयत भी बिगड़ती जा रही थी।

कोटा से विधायक अटल श्रीवास्तव और मस्तूरी विधायक ने दिलीप लहरिया ने उनको मनाने की कोशिश की। दोनों नेताओं के काफी समझाने के बाद भी जगदीश कौशिक अपनी मांग पर अड़े रहे। थक हारकर दोनों नेता वहां से लौट गए। दोनों नेताओं ने पार्टी आलाकमान तक बात को पहुंचाया। इसके बाद शुक्रवार को पार्टी आलाकमान के निर्देश पर देवेंद्र यादव पहुंचे। बिलासपुर लोकसभा सीट से प्रत्याशी देवेंद्र यादव के समझाने पर कौशिक ने अपना अनशन तोड़ा।

निर्वाचन शाखा के मीडिया अनुवीक्षण समिति में काम करने वालों के भुगतान में फर्जीवाड़ा

बालोद। बालोद जिले के निर्वाचन शाखा में एक ऐसा मामला सामने आया हैं जिसमें गठित शाखा में कार्य करने वाले लोगों का भुगतान अन्य लोगों को कर दिया गया है और जिन्होंने वास्तविकता में काम किया है वह पैसे को लेकर कार्यालय के चक्कर काट रहे हैं। पूरा मामला मीडिया प्रमाणन एवं अनुवीक्षण समिति से जुड़ा हुआ है यहां पर इस समिति में कार्य कर रहे लोगों को भुगतान न कर अन्य लोगों को भुगतान किया गया है। इसके संदर्भ में निर्वाचन शाखा से एक डाटा भी प्राप्त हुआ है।

पूरे मामले में जब मीडिया प्रमाणन एवं अनुवेक्षण समिति के लोगों से चर्चा की गई तो पता चला कि कल 24 लोगों की समिति विधानसभा चुनाव के कार्य में लगी हुई थी परंतु जब भुगतान हुआ तो 24 में से केवल दो लोगों का भुगतान हुआ है बाकी सभी के भुगतान अप्राप्त हैं।

अधिकारी- कर्मचारी ने लिखा पत्र

मीडिया प्रमाणन एवं मनोविक्षण समिति में काम करने वाले लगभग 14 लोगों ने उप जिला निर्वाचन अधिकारी को एक पत्र भी सौंपा है जिसमें बताया गया है कि उनका मानदेय प्राप्त है यहां पर उन्होंने पत्र में लिखा है कि विधानसभा आम निर्वाचन 2023-24 में जिला स्तरीय मीडिया प्रमाणन एवं अनुविक्षण समिति अधिकारी एवं कर्मचारियों की मानदेय राशि आज दिनांक तक नहीं मिली है और उन्होंने बताया है कि इस समिति में जिन अधिकारी कर्मचारियों की ड्यूटी लगी है उनके स्थान पर संलग्न सूची अनुसार दूसरे अधिकारी कर्मचारियों को मैन देखा भुगतान किया गया है। पूरे मामले पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी अपर कलेक्टर चंद्रकांत कौशिक ने कहा कि लापरवाही यह नहीं है जांच के पहले कोई निष्कर्ष पर नहीं पहुंच सकते, मानदेय के लिए जिनका नाम गया है उन्हे मानदेय दिया गया है कुछ लोग आए थे शिकायत करने इसपर इलेक्शन सुपरवाइजर को निर्देशित किया गया है।

तीन से चार दिन में जांच

पूरे मामले में उप जिला निर्वाचन अधिकारी चंद्रकांत कौशिक ने कहा कि तीन से चार दिवस के भीतर पूरे मामले में स्पष्ट हो जाएगा कि कहां त्रुटि हुई है, उन्होंने कहा अभी सब चुनाव ड्यूटी में व्यस्त हैं उसके बाद ही मामले की जांच और रिपोर्ट सामने ला दिया जाएगा।

एनएसयूआई की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में बड़ा बदलाव, प्रतीक बने राष्ट्रीय सचिव

बलरामपुर रामानुजगंज। एनएसयूआई की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में बड़ा बदलाव किया गया। लोकसभा चुनाव के पहले एनएसयूआई द्वारा देशभर में आठ महासचिव और 21 सचिवों की नियुक्ति की गई है। वहीं राष्ट्रीय कार्यकारिणी में सरगुजा संभाग से पहली बार छात्र नेता प्रतीक सिंह को स्थान देते हुए राष्ट्रीय सचिव की बड़ी जिम्मेदारी दी गई है। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन द्वारा गुरुवार को यह आदेश अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव के.सी. वेणुगोपाल के द्वारा जारी किया गया।

नगर के वार्ड क्रमांक चार निवासी प्रतीक सिंह ने राजनीति की शुरुआत 2009 में एनएसयूआई के साधारण सदस्य के रूप में की। एक वर्ष काम करने के बाद महाविद्यालय एनएसयूआई का उपाध्यक्ष बनाया गया वही संगठनात्मक क्षमता को देखते हुए 2010 में संगठन का ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त किया गया। ब्लॉक अध्यक्ष में 2 वर्ष काम करने के बाद अविभाजित सरगुजा का जिला महासचिव बनाया गया इस पद पर भी 2 वर्षो तक प्रतीक ने कार्य किया।

2013 में जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया, एनएसयूआई जिला अध्यक्ष के रूप में प्रतीक ने 2013 से 2019 तक कार्य किया। इसके बाद प्रतीक को एनएसयूआई का प्रदेश महासचिव नियुक्त किया गया। इस पद पर प्रतीक ने में 2021 तक कार्य किया। इसके बाद एनएसयूआई के राष्ट्रीय संयोजक के रूप में बड़ी जवाबदारी संगठन की ओर से मिली।

एनएसयूआई के राष्ट्रीय संयोजक बनने के बाद संगठन के विभिन्न राष्ट्रीय कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर भाग लिये व दिल्ली विश्वविद्यालय चुनाव में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के कारण प्रतीक हमेशा संगठन के नजर में रहे जिस कारण उन्हें एनएसयूआई के राष्ट्रीय सचिव के रूप में बड़ी जवाबदारी मिली।

मतदान दलों के प्रशिक्षण में नशे में पंहुचे शराबी प्रधान अध्यापक को किया निलंबित

कोंडागांव। जिला मुख्यालय में चुनाव के मद्देनजर मतदान दलों के प्रशिक्षण के दौरान नशे में पाए जाने के कारण प्रधान अध्यापक कमलेश्वर सोरी को प्रशिक्षण अधिकारी की जांच में छत्तीसगढ़ पुलिस के द्वारा अल्कोहल टेस्टिंग की रिपोर्ट के आधार पर निलंबित कर दिया गया है। निलंबन अवधि में प्रधान अध्यापक का कार्यालय विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी माकड़ी निर्धारित किया गया है। निलंबन अवधि में उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार लोकसभा निर्वाचन 2024 के लिए मतदान दलों के अधिकारियों के लिए पहले चरण के प्रशिक्षण का आयोजन बुधवार को किया गया था। प्रशिक्षण में माकड़ी विकासखण्ड के प्राथमिक शाला धारलीपारा तोरेंगा के प्रधान अध्यापक कमलेश्वर सोरी को मतदान अधिकारी-03 के रूप में नियोजित किया गया था।

प्रथम प्रशिक्षण के दौरान मतदान प्रशिक्षण में प्रधान अध्यापक कमलेश्वर सोरी शराब के नशे में पहुंचे थे। इसकी जानकारी लगते ही नियुक्त नोडल अधिकारी ने प्रशिक्षण अधिकारी को शराब पीकर आने की जानकारी दी। प्रशिक्षण अधिकारी ने जांच में छत्तीसगढ़ पुलिस अल्कोहल टेस्टिंग में रिपोर्ट के आधार पर इसकी पुष्टि की।

जिसके आधार पर निर्वाचन कार्य और मतदान दल के कार्मिक प्रशिक्षण में जानबूझकर शराब पीकर उपस्थित होना से घोर लापरवाही और अनुशासनहीनता के लिए कार्रवाई करते हुए प्रधान अध्यापक कमलेश्वर सोरी को सेवा से निलंबित कर दिया गया है।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

आईजी ने दरबार लगाकर सुनी पुलिसकर्मियों की समस्याएं

कोरबा। बिलासपुर रेंज के आईजी डॉ. संजीव शुक्ला इन दिनों कोरबा दौरे पर हैं। वार्षिक निरिक्षण के तहत कोरबा पहुंचे आईजी को एसपी कार्यालय में गॉर्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद आईजी ने पुलिस लाइन में आयोजित परेड का निरिक्षण किया और सलामी ली। इसके बाद उन्होंने जन दरबार लगाया और पुलिस कर्मियों की समस्याओं को सुना। कोरबा पहुंचते ही पुलिस अधिकारियों ने उनका जोरदार स्वागत किया। एसपी कार्यालय में पुलिस कर्मियों द्वारा उन्हें गॉड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद आईजी सीधे पुलिस लाइन पहुंचे जहां उन्होंने परेड का निरिक्षण किया और सलामी ली। इसके बाद उन्होंने मौके पर ही दरबार लगाया और पुलिस कर्मियों की समस्याओं को सुना और उनका निराकरण करने की बात कही। आईजी डॉ. संजीव शुक्ला ने बताया कि वार्षिक निरीक्षण के दौरान साल में एक बार किया जाता है जिसके तहत दर्जी थाना के कामकाज का निरीक्षण किया गया इसके अलावा पुलिस लाइन में परेड का निरीक्षण कर पुलिस कर्मियों की समस्या जानी।

सड़क पर उतरे एसपी और एसडीएम, कई वाहनों कार्रवाई

जशपुर। पत्थलगांव शहर के तीनों मुख्य मार्गों पर यातायात की भारी अव्यवस्था को देखते हुए शुक्रवार को अचानक स्क्क और स्ष्ठरू सड़क पर उतरे।

इस दौरान एसपी शशि मोहन सिंह ने सड़क दुर्घटना को बढ़ावा दे रहे स्पॉट चिन्हित कर आधा दर्जन बैंक अधिकारियों को कड़ी चेतावनी दे दी। दरअसल, शहर में यातायात की भारी अव्यवस्था से ही दमकल और ऐंबुलेंस सेवा बाधित होने पर प्रशासनिक अधिकारियों ने इसे गंभीरता से लिया है। एसपी ने राहगीरों के पैदल आवागमन को बाधित कर रहे अनेक वाहनों के चालान कर उनके खिलाफ कार्रवाई की है। शहरी क्षेत्र की सड़कों पर बीते एक हफ्ते में 24 दुर्घटना के मामलों में दस लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि यहां यातायात दुर्घटनाओं को रोकने के लिए कई जरूरी सुधार कार्य करने की योजना बनाई गई है। इसके लिए व्यापारी, जनप्रतिनिधियों की बैठक लेकर आवश्यक सहयोग लिया जाऐगा।

तालाब में नहाते समय बच्चे के मुंह में घुसी मछली

जांजगीर-चांपा। जिला से एक अजीबो-गरीब मामला सामने आया है। यहां तालाब में नहाने के दौरान एक 14 साल के बच्चे के मुंह में मछली घुस गई और गले मे फंस गई है। घटना अकलतरा थाना क्षेत्र के करुमहु गांव की है। बच्चे का नाम समीर गोंड़ बताया जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार, स्थानीय स्तर पर बच्चे के गले से मछली को निकालने का प्रयास किया गया, लेकिन बच्चे की स्वास्थ्य बिगड़ने के कारण 112 के माध्यम से अकलतरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। यहां डॉक्टरों ने भी मुंह में फंसे मछली को निकालने का प्रयास किया, लेकिन कामयाबी नहीं मिली। इसके बाद बच्चे को उपचार के लिए बिलासपुर सिम्स रिफर किया गया है।

छत्तीसगढ़ के अमेठी में सड़कों पर घूम रही बीमारी

धमतरी। धमतरी के खरेंगा रोड पर बायोमेडिकल वेस्ट को फेंक दिया गया है। इस वेस्ट में कई एक्सपायरी दवा है। साथ ही पीपीई किट के अलावा अन्य सामान शामिल है। मेडिकल वेस्ट को यूं रोड पर फेंके जाने से गांव के लोगों में गुस्सा देखने को मिल रहा है। फिलहाल ये पता नहीं चल पाया है कि ये दवाइयां किस मेडिकल स्टोर के संचालक ने फेंका है। इस बारे में सहायक औषधि नियंत्रक ने कहा कि शिकायत मिलने के बाद बायोमेडिकल वेस्ट को हटवा दिया गया है। दवा के बैच नंबर से एजेंसी का पता लगाकर कार्रवाई की जाएगी। दरअसल, ये वाकया धमतरी के खरेंगा रोड में कलारतराई और अमेठी के पास का है। यहां सड़क पर ही किसी मेडिकल स्टोर संचालक ने बायोमेडिकल वेस्ट फेंक दिया था। इस वेस्ट में न सिर्फ एक्सपायरी दवाइयां थी, बल्कि पीपीई किट सहित अन्य सामान भी थे। इसे लेकर गांव में तरह-तरह की चर्चा होने लगी थी। लोगों में आक्रोश भी था कि आखिर किस अस्पताल या मेडिकल स्टोर संचालक की ओर से ये फेंका गया है।

पुलिस की लापरवाही से फल रहा अवैध शराब का कारोबार

सक्ती। सक्ति- हसौद- अंचल में बड़े पैमाने पर महुआ लहान से कच्ची शराब बनाने का कारोबार चल रहा है। अंचलों सहित कई जगह कंजरों के डेरे पर खुलेआम कच्ची शराब बनाकर बेची जा रही है। पुलिस अक्सर यहां छापेमारी करती रहती है मगर एक दो दिन बाद फिर से भट्ठियां शुरू हो जाती हैं। सरकार वैधानिक रूप से शराब की दुकानें भले ही बढ़ा रही हों, लेकिन अवैध रूप से भी बड़े पैमाने पर शराब बनाई जा रही है। कच्ची शराब बनाने के ज्यादातर मामले हसौद थाना क्षेत्र के ग्राम धमनी, मल्दा, चिसदा, हसौद, पेंड्री व भातमहुल सहित अन्य डेरों पर मिलते हैं। घरों के अंदर, नदी के किनारे, भी भट्टी से शराब बनाई जा रही है। वहीं आस-पास गांव में शराब बनाकर पैकिंग करके बेची जाती है। यहां बता दें कि घरों के अंदर के डेरे सहित कई दुर्गम इलाकों में कच्ची शराब बनाई जाती है। कहीं न कहीं आबकारी विभाग में अमले की कमी और पुलिस की लापरवाही से यह कारोबार लगातार फल- फूल रहा है।

ज्योत्सना के आदर्श ग्राम भैसमा में विकास का स्ट्राइक रेट हुआ फेल

कोरबा। आदर्श ग्राम योजना का मकसद गांवों तक विकास की गंगा को पहुंचाना था। गांव तक विकास की धारा पहुंचाने के इरादे से सांसदों ने अपने अपने क्षेत्र में गांव को गोद लिया। कोरबा लोकसभा सीट से कांग्रेस की सांसद ज्योत्सना महंत ने भी भैसमा गांव को आदर्श ग्राम बनाने के लिए गोद लिया। सासंद जी का पांच साल का कार्यकाल अब समाप्त होने को है। पांच सालों में न तो भैसमा गांव आदर्श गांव बन पाया नहीं विकास की कोई रेखा जमीन पर नजर आई। गांव वालों का कहना है कि तीन करोड़ के विकास कार्यों का काम शुरु होना था। पर एक सीसी रोड ही सांसद आदर्श ग्राम में योजना के तहत 9 लाख की लागत से बन पाया।

गांव के लोगों की शिकायत है कि सांसद कभी कभार ही यहां आई हैं। पूरे गांव में पानी की सबसे बड़ी समस्या है। गर्मी के दिनों में पानी की किल्लत यहां लोगों के लिए मुसीबत बन जाती है। जलस्तर लगातार गिरने से पानी मिलना लोगों को मुश्किल हो गया है। हालत ये है कि रोजमर्रा के कामों के लिए भी पानी का जुगाड़ करना अब कठिन होता जा रहा है।

वर्तमान में भैसमा गांव की आबादी 2000 से अधिक है। गांव के लोगों ने बताया कि दूर के एक नाले से पानी का इंतजाम गांव वाले करते हैं। आबादी बड़ी है और नाले में भी पानी कम रहता है, लिहाजा पानी गांव वालों को पूरा नहीं पड़ता। ऐसा नहीं है कि गांव मे पानी कि किल्लत को दूर करने के लिए जलप्रदाय योजना नहीं बनी। योजना बनी लेकिन पूरी नहीं हो पाई। कागजों में काम होता गया जमीन पर लोग पानी के लिए तरसते रहे। सांसद आदर्श ग्राम की हालत ये है कि लोग पानी और विकास के इंतजार में पांच साल से बैठे हैं।

पूर्व सरपंच और वर्तमान सरपंच संजय कुमार कंवर बताते हैं। सांसद आदर्श ग्राम मद से बीते 5 सालों में सिर्फ 9 लाख 44 हजार के खर्च से एक सीसी रोड बना। सीसी रोड के अलावा गांव में आदर्श ग्राम योजना के कोटे से और कोई भी काम नहीं हुआ। हम लोग अपने स्तर पर 15वें वित से गांव के विकास के लिए छोटे-मोटे कम स्वीकृत कराते हैं।

भैसमा गांव के लोगों की शिकायत है कि ज्योत्सना महंत पिछली बार तब आई जब पूर्व उपमुख्यमंत्री स्व। प्यारेलाल कंवर के परिवार में उनके बेटे का निधन हुआ। उसके बाद से गांव में विकास कार्यों की समीक्षा और गांव वाला का हालचाल लेने वो कभी नहीं आई। सांसद जी से मुलाकात जरूर हुई लेकिन विकास के कामों पर कोई चर्चा नहीं की।

निवासी श्यामलाल यादव ने कहा गांव में पानी की बड़ी समस्या है। गर्मी के आते ही पानी के सारे स्रोत सूख जाते हैं। लोग पानी के लिए तरसते हैं। दूर के नाले से पानी ढोकर लाते हैं। सांसद आदर्श गांव होने का भैसमा को कोई फायदा नहीं मिला। हमें लगा था सांसद जी ने गांव को गोद लिया है तो विकास होगा। पांच साल हो गए सांसद जी को अबतक गांव आते नहीं देखा। निवासी देव कंवर सिंह ने कहा सांसद जी को हमने गांव में आज तक आते नहीं देखा। सुना है कि गांव को गोद लिया था। गांव में कोई भी विकास का काम नहीं हुआ। गांव में एक सामुदायिक भवन तक नहीं बना। किसी के यहां शादी होती है तो बारात कहां रुके ये सोचना पड़ता है।

फूड प्वाइजनिंग के शिकार मरीजों से मिले महापौर

बलरामपुर। कैबिनेट मंत्री रामविचार नेताम के गृह गांव सनावल में होली मिलन समारोह का आयोजन हुआ। होली मिलन कार्यक्रम के दौरान खाना खाने के बाद कई लोग फूड प्वाइजनिंग के शिकार हो गए। मरीजों को अस्पताल में जिसके बाद बाद भर्ती कराया गया। भर्ती मरीजों का हालचाल लेने खुद महापौर अजय तिर्कि पहुंचे। तिर्की ने मरीजों के चल रहे इलाज की जानकारी डॉक्टरों से ली। होली मिलन के बाद फूड प्वाइजनिंग का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है।

होली मिलन का आयोजन कैबिनेट मंत्री के गांव में हुआ था। आयोजन के दौरान 200 से ज्यादा लोगों को फूड प्वाइजनिंग हो गई। सभी लोगों को उल्टी दस्त और बुखार की शिकायत रही। बीमार लोगों को उनके परिजनों ने आनन फानन में सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। अबतक आधे से ज्यादा मरीजों को इलाज के बाद छुट्टी भी मिल गई है। प्रभावित इलाकों से लेकिन अभी भी मरीजों का ओपीडी में आकर इलाज कराना जारी है। मरीजों का हालचाल लेने पहुंचे अजय तिर्की ने होली मिलन के आयोजन पर सवाल खड़े किए हैं। मुझे खबर मिली थी काफी ज्यादा लोग फूड प्वाइजनिंग के शिकार हुए हैं। मैं डॉक्टरों और मेडिकल ऑफिसर टीम के संपर्क में था। ओपीडी में भी बड़ी संख्या में मरीज आ रहे हैं। सभी को इलाज मिले ये जरूरी है। लोगों का कहना था कि जो पेय पदार्थ बना था उसके पीने के बाद ही सभी की तबीयत बिगड़ी। लोकसभा चुनाव के चलते आचार संहिता लगी है। आचार संहिता में बड़े पैमाने पर होली मिलन का आयोजन किया गया। विपक्ष को जरूर एक मुद्दा मिल गया है। आने वाले वक्त में संभव है विपक्ष इस मुद्दे को सियासी रुप से भुनाने की कोशिश करे।

संक्षिप्त समाचार

विश्व रंगमंच दिवस पर गिरीश पंकज सम्मानित

रायपुर। विश्व रंगमंच दिवस के अवसर पर

महाराष्ट्रमंडल के प्रेक्षागृह में य. गो. जोगलेकर स्मृति में आयोजित रंग कविता का आयोजन किया गया। युवा रंगकर्मी आचार्य रंजन मोडक के कुशल निर्देशन में सुभद्राकुमारी चौहान की अमर कृति खूब लड़ी मर्दानी के अलावा रामवृक्ष बेनीपुरी, सियारामशरण गुप्त, राजेश जैन राही आदि की कविताओं का मंचन किया गया। कलाकार थे आयुष राजवैद्य, चैतन्य, नितेश, नीरज, आकाश, सुमन, सुषमा, जयप्रकाश साहू, रंजन, प्रीति, लोकेश। तिलक भोगल के मर्मस्पर्शी पार्श्व स्वर ने मंचन में जान फूंक दी। इस अवसर पर मंडल के अध्यक्ष श्री अजय काले, सदस्य प्रो अभया जोगलेकर और नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष मीनल चौबे आदि के द्वारा पिछले पचास वर्षों से समर्पित रंगकर्मी अनिल कालेले को रंग पुरोधा सम्मान से अलंकृत किया गया। साहित्य भूषण की उपाधि से विभूषित गिरीश पंकज को साहित्य पुरोधा सम्मान प्रदान किया गया। आयोजक श्री मोडक ने बताया कि अभी हाल ही में गिरीश पंकज की बीस खण्डों वाली रचनावली प्रकाशित हुई है इसलिए हम उनका सम्मान कर रहे हैं।

आचार संहिता के दौरान निगरानी दलों की बड़ी कार्रवाई, अब तक 25 करोड़ रुपये की अवैध नगदी और सामान किए जब्त

रायपुर। आचार संहिता प्रभावी होने के बाद छत्तीसगढ़ में निगरानी दलों की चेकिंग अभियान जारी है। प्रदेश में आचार संहिता प्रभावी होने के बाद से अब तक कुल 25 करोड़ आठ लाख रुपये की अवैध धन राशि और सामान जब्त की गई है। वहीं 28 मार्च तक पांच करोड़ 28 लाख नगदी रकम जब्त की गई है। प्रदेश में लोकसभा आम निर्वाचन के लिए आदर्श आचार संहिता के प्रभावी होने के बाद से अब तक 25 करोड़ 8 लाख रुपये की अवैध धन राशि और सामान जब्त की गई है। जानकारी के अनुसार, प्रवर्तन एजेंसियों (इन्फोर्समेंट एजेंसीज) की ओर से निगरानी के दौरान 28 मार्च तक पांच करोड़ 28 लाख रुपये की नगद धन राशि जब्त की गई है। इस दौरान 17311 लीटर अवैध शराब जब्त की गई है, जिसकी कीमत 41 लाख रुपये है। सघन जांच अभियान के दौरान एक करोड़ 48 लाख रुपये कीमत के 784 किलोग्राम मादक पदार्थ और 94 लाख रुपये कीमत के 23 किलोग्राम कीमती आभूषण भी जब्त किया गया है। इनके आलावा 16 लाख 96 हजार रुपये कीमत की कई सामान भी जब्त किया गया है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रीना बाबासाहेब कंगाले ने लोकसभा आम निर्वाचन के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

रायपुर पुलिस की चेकिंग के दौरान जब्त की आठ लाख 50 हजार रुपये

रायपुर। अपराधों की रोकथाम और आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर सुरक्षा और कानून व्यवस्था को देखते हुए रायपुर के समस्त थाना क्षेत्रों में सभी वाहनों सहित संदिग्ध व्यक्तियों की लगातार चेकिंग की जा रही है। इसी क्रम में थाना मौदहापारा क्षेत्रांतर्गत मौदहापारा पुलिस की ओर से मरही माता मंदिर के सामने सरप्राइस चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान बाइक सवार दो व्यक्तियों की चेकिंग करने पर नगदी रकम रखा होना पाया गया। पुलिस न जब रकम के संबंध में पूछताछ की और परिवहन करने के संबंध में वैध दस्तावेज की मांग करने पर उसने नगदी रकम के संबंध मे वैध पूर्ण दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया। साथ ही पुलिस को गोल-मटोल जवाब देकर गुमराह किया जा रहा था। इस दौरान पुलिस ने व्यक्ति के कब्जे से नगदी रकम आठ लाख 50 हजार रुपये जब्त किए। थाना मौदहापारा में जब्त कर अग्रिम कार्रवाई के लिए निर्वाचन आयोग की ओर से गठित कमेटी में भेजा गया है।

कृषि मंत्री नेताम के खिलाफ कांग्रेस ने चुनाव आयोग में किया शिकायत

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के कृषि मंत्री रामविचार नेताम के द्वारा अपने गृहग्राम में होली मिलन कार्यक्रम में आम नागरिको को भोजन कराने और भांग परोसने की शिकायत कांग्रेस विधि विभाग ने मुख्य चुनाव आयुक्त से किया। ज्ञापन में कहा गया है कि वर्तमान समय में सम्पुर्ण भारत में आदर्श आचार संहिता लागू है ऐसे स्थिति में छत्तीसगढ़ राज्य के कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम के द्वारा अपने गृह ग्राम में आयोजित होली मिलन कार्यक्रम में भोजन परोसने और भांग पिलाने का जो कार्यक्रम आयोजित किया गया था। वह आदर्श आचार संहिता का घोर उल्लंघन है। जिसका विरोध छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी विधि विभाग करती है। प्रायः देखा जा रहा है कि, छत्तीसगढ़ शासन के मंत्री आदर्श आचार संहिता का मजाक बना लिये है और बिना किसी डर और भय के आदर्श आचार संहिता का खुलेआम उल्लंघन कर रहे है। जिस पर छत्तीसगढ़ राज्य चुनाव आयोग को ऐसे कार्यक्रम आयोजन करने वाले मंत्री/व्यक्ति के विरूद्ध तत्काल संज्ञान लेने की आवश्यकता है। ताकि निष्पक्ष चुनाव छत्तीसगढ राज्य में हो सके। उपरोक्त विषयों पर तत्काल रोक लगाते हुये संबंधित व्यक्तियों के विरूद्ध समुचित कार्यवाही किया जाए। ज्ञापन सौपने वालों में कांग्रेस विधि विभाग प्रदेश अध्यक्ष देवा देवांगन, नंदकुमार पटेल, मनोज कुमार सोनकर, सादिक अली, अंकित कुमार मिश्रा, ज्ञानेश्वर यदु, रवि शर्मा उपस्थित थे।

रायपुर ग्रामीण मंडल की बैठक में बृजमोहन ने दिया जीत का मंत्र

जनता के पास अब कांग्रेस को वोट देने के लिए कोई कारण नहीं बचा है- अग्रवाल

कार्यकर्ता मोदी के कार्यों को लेकर जनता के बीच जाएं और भाजपा के लिए वोट मांगे: बृजमोहन अग्रवाल

रायपुर। लोकसभा चुनाव को देखते हुए भाजपा पूरे जोश के साथ चुनावी रण में उतर गई है। शुक्रवार वरिष्ठ मंत्री और रायपुर लोकसभा से भाजपा उम्मीदवार बृजमोहन अग्रवाल ने रायपुर ग्रामीण क्षेत्र अंतर्गत माना मंडल, रायपुर ग्रामीण मंडल,भनपुरी मंडल और बिरगांव मंडल के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की बैठक लेकर लोकसभा चुनाव की तैयारियों का जाएजा लिया और कार्य योजनाओं पर चर्चा की।।

बृजमोहन अग्रवाल ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि,यह लोकसभा चुनाव पिछले विधानसभा चुनाव से अलग है। विधानसभा चुनाव के दौरान यहां कांग्रेस का शासन था। लेकिन अब केंद्र और राज्य दोनो में भाजपा की सरकार है और डबल इंजन सरकार मे छत्तीसगढ़ में विकास के कामों तेजी आई है। हमारे लिए अनुकूल माहौल है। वहीं कांग्रेस का नाम लेने वाला कोई नहीं बचा है। कांग्रेस ने भ्रष्टाचार और घोटाले के कारण राज्य को बर्बाद कर दिया। वहीं जो किसी ने सोचा नहीं था, भाजपा ने वो कर दिखाया हैं। 5 साल की मोदी जी की गारंटी 3 महीनों में ही पूरी हो रही है।

महिलाओं को 1000 रुपए प्रति माह, पक्का मकान, हर घर जल और शौचालय, किसानों को 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी, धान बोनस, प्रति एकड़ 20 हजार रुपए देने वाला कोई है तो मोदी सरकार जो गरीबों को 5 किलो प्रति व्यक्ति प्रति माह मुफ्त राशन दे रही है। युवाओं के लिए अकेले शिक्षा विभाग में ही 33 हजार से ज्यादा भर्तियों की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

वहीं कांग्रेस काल में सीजीपीएससी में हुए घोटाले की जांच सीबीआई को सौंप दी गई है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव के सुशासन में सभी को न्याय और घोटालेबाजों को उनकी सही जगह जेल भेजने की तैयारी शुरू हो गई है। श्री अग्रवाल ने कहा कि, जिसने पहले कांग्रेस को वोट दिया उनके पास अब कांग्रेस को वोट देने के लिए कोई कारण नहीं बचा है। जरूरत है तो कार्यकर्ताओं को घर घर जाकर लोगों से सीधा

संपर्क कर उन्हें यह बताने और समझाने की जरूरत है कि भाजपा को वोट देना क्यों जरूरी है। अग्रवाल ने यह भी कहा कि, कांग्रेस ने कोर्ट में हलफनामा देकर प्रभु राम के अस्तित्व को ही नाकार दिया था। लेकिन प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की दृढ़ निश्चय और इच्छा शक्ति का परिणाम है कि आज करीब 500 सालों के इंतजार के बाद हम अयोध्या में श्री राम लला के दर्शन करने में सफल हो पाए। अब अगर हम भारत को विश्व गुरु देखना चाहते है और रायपुर समेत पूरे छत्तीसगढ़ को विकसित के विकास के लिए भाजपा को प्रचंड मतों से विजयी बनाना होगा। जिसके लिए कार्यकर्ताओं को पूरी लगन और ईमानदारी के साथ एकजुट होकर जनता के बीच जाना होगा। और ज्यादा से ज्यादा लोगों को मतदान करने के लिए प्रेरित करना होगा।

श्री अग्रवाल ने यह भी कहा कि आने वाले समय में और भीषण गर्मी पड़ेगी जिसके लिए अभी से कार्य योजना बनाने की जरूरत है।

जनता को यह बताना पड़ेगा कि, देश के निर्माण के लिए चुनावी यज्ञ में सभी देशवासियों को आहूति देनी है। देश के सुरक्षित और उज्ज्वल भविष्य के लिए अगर उनको 1-2 घंटे की परेशानी भी उठानी पड़े तो वो उसके लिए तैयार रहे। बृजमोहन अग्रवाल ने कार्यकर्ताओं से कहा कि वो अभी से अपने संबंधित इलाके में प्रचार के लिए वॉल पेंटिंग करें साथ ही घरों में झंडे लगाने के कार्य में जुट जाए और एक निश्चित समय सीमा में आने कार्य को समापत करें। साथ ही मतदाता सूची का भी निरीक्षण करें जिससे कोई सही मतदाता का नाम सूची में शामिल होने से न रह जाए और कोई फर्जी नाम सूची में मिलने पर तत्काल संबंधित अधिकारी को सूचित करें। बैठक में सांसद सुनील सोनी ने कार्यकर्ताओं से अपना बूथ सबसे मजबूत का संकल्प दोहराया उन्होंने कहा कि , हर बूथ के एक एक मतदाता के घर जाकर उनसे मिलना है और पार्टी की विचारधारा एवं कामों को बताना है। बैठक में सांसद सुनील सोनी, रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू, प्रदेश प्रवक्ता अमित साहू, प्रदेश कार्य समिति सदस्य प्रकाश बजाज, जिला अध्यक्ष जयंती भाई पटेल, ग्रामीण विधानसभा प्रभारी श्री सुभाष तिवारी, माना मंडल अध्यक्ष श्री रविंद्र सिंह ठाकुर, रायपुर ग्रामीण मंडल अध्यक्ष जितेंद्र धुरंधर, भनपुरी मंडल अध्यक्ष ओम प्रकाश साहू, बिरगांव मंडल अध्यक्ष होरी लाल देवांगन तोशन साहू, भोला राम साहू, रामेश्वर पटेल, श्रीमती तिलेश्वरी धुरंधर, श्रीमती दीपा साहू समेत पार्टी पार्षद, पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

डिप्टी सीएम विजय शर्मा के बयान पर विकास उपाध्याय का पलटवार

■ **कहा- भाजपा अपने गिरेबान में झांकें, हमारे प्रत्याशियों की सूची से उनके पेट में दर्द हो रहा है**

रायपुर। लोकसभा चुनाव की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आ रही है, वैसे-वैसे भाजपा-कांग्रेस के नेताओं के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। दोनों पार्टी के नेता एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाने से नहीं चूक रहे हैं। अब डिप्टी सीएम विजय शर्मा के दीपक बैज को टारगेट किए जाने वाले बयान पर पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा अपने गिरेबान में झांकें, हमारे प्रत्याशियों की सूची से उनके पेट में दर्द होना शुरू हो गया है।

विकास उपाध्याय ने कहा कि हमारा हर प्रत्याशी कड़ा मुकाबला दे रहा है और हम चुनाव जीत रहे हैं। भाजपा को यह पच नहीं रहा है। भाजपा जनता को भ्रमित कर रही है। भाजपा की क्रूटीम का यह काम है, जो इन सब में संलिप्त है। दीपक बैज हमारे

पार्टी के मुखिया हैं, हम उनके नेतृत्व में चुनाव लड़ रहे हैं।

दरअसल, डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने कांग्रेस में बढ़ रही अंतर्कलह पर कहा था कि कांग्रेस में पीसीसी चीफ दीपक बैज को प्रताड़ित करने की कोशिश हो रही है। एक वर्ग उन्हें लगातार टारगेट करने का प्रयास कर रहा है। चुनाव के समय भी लेनदेन का मामला सामने आया था। यह कांग्रेस का अंदरूनी मामला है पर ऐसा प्रतीत होता है कि जानबूझकर दीपक बैज को टारगेट किया जा रहा है।

नारी न्याय योजना के फार्म भराना कांग्रेस ने किया शुरु

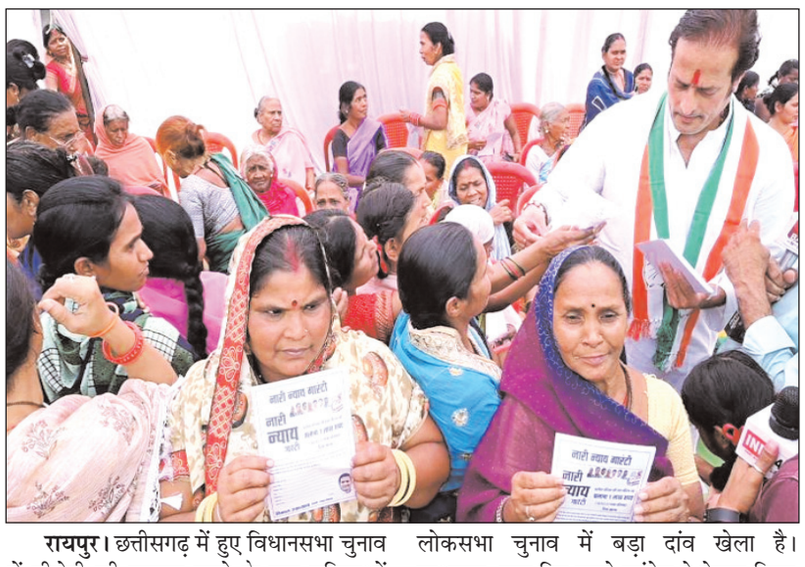

रायपुर। छत्तीसगढ़ में हुए विधानसभा चुनाव में बीजेपी की सरकार बनने के बाद महिलाओं के लिए महतारी वंदन योजना की शुरुआत की है। जिसके तहत हर महीने महिलाओं के खाते में एक हजार रुपए डाले जाते हैं। अब महतारी वंदन योजना को टक्कर देने के लिए कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव में बड़ा दांव खेला है। दरअसल, कुछ दिन पहले कांग्रेस ने ऐलान किया था कि केंद्र में कांग्रेस की सरकार बनते ही 'नारी न्याय योजना' की शुरुआत की जाएगी। अब छत्तीसगढ़ में भी कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं के द्वारा गरीब महिलाओं से 'नारी न्याय योजना' के तहत फॉर्म भरवाए जा रहे है। रायपुर शहर के चारों विधानसभा से इसकी शुरुआत की गई। इस योजना के तहत कांग्रेस का वादा है कि उनकी सरकार बनते ही महिलाओं के लिए इस योजना की शुरुआत की जाएगी। रायपुर लोकसभा से कांग्रेस प्रत्याशी विकास उपाध्याय ने शुक्रवार को लाखेनगर चौक में नगर निगम सभापति प्रमोद दुबे, रायपुर शहर जिला अध्यक्ष गिरीश देवांगन की उपस्थिति में महिलाओं से फार्म भराकर महालक्ष्मी नारी न्याय गारंटी अभियान का शुरुआत किया।

राशन कार्ड वाले पोस्ट पर भाजपा का पलटवार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के शिक्षा, संस्कृति व पर्यटन मंत्री बृजमोहन अग्रवाल का भूपेश बघेल के राशन कार्ड वाले पोस्ट पर बड़ा बयान सामने आया है। मंत्री ने कहा कि पूर्व सीएम को को बोलने का अधिकार ही नहीं है। उन्होंने तो छत्तीसगढ़ को पूरे देश से ही गायब कर दिया था। भूपेश बघेल ने शराब, धान, कोयला, महादेव एप एवं पीडीएस फंड में भ्रष्टाचार किया। वे भ्रष्टाचार के जनक हैं। छत्तीसगढ़ को उन्होंने बदनाम कर दिया है।

छत्तीसगढ़ भाजपा कोर कमेटी की बैठक, जामवाल ने कहा-

सीएम साय पूरा कर रहे मोदी की गारंटी

रायपुर। भाजपा कोर कमेटी और चुनाव प्रबंधन समति की बैठक बीजेपी जिला कार्यालय एकात्म परिसर में हुई। इसमें पार्टी के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल ने भाजपा कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए लोकसभा चुनाव जीतने के लिए हुंकार भरी। उन्होंने कहा कि पिछले लोकसभा चुनाव में मिले मतों के प्रतिशत को बढ़ाने के लिये बूथ स्तर पर कार्य करने जुट जाएं।

जामवाल ने कहा कि देश में 2024 में होने वाला लोकसभा चुनाव बड़ा महत्वपूर्ण है। ये चुनाव देश का भविष्य तय करने वाला है। देश की हर लोकसभा सीट भाजपा के लिए महत्वपूर्ण है। पीएम मोदी ने 2047 तक भारत को विकसित देश बनाने का संकल्प है, जिसमें हम सभी को अपना 100 प्रतिशत देना है। आत्मनिर्भर भारत बनाने के साथ ही भारत को विश्व गुरु बनाने की दिशा में अग्रसर करना है। उन्होंने कहा कि हमें केंद्रीय संगठन की ओर से

विधानसभा चुनाव और उसके बाद लोकसभा चुनाव में जो कार्यक्रम दिए गए थे उस पर फोकस करते हुए लोकसभा चुनाव में बूथ स्तर पर कार्यक्रम तय करना होगा। मोदी की एक एक गारंटी को प्रदेश की विष्णुदेव साय सरकार पूरा कर रही है। प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय ने कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार करते हुए कहा कि संगठन ने लोकसभा चुनाव का पूरा कार्यक्रम तय कर लिया है। बूथ से लेकर मंडल तक कार्यकर्ताओं को पूरी ताकत से चुनाव में जुटना होगा। बूथ स्तर पर हमें 10 फीसदी वोट बढ़ाने पर फोकस करना है।

बैठक में सांसद सुनील सोनी, प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष एवं लोकसभा चुनाव प्रबंधन समिति के प्रदेश संयोजक शिवरतन शर्मा, रायपुर पश्चिम विधायक राजेश मूणत, विधायक धरसीवां अनुज शर्मा, आरंग विधायक गुरु खुशवंत साहेब, उत्तर के विधायक पुरन्दर मिश्रा, लोकसभा प्रभारी संदीप शर्मा,जिला प्रभारी अशोक पांडेय, भाजपा ग्रामीण रायपुर जिलाध्यक्ष श्याम नारंग,पूर्व मंत्री चंद्रशेखर साहू, नवीन मार्कंडेय, संजय ढीढी, डॉ. किरण बघेल आदि मौजूद रहे।

आरपीआई ने छत्तीसगढ़ भाजपा को दिया समर्थन

■ **कहा- नहीं खड़ा करेंगे प्रत्याशी, हम एनडीए के साथ**

रायपुर। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया यानी आरपीआई ने लोकसभा चुनाव में छत्तीसगढ़ बीजेपी को पूर्ण समर्थन देने का एलान किया है। इस संबंध में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद रामदास आठवले ने बीजेपी को खत लिखकर भाजपा प्रत्याशियों को पूर्ण समर्थन देने की घोषणा की है। आरपीआई प्रदेश की सभी 11 लोकसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार नहीं खड़ा करेगी।

आरपीआई राष्ट्रीय अध्यक्ष आठवले का पत्र लेकर प्रदेश के प्रभारी अभिषेक वर्मा ने शुक्रवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव से भेंट उन्हें ये पत्र सौंपा। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव को लिखे पत्र में राज्यसभा सांसद रामदास आठवले ने कहा है कि बीजेपी ने डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर की विचारधारा को अपनाया है। ऐसे में रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया एनडीए में मित्रवत पार्टी के रूप में साथ में रहेगी।आठवले ने खत में लिखा कि पीएम नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश प्रगति कर रहा है। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, और सबका प्रयास इस घोषणा को सभी जाति और धर्म के लोग स्वीकार कर रहे हैं। कांग्रेस के 70 सालों के शासनकाल की तुलना में प्रधानमंत्री मोदी का कार्यकाल स्वर्णकाल माना जा रहा है। इसलिए भाजपा को केंद्र में सरकार स्थापना करने के लिए रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आठवले) छत्तीसगढ़ राज्य की सभी लोकसभा सीटों पर अपना उम्मीदवार खड़ा नहीं करेगी।

बता दें कि रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आठवले) ने पिछले विधानसभा चुनाव 2023 में भी छत्तीसगढ़ की सभी 90 सीटों पर भाजपा प्रत्याशियों को अपना पूर्ण समर्थन दिया था।

भूपेश जब सत्ता में थे तो राज्य को लूटा, अब ईवीएम पर उठा रहे सवाल

■ **मैं और मेरा के भाव से प्रेरित हैं पूर्व मुख्यमंत्री बघेल : केदारनाथ गुप्ता**

रायपुर। बस्तर लोकसभा प्रत्याशी कवासी लखमा के टिकट को लेकर दिये बयान पर छत्तीसगढ़ बीजेपी ने जोरदार जुनाबी हमला बोला है। भाजपा जिला कार्यालय एकात्म परिसर रायपुर में प्रेस ब्रीफ में बीजेपी प्रदेश प्रवक्ता केदारनाथ गुप्ता ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कवासी लखमा चुनाव में हार को देखते हुए इस तरह का बहाना बना रहे हैं। पूर्व सीएम भूपेश बघेल पर कहा कि कांग्रेस के कई सीनियर नेता उनके खिलाफ बोल रहे हैं। ऐसे में अपनी हार को देखते हुए बघेल कई तरह के बहाने बना रहे हैं।

बीजेपी प्रदेश प्रवक्ता केदारनाथ गुप्ता ने कहा कि भूपेश बघेल स्व के भाव से प्रेरित हैं। मैं और मेरा के भाव से प्रेरित हैं। जब वह सत्ता में रहे तो मैं और मेरा के भाव से छत्तीसगढ़ महतारी की संपदा को लूटा। तानाशाही रवैया से कई अधिकारियों और नेताओं को दबाकर अपराध की दलदल में धकेला। महादेव सट्टा हो या कोल स्कैम, मैं और मेरा के भाव से कई नेता, अधिकारी जेल में हैं तो कई बेल पर। कांग्रेस पार्टी को नुकसान कराया। स्व के भाव ने कांग्रेस से सत्ता छीन ली। उन्हें पार्टी से

कोई लेना-देना नहीं है। जब लोकसभा चुनाव की प्रक्रिया शुरू हुई तो उन्होंने कहा था कि मैं लोकसभा चुनाव नहीं लड़ूंगा, बाकी लोग लड़ेंगे। उन्हें स्पष्ट रूप दिखाई दे रहे था कि छत्तीसगढ़ की जनता ने उनके भाव को समझ लिया है। वह अपने लिए राजनीति करते हैं, इसलिए वह तैयार नहीं थे। उन्हें मालूम था कि रायपुर से नहीं जीत नहीं पाएंगे, तभी राजनांदगांव भाग खड़े हुए। अब राजनांदगांव में भी उन्हें हार स्पष्ट दिखाई दे रही है। क्योंकि वहां के कांग्रेस कार्यकर्ता सुरेंद्र वैष्णव ने उनके सामने मंच पर कहा था कि अब आपको फुर्सत मिली है। जब वो सत्ता में थे तब कार्यकर्ताओं का काम नहीं किया। अब आपको कार्यकर्ताओं से मिलने की याद आई है। इसके बाद उन्हें पार्टी से निकाल दिया गया।

उन्होंने कहा कि जब साल 2018 में कांग्रेस की सरकार बनी, तो वो सरकार बनाने के लिए राज्यपाल के पहुंच गए। अब ईवीएम पर सवाल उठा रहे हैं। हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक और राजस्थान में ईवीएम से चुनाव हुए और कांग्रेस की सरकार बनी तो अच्छा था। वर्ष 2004 से 2014 तक कांग्रेस की मनमोहन सरकार रही तो ईवीएम अच्छा था। क्या मनमोहन सिंह को उस समय कम अनुभव था जो उन्होंने बैलेट पेपर चालू नहीं करवाया। भूपेश बघेल स्वग्रसित व्यक्ति हैं। अब वह कांग्रेस कार्यकर्ताओं से कह रहे हैं एक सीट से 375 लोग चुनाव में खड़े हो, तो बैलेट पेपर से चुनाव होगा।

उन्होंने कहा कि भूपेश ये जान लें कि अब जतना के हाथ में छड़ी है। वो भारतीर संविधान का मजाक उड़ा रहे हैं । वो कांग्रेस पार्टी का कब्र खोद रहे हैं। वह अपने पार्टी को बताने जा रहे हैं कि 375 लोग खड़े हो गए तो इसलिए हम नहीं जीत पाए। भूपेश बघेल ने अभी से मानसिक रूप से अपनी हार स्वीकार कर ली है। उनके कार्यकर्ता विरोध कर रहे हैं। मुख्यमंत्री रहते हुए भूपेश बघेल के पिता ने खुद कहा था कि उन्हें पार्टी से निकाल दो। ऐसे नेता को जनता कैसे वोट देगी।

बीजेपी अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष विकास मरकाम ने कहा कि कवासी लखमा का बयान% बहू लेने गया था दूल्हा बना दिया% बस्तर की जनता का अपमान है। ऐसे लोग सांसद बनकर जनता की सेवा करना ही नहीं चाहते आखिर उन्हें जनता क्यों चुनेगी। कवासी लखमा ने कहा मैंने दीपक बैज को टिकट देने बोला था। उन्होंने कहा कि भाजपा राजनीतिक को जनता का माध्यम मानती है कवासी लखमा की सोच ऐसी है कि वह दूल्हा-दुल्हन पर उतर आए हैं। यानी सेवा का भाव इन कांग्रेसियों में कहीं नहीं है। बीजेपी ने आरोप लगाया कि अपनी हार को देखकर लखमा का दिमागी संतुलन बिगड़ गया है।

एनडीए को चुनौती देने की हालत में नहीं इंडी

अजय सेतिया

चुनावों की शुरुआत से पहले ही इंडी एलायंस चारों खाने चित हो गया है। वह चार राज्यों में भाजपा से सीधा मुकाबला करने के मंसूबे बना रहा था। कहा यह जा रहा था कि चारों राज्यों में भाजपा के सामने विपक्ष का एक ही उम्मीदवार खड़ा होगा तो उसे बड़ा नुकसान उठाना पड़ेगा। सबसे ज्यादा सीटों वाले दो हिन्दी भाषी और दो गैर हिन्दी भाषी इन चारों राज्यों में 210 लोकसभा सीटें हैं। जिनमें से भाजपा खुद पिछली बार 121 सीटें जीती थी, और उसके सहयोगी दल 52 सीटें जीते थे। कुल मिला कर 210 में से 173 सीटें एनडीए जीती थी, जबकि विपक्षी दल सिर्फ 36 सीटें जीते थे। ये राज्य हैं, बंगाल, महाराष्ट्र, बिहार और उत्तर प्रदेश। एनडीए को पूरे देश में मिली 353 सीटों में से करीब करीब आधी सीटें इन चार राज्यों से मिली थीं। इन चार राज्यों में कांग्रेस पिछली बार पांच सीटें जीती थी, बंगाल में दो, बाकी तीनों राज्यों में एक एक सीट। इंडी गठबंधन के बाकी दल इन चारों राज्यों में 31 सीटें जीते थे। जिनमें से सबसे ज्यादा तृणमूल कांग्रेस बंगाल में 22 सीटें जीती थी, एनसीपी महाराष्ट्र में चार और समाजवादी पार्टी उत्तर प्रदेश में पांच, हालांकि दो सीटें वह बाद में उपचुनाव में भाजपा से हार गई थी। इन चारों राज्यों में केवल पांच सीटें जीतने वाली कांग्रेस गठबंधन के सहयोगियों से 68 सीटें मांग रही थी। महाराष्ट्र में एनसीपी और उद्धव शिव सेना से 48 में से 26, उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी से 80 में से 22 , बिहार में राजद से 40 में से 15 और बंगाल में तृणमूल कांग्रेस से 42 में से 5 सीटें। ये चारों राज्य भाजपा के लिए अहम हैं, क्योंकि एनडीए की मौजूदा 353 में से आधी इन चार राज्यों से जीती थी। बंगाल को छोड़कर बाकी तीनों राज्यों में भाजपा की जीत में उसके सहयोगी दलों की भी अहम भूमिका थी, लेकिन बिहार और महाराष्ट्र में राजग के पुराने साथी जेडीयू और शिवसेना उसका साथ छोड़ चुके थे। अगर एनडीए फिर से मजबूत न होता, इंडी एलायंस से सीधे मुकाबले की स्थिति बनती, तो भाजपा को निश्चित ही मुश्किल होती। छह महीनों के भीतर हालात बदल गए हैं। इन छह महीनों में उत्तर प्रदेश, बिहार और महाराष्ट्र में एनडीए पहले से ज्यादा मजबूत हुआ है, जबकि इंडी गठबंधन इन चारों ही राज्यों में कमजोर हो चुका है। चुनाव शुरू होने से पहले ही चारों राज्यों में भाजपा ने इंडी एलायंस को बहुत पीछे छोड़ दिया है। पश्चिम बंगाल में कांग्रेस और वामपंथी दलों का ममता बनर्जी के साथ सीट शेयरिंग नहीं हुआ। संदेशखाली की घटना के बाद तृणमूल कांग्रेस बचाव की मुद्रा में है। भाजपा ने जिस तरह संदेशखाली में तृणमूल कांग्रेस के नेता के शोषण की शिकार हुई रेखा पात्रा को उम्मीदवार बनाया, उसने पूरे राज्य में चुनाव को दिलचस्प बना दिया है। बंगाल की क़ानून व्यवस्था की बुरी हालत और नागरिकता संशोधन क़ानून की नियमावली लागू होने के बाद उन इलाकों में खासकर भाजपा की स्थिति मजबूत हो गई है, जहां बांग्लादेश से आए हिन्दू शरणार्थी बिना नागरिकता के रह रहे थे। तृणमूल कांग्रेस के इन वोटरों के 80 से 90 प्रतिशत तक भाजपा की तरफ लौटने की संभावना बनी है। अब यह तय है कि भाजपा पिछली बार जीती अपनी 18 सीटें तो बचाएगी ही, कुछ और सीटें भी तृणमूल कांग्रेस से छीनेगी। कांग्रेस जो अपना फायदा देख रही थी, उसके लिए पिछली बार जीती दो सीटें बचाना भी मुश्किल होगा। इन पिछले छह महीनों में नीतीश कुमार ने भी इंडी एलायंस का साथ छोड़कर दुबारा एनडीए का दामन थाम लिया। लालू यादव कांग्रेस को दस सीटें देने को भी तैयार नहीं। अलबत्ता कांग्रेस जिन ग्यारह सीटों पर दावा ठोक रही थी, उनमें एक सीट सीपीआई एमएल को थमा दी, और तीन सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े कर दिए। पहले दौर का नामांकन हो जाने के बाद भी सीट शेयरिंग नहीं हो सकी। आरजेडी और कांग्रेस में एक एक सीट को लेकर खींचतान चल रही है। जबकि भाजपा ने जेडीयू को 16 सीटें देकर अपने तीन अन्य सहयोगियों से भी सफलतापूर्वक सीट शेयरिंग कर के एनडीए को पहले से भी ज्यादा मजबूत बना लिया है। जहां तक उत्तर प्रदेश का सवाल है, तो वहां रामजन्मभूमि मन्दिर निर्माण से भाजपा के पक्ष में हवा बह रही है।

आम चुनाव में अति आत्मविश्वास

सिद्धार्थ शंकर गौतम

मध्य प्रदेश में इस बार का लोकसभा चुनाव नीरस होता जा रहा है। प्रत्याशियों की घोषणा के बावजूद पार्टी कार्यालयों में पसरा सन्नाटा, कार्यकर्ताओं की उदासीनता, बैनर-झंडों से लेकर ढोल-धमाकों का अभाव यह इंगित कर रहा है कि लोकतंत्र के सबसे बड़े पर्व का उत्साह कहीं न कहीं ठंडा पड़ा है। अभी कुछ महीनों पहले ही विधानसभा चुनाव से फ्री हुई जनता हो या पार्टियों के कार्यकर्ता, सब ठंडे पड़े हैं। जनता और कार्यकर्ता के बीच आएगा तो मोदी ही जैसे नारे ने नकारात्मक असर डाला है। सत्ता में वापसी की असीम संभावनाओं के उत्साहित भाजपा के सामने बिखरे और अनुशासनहीन विपक्ष के चलते यह उदासीनता बढ़ती जा रही है। चहूँओर यही चर्चा है कि आएगा तो मोदी ही। ऐसे में सबसे बड़ा संभावित डर यह है कि यदि यही उदासीनता मतदान के दिन भी रही तो मतदान प्रतिशत अपने निचले स्तर तक जा सकता है जो लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है।

आएगा तो मोदी ही और अबकी बार 400 पार जैसे नारे विपक्ष को मनोवैज्ञानिक तौर पर तोड़ने के लिए आवश्यक हो सकते हैं किंतु ये अब जनता के उत्साह को भी कम कर रहे हैं। वैसे भी जब कांग्रेस में डेली बेसिस पर टूट हो रही हो और जीत के बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हों तो चौराहों पर होने वाली चुनावी चर्चायें बंद होने से भी नीरसता का माहौल है। यूं तो प्रदेश में भाजपा के संगठन और सरकार की मजबूती किसी से छुपी हुई नहीं है, इसके बाद भी जिस तरह थोक के रूप में कांग्रेसियों को भगवा गमछा पहनाया जा रहा है, वह अब भाजपा कार्यकर्ताओं के ही गले नहीं उतर रहा। असंतोष अधिक न बढ़े इसलिए मंत्री कैलाश विजयवर्गीय से लेकर पूर्व मंत्री भूपेंद्र सिंह तक अपने अंदाज में भाजपा कार्यकर्ताओं को समझा रहे हैं। हालांकि इस समझाइश से भी विवाद की स्थिति बन रही है।

दरअसल, एक जनसभा को संबोधित करते हुए भूपेंद्र सिंह गृह मंत्री अमित शाह के हवाले से कह गए कि जब भाजपा में 15 साल रहने वाले कार्यकर्ता को कुछ नहीं मिला तो कांग्रेस से आने वाले नेताओं को 15 दिनों में क्या मिलेगा? अब भूपेन्द्र सिंह अपनी पार्टी की खूबियां बता रहे थे या खामियां गिना रहे थे, यह तो वो ही जाने लेकिन यह बात उनकी पार्टी के लिए ही नकारात्मक संकेत करती है। हालांकि कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आनेवाले नेता घाटे में नहीं हैं। ज्योतिरादित्य सिंधिया और उनके गुट के नेताओं से लेकर कांग्रेस छोड़कर आए पूर्व कांग्रेसी और वर्तमान में दमोह से लोकसभा प्रत्याशी राहुल लोधी को भाजपा कार्यकर्ताओं से अधिक ही मिल चुका है। अब सुरेश पचौरी, संजय शुक्ला, विशाल पटेल से लेकर छिंदवाड़ा से कमलनाथ का दामन छोड़कर आए कांग्रेसियों को देर-सवेर भाजपा सरकार में कोई न कोई पद देना ही पड़ेगा क्योंकि ये सभी अपने क्षेत्रों में कांग्रेस की सियासी ताकत के झंडाबरदार थे।

फिर जिस प्रकार अभी भी बड़ी संख्या में कांग्रेसी भाजपा में शामिल हो रहे हैं, उससे कांग्रेस में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई है। आलम यह है कि सुबह कांग्रेस कार्यालय में बैठकें लेने वाले नेताजी शाम को भगवाधारी होकर भाजपा की बैठकों में दिखने लगते हैं। भाजपा ने भी हर बूथ से 370 कांग्रेसियों को अपने पाले में लाने की तैयारी कर ली है ताकि प्रधानमंत्री के भाजपा 370 पार के नारे को चरितार्थ किया जा सके। इससे बूथों पर कांग्रेस की हिम्मत भी पस्त होगी और जनता में भी भाजपा की सियासी ताकत का संदेश जाएगा। हालांकि इस पूरी प्रक्रिया के चलते भाजपा कार्यकर्ताओं में क्या और कैसा संकेत जाएगा तथा भविष्य में पार्टी विथ डिफ़रेंस कैसी दिखेगी, यह भी सामने आ जाएगा।

केंद्र सरकार द्वारा सीएए के नोटिफ़िकेशन के बाद सिंधी समाज के बड़े नेता शंकर लालवानी को भाजपा नेतृत्व ने इंदौर से पुन: प्रत्याशी बनाया तो ऐसा लगा था कि जनता में उनकी छवि और पिछली बार लहर में उनकी जीत का जो मार्जिन था, वह इस बार कम होगा। चूंकि उनके साथ शहर के बड़े नेता भी बेमन से खड़े हैं इसलिए भी उन्हें अतिरिक्त मेहनत की आवश्यकता थी किंतु कांग्रेस ने अक्षय कांति बम की उम्मीदवारी घोषित कर भाजपा ने इंदौर में अबकी बार आठ लाख पार का नारा लगा दिया है।

गौरतलब है कि पिछले लोकसभा चुनाव में लालवानी कांग्रेस के मजबूत प्रत्याशी पंकज संघवी से पांच लाख से ऊपर वोटों से जीते थे जबकि इस बार कांग्रेस ने ऐसा प्रत्याशी दिया है जिसके राजनीतिक जीवन का यह पहला चुनाव है और जिसे कांग्रेस के बचे-खुचे बड़े नेताओं ने बलि का बकरा बना दिया है। इसी प्रकार भाजपा का गढ़ बने चुके भोपाल में ब्राह्मण प्रत्याशी के सामने कांग्रेस के वैश्य उम्मीदवार की हार की भविष्यवाणी भी लाखों में हो रही है जबकि देखा जाए तो भोपाल में वैश्य और मुस्लिम का गठजोड़ भाजपा के लिए परेशानी खड़ी कर सकता है।

परंतु कमजोर संगठन, हवा-हवाई प्रदेश अध्यक्ष और साथ छोड़ रहे कार्यकर्ताओं के चलते जनता तक कांग्रेस की पकड़ नहीं बन पा रही है। कई बूथों पर बैठने के लिए कार्यकर्ता भी नहीं बचे हैं कांग्रेस में। वहीं भाजपा के उत्साह का आलम यह है कि वह इस बार छिंदवाड़ा का कमलनाथ तिलिस्म भी तोड़ने की जिद पाले बैठी है। पूरी सरकार ने वहां डेरा डाल लिया है। भाजपा के लिए अभेद इस सीट पर अब भाजपाई जीत के दावे लाखों में किए जा रहे हैं।

कांग्रेस नेतृत्व ने न चाहते हुए भी राजगढ़ से दिग्विजय सिंह और रतलाम-झाबुआ से कांतिलाल भूरिया जैसे बड़े नेताओं को चुनावी मैदान में उतार कर कार्यकर्ताओं में जोश भरने और भाजपा से लड़ने का दम दिखाया है किंतु चुनावी बिसात पर यह कदम कितना सही होगा, इसका निर्णय चुनाव परिणाम के दिन हो जाएगा।

चूंकि अभी खंडवा से कांग्रेस प्रत्याशी की घोषणा नहीं हुई है अत: पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरुण यादव को भी यहां से चुनाव लड़ना पड़ सकता है जबकि वे दावेदारी सिंधिया के सामने गुना से कर रहे थे।

अपनी परंपरागत खंडवा सीट छोड़कर गुना की मांग करना नेतृत्व को समझ आ गया था कि सिंधिया जैसे बड़े नेता से हार भी निजी कद तो बढ़ा ही देगी। फिर दिग्विजय सिंह को भी अरुण यादव का अपने क्षेत्र में आना नागवार गुजरता क्योंकि यदि अरुण यादव की जीत होती तो उनके बेटे जयवर्धन सिंह का क्षेत्र में राजनीति करना और स्थापित होना, दोनों खतरे में आ जाता।

अब जबकि गुना से कांग्रेस ने राव यादवेंद्र सिंह उतार दिया है तो पार्टी अरुण यादव को खंडवा से चुनाव लड़ने के लिए बाध्य कर सकती है। बाध्य तो मंदसौर से मीनाक्षी नटराजन को भी किया जा सकता था किंतु राहुल खेमे की होने के चलते शायद किसी की हिम्मत न हुई हो। इन सबमें सवाल यह उठता है कि क्या ये बड़े नेता अपनी सीट निकाल सकते हैं? संभव है और नहीं भी। सभी अपने सियासी जीवन की अंतिम लड़ाई लड़ने जा रहे हैं और इसमें हार इनके सियासी जीवन का अंत कर देगी। लेकिन समस्या वही है। जनमानस में घर करता भाजपायी नैरेटिव व कांग्रेस कार्यकर्ताओं का अभाव चुनाव को नीरस बना रहा है जिसके चलते ये भी असमंजस में हैं।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

महोपनिषद् (भाग-42)

गतांक से आगे...

मन के रागरहित, अनासक्त, द्वन्द्व से रहित तथा निरालम्ब हो जाने पर पिंजड़े से मुक्त हुए पक्षी की तरह ही मोह-बन्धन से मन की मुक्ति हो जाती है। संशयरूप दुरात्मभावना जिनकी शान्त हो चुकी है, जो प्रपञ्च कौतुक से विमुक्त हैं, उनका चित्त पूर्णमासी के चन्द्र के समान विशेष शोभा पाता है।

न मैं स्वयं और न अन्य कुछ ही यहाँ है, मैं तो सभी दोषों से रहित मात्र ब्रह्म हूँ, जिसकी दृष्टि सत-असत् के मध्य इस प्रकार की है, वही वास्तव में ब्रह्म साक्षात्कार करने वाला है। जिस प्रकार दर्शनीय दृश्यों की तरफ मन स्वाभाविक रूप से बिना आसक्ति के ही खिंच जाता है, उसी प्रकार धीरमति पुरुष कर्तृत्व कर्मों के निर्वाह में संलग्न रहते हैं। भली प्रकार सोच-समझकर भोगा गया भोग उसी तरह संतुष्टि का निमित्त बनता है, जिस तरह जान-बूझकर सेवा में संलग्न चोर चौर्यकार्य को छोड़कर मित्रता ही निभाता है।

जिस ग्राम में जाने का मन में कभी विचार भी नहीं था, ऐसे ग्राम में अचानक आ जाने पर यात्री जिस आश्चर्य भरी दृष्टि से उसे देखता है, उसी दृष्टि से ज्ञानीपुरुष भोग-ऐश्वर्यों पर दृष्टिपात करता है। बिना श्रम से उपलब्ध हुई स्वल्पमात्र भोग सामग्री को नियन्त्रित मन वाला साधक बहुत अधिक समझते हुए कष्टदायी मानकर त्याग देता है। शत्रु के बन्धन से मुक्त होने पर जो राजा भोजन के एक ग्रास से सन्तुष्ट हो जाता है, वही राजा शत्रु द्वारा आक्रान्त और आबद्ध न किये जाने पर राज्य के विशाल वैभव को भी तुच्छ ही मानता है।

हाथ से हाथ को मलकर, दाँत से दाँत को पीसकर तथा अङ्गों से अङ्गों को दबाकर अर्थात् स्वकीय सम्पूर्ण पराक्रम और साहस द्वारा मन को जीतने का प्रयास करे। इस संसार सागर में मन पर विजय पाने से बढ़कर अन्य उपाय नहीं है।

क्रमश: ...

रंग पंचमी

आशिकी पटेल

होली के पांचवें दिन यानी चैत्र माह के कृष्ण पक्ष की पंचमी तिथि को रंग पंचमी का त्योहार मनाया जाता है। रंग पंचमी का पावन पर्व देवी-देवताओं को समर्पित है। इस दिन हवा में गुलाल उड़ाए जाते हैं। मान्यता है कि रंग पंचमी के दिन सभी देवतागण धरती पर आकर रंग और गुलाल-अबीर से होली खेलते हैं। यह पर्व महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में खासतौर पर धुमधाम से मनाया जाता है। चैत्र मास में कृष्ण पक्ष की पंचमी तिथि को मनाए जाने के कारण इसे कृष्ण पंचमी के नाम से भी जाना जाता है। वहीं कुछ जगह पर इसे देव पंचमी और श्री पंचमी के नाम से भी जाना जाता है।

रंग पंचमी 2024 तिथि

पंचांग के अनुसार चैत्र माह के कृष्ण पक्ष की पंचमी तिथि की शुरुआत 29 मार्च को रात 08 बजकर 20 मिनट पर होगी। अगले दिन 30 मार्च को रात 09 बजकर 13 मिनट पर इसका समापन होगा। उदया तिथि को देखते हुए रंग पंचमी का पर्व 30 मार्च 2024 को मनाया जाएगा। इस दिन देवताओं के साथ होली खेलने का समय सुबह 07.46 से सुबह 09.19 बजे तक है।

रंग पंचमी से जुड़ी मान्यता

मान्यता है कि रंग पंचमी के दिन भगवान श्रीकृष्ण अपनी प्रेयसी राधा रानी के साथ होली खेला करते थे। इसके अलावा इस दिन देवी-देवता भी आसमान से फूलों की वर्षा करते हैं, इसलिए रंग पंचमी के दिन हवा में अबीर-गुलाल उड़ाने की परंपरा निभाई जाती है। साथ ही रंग पंचमी के दिन श्रीकृष्ण के साथ राधा रानी की पूजा की जाती है। इस दिन श्रीकृष्ण और राधा रानी को गुलाल अर्पित करने से सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। कई जगहों पर रंग पंचमी के दिन जुलूस निकाले जाते हैं, जिसमें हुरियारे अबीर गुलाल उड़ाते हैं।

रंग पंचमी का महत्व

रंग पंचमी के दिन हवा में अबीर और गुलाल उड़ाए जाते हैं। मान्यता है कि इस दिन वातावरण में उड़ते हुए गुलाल से व्यक्ति के सात्विक गुणों में अभिवृद्धि होती है। साथ ही तामसिक और राजसिक गुणों का नाश हो जाता है, इसलिए इस दिन शरीर पर रंग न लगाकर वातावरण में रंग बिखेरा जाता है।

अबीर-गुलाल उड़ाने की परंपरा

रंग पंचमी के दिन रंगो से नहीं बल्कि अबीर-गुलाल से होली खेली जाती है। रंग पंचमी के दिन हुरियारे गुलाल उड़ाते हैं। मान्यता के मुताबिक इस दिन वातावरण में गुलाल उड़ाना शुभ माना जाता है। कहा जाता है कि रंग पंचमी के देवी-देवता भी पृथ्वी पर उतर आते हैं और मनुष्यों के साथ गुलाल उड़ाते हैं। हवा में उड़ने वाले गुलाल के संपर्क में जो भी व्यक्ति आता है। उसे सभी तरह की समस्याओं और पापों से मुक्ति मिल जाती है। शरीर पर गुलाल पड़ने से सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होता है।

विवादों से भरा राजनीतिक दलों का चंदा

देवांशु दत्ता

वर्ष 1798 में लॉर्ड कॉर्नवालिस को आयरलैंड का लॉर्ड लेफ्टिनेंट नियुक्त किया गया था। भारत के गवर्नर-जनरल के रूप में अपने पूर्व कार्यकाल के दौरान कॉर्नवालिस ने शानदार वित्तीय कुशलता का प्रदर्शन करते हुए स्थायी बंदोबस्त अधिनियम की अवधारणा पेश की थी। इस अधिनियम ने 150 से अधिक वर्षों तक जमींदारों के माध्यम से ईस्ट इंडिया कंपनी और इसके उत्तराधिकारी, ब्रितानी राजशाही को कृषि करों को इकट्ठा करने में मदद की।

आयरलैंड में विभाजन के रुझान को कम करने के लिए भी कॉर्नवालिस ने एक नया तरीका खोजा जिसमें फिर से उन्होंने अपनी वित्तीय चतुरता का प्रदर्शन किया। आयरलैंड में बहुसंख्यक लोग कैथलिक थे और यह पड़ोस के देश ब्रिटेन (जहां बहुसंख्यक प्रोटेस्टेंट थे) का एक उपनिवेश था। यहां समय-समय पर हिंसक विद्रोह होते रहते थे। आयरलैंड की अपनी संसद थी जो ब्रिटेन के लिए असुविधाजनक कानून पारित करती रहती थी और अक्सर विद्रोह का झंडा भी बुलंद करती थी। कॉर्नवालिस ने आयरलैंड के विरोधी सुर वाले सांसदों से निपटने का एक बेहद आसान तरीका ढूंढते हुए उन्हें रिश्वत दी। उन्होंने आयरलैंड के सांसदों को आयरलैंड की संसद को स्थायी रूप से भंग करने और इसके बदले हाउस ऑफ कॉमन्स में सीट लेने के लिए पैसे की पेशकश की।

आयरलैंड के कई सांसदों ने यह रकम स्वीकार कर ली। बाकी लोगों को ब्लैकमेल किया गया। जो सांसद संसद भंग करने के पक्ष में मतदान करने से इनकार कर रहे थे उन पर आपराधिक मामले दर्ज करा दिए गए और उन्हें हिंसा का खतरा दिखाकर डराया-धमकाया गया। नतीजतन, आयरलैंड के नेता हाउस ऑफ कॉमन्स में अल्पसंख्यक (वास्तव में कई छोटे अल्पसंख्यक) बनकर रह गए। यह पूरे लोकतांत्रिक संस्थान को खरीदने के लिए बड़ी तादाद में पूंजी के लेन-देन का इतिहास में सबसे अच्छा उदाहरण है। गौर करने वाली बात यह है कि यह धन विदेश यानी ब्रिटेन से आया था और इसने आयरलैंड के सांसदों को अपने ही देश के लोकतांत्रिक संस्थान को ताक पर रखकर खरीद-फरोख्त करने के लिए राजी कर लिया।

इस वक्त अमेरिका के लोग सोच रहे हैं कि क्या राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार को अपने पक्ष के लिए विदेश से नकदी मिलने के प्रस्तावों को लेकर एतराज होगा। पूर्व राष्ट्रपति और वर्ष 2024 के लिए रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार, डॉनल्ड ट्रंप को अगले सप्ताह तक न्यूयॉर्क को 45.5 करोड़ डॉलर का भुगतान करने की आवश्यकता है। उनके पास पैसा नहीं है और अमेरिका में कोई भी उन्हें पैसा नहीं देगा। क्या वह विदेश में पूंजी जुटाने की कोशिश करेंगे? यदि वह ऐसा करते हैं और वर्ष 2024 के चुनाव जीत जाते हैं तब इस बात की कितनी संभावना होगी कि अगली बार जब कोई भू-राजनीतिक घटना होती है जिसमें अमेरिका भी शामिल होगा तब उन्हें पैसे देने वाले लोग अपने पक्ष के लिए उनका समर्थन नहीं चाहेंगे।

पैसा लगाकर राजनीतिक प्रभाव के दबदबे को कायम करना बेहद पुराना तरीका है। इस बात की पूरी संभावना है कि हर सरकार को कभी न कभी किसी संस्था द्वारा नियमों को बदलने के लिए पूंजी की पेशकश की गई होगी। चुनावी बॉन्ड योजना इस मामले में इस लिहाज से सबसे खराब है क्योंकि ये बॉन्ड राजनीतिक रिश्वतखोरी के सबसे खराब तरीकों को भी वैध बनाते हैं। अधिकांश लोकतांत्रिक देशों में राजनीतिक फंडिंग की जांच-निगरानी आदि का प्रावधान होता है। एक अच्छी लोकतांत्रिक प्रणाली में इस बात को लेकर पारदर्शिता होती है कि कौन किसको पैसा दे रहा है और विदेश से, अपराधियों से या आपराधिक आरोपों का सामना करने वाली संस्थाओं और फर्जी कंपनियों से राजनीतिक चंदा लेने से रोकने के लिए नियम होते हैं। इसके साथ ही इसकी सीमाएं भी तय होती हैं कि राजनीतिक धन कैसे खर्च किया जा सकता है। ट्रंप रिपब्लिकन पार्टी के खजाने का इस्तेमाल अपने जुर्माने या कानूनी फीस का भुगतान करने के लिए नहीं कर सकते हैं।

चुनावी बॉन्ड के अस्तित्व में आने से पहले, भारत में भी इसको लेकर नियंत्रण के प्रावधान थे हालांकि यह कोई आदर्श प्रणाली नहीं थी। केवल मुनाफे वाला कारोबार ही राजनीतिक चंदा दे सकता था और यह चंदा भी पिछले तीन वर्षों में कर चुकाने के बाद औसत लाभ का केवल 7.5 प्रतिशत तक ही हो सकता था। इसका मतलब यह है कि राजनीतिक दलों को चंदा देने वाली कंपनियों का रिकॉर्ड बेहतर होना चाहिए। विशुद्ध रूप से राजनीतिक चंदा देने के लिए कंपनी नहीं बनाई जा सकती थी। इसके अलावा, विदेशों से नकदी स्वीकार करने पर प्रतिबंध था। वित्त विधेयक वर्ष 2017-2018 (चुनावी बॉन्ड अप्रैल 2017 में पेश किए गए थे) ने 1976 के बाद किसी भी समय, राजनीतिक दलों को दिए गए विदेशी चंदे को पिछली तारीख से ही वैध बना दिया। इसमें मुनाफे की शर्तें भी हटा दी गईं।

अब कोई कंपनी कितनी भी मात्रा में चंदा दे सकती थी चाहे उसकी कमाई, उसकी बैलेंस शीट कुछ भी हो या उस पर कोई आपराधिक जांच की कार्रवाई ही क्यों न चल रही हो। इससे चंदा देने के लिए कोई संस्था बनाना आसान हो गया और इस पूंजी के मूल स्थान का अंदाजा भी नहीं मिलता है। चुनावी बॉन्ड के आंकड़ों से पता चलता है कि न के बराबर कारोबार करने वाली कंपनियों ने भी अपने कारोबार का 100 गुना चंदा दिया है। सवाल यह है कि क्या 'चंदा देने में आसानी' से 'कारोबार सुगमता' जैसी स्थिति बनती है? यदि चंदे को ब्लैकमेल और धमकी के माध्यम से 'प्रोत्साहित' किया जाता है तो क्या रकम की मात्रा बढ़ जाती है? क्या विदेशी धन 21वीं सदी के उपनिवेशवाद को जन्म दे सकता है? आंकड़े इन सभी सवालों के जवाब की तस्दीक 'हां' में करते हैं। चुनावी बॉन्ड का दौर तो खत्म हो गया है लेकिन जब तक कानून के जरिये इन खामियों को दूर नहीं किया जाता है तब तक राजनीतिक फंडिंग विवादास्पद बनी रहेगी।

आज का इतिहास

1822 संयुक्त राज्य अमेरिका ने पूर्व फ्लोरिडा और पश्चिम फ्लोरिडा को फ्लोरिडा क्षेत्र में विलय कर दिया।
1842 अमेरिकी चिकित्सक क्रॉफोर्ड लॉन्ग सर्जिकल प्रक्रिया में एनेस्थेटिक के रूप में डायथाइल ईथर का उपयोग करने वाले पहले व्यक्ति बने।
1842 बेहोशी की दवा के रूप में ईथर का पहली बार इस्तेमाल हुआ।
1867 अमेरिकी विदेश मंत्री विलियम एच। सेवार्ड ने रूस से यूएसए .7.2 मिलियन के लिए अलास्का के अर्चैक की बातचीत की।
1867 अमेरिका ने 72 लाख डॉलर में अलास्का को रूस से खरीदा।
1899 जर्मन सोसायटी ऑफ केमिस्ट्री की एक समिति ने अन्य राष्ट्रीय वैज्ञानिक संगठनों को परमाणु भार पर अंतर्राष्ट्रीय समिति बनाने के लिए प्रतिनिधियों को नियुक्त करने के लिए आमंत्रित किया।
1918 बोल्शेविक और दश्कक ताकतों ने अजरबैजान में मुस्लिम विद्रोह को दबा दिया, जिसके परिणामस्वरूप 12,000 से अधिक मौतें हुईं।
1933 दक्षिणी संयुक्त राज्य अमेरिका के टॉर्नेडो में 68 लोग मारे गए।
1940 दूसरा चीन-जापानी युद्ध-वांग जिंगवेई आधिकारिक तौर पर जापान को चीन में एक कठपुतली राज्य के प्रमुख के रूप में स्थापित किया गया था।
1950 उमर इस्माइल ने दाराह दान दोआ की फिल्म शुरू की, औपचारिक रूप से पहली इंडोनेशियाई फिल्म पहचान ली।
1950 मर्रे हिल ने फोटो ट्रांजिस्टर का आविष्कार किया।
1963 ग्राहम हिल ने 1963 के लम्बाम्ख ट्रॉफी मोटर दौड़ जीता।
1972 वियतनाम युद्ध उत्तर वियतनामी बलों ने अधिक से अधिक क्षेत्र हासिल करने और संभवत: दक्षिण वियतनामी सेना की कई इकाइयों को नष्ट करने के प्रयास में ईस्टर आक्रामक शुरू किया।
1976 अवैध अधिकृत फ़िलिस्तीन में भूमि दिवस के नाम से बहुत बड़ा प्रदर्शन हुआ।
1981 अभिनेत्री जोडी फोस्टर को प्रभावित करने की कोशिश करते हुए, प्रशंसक जॉनहिन्कले, जूनियर को गोली मार दी और अमेरिकी राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन और तीन माताओं को वाशिंगटन, डी.सी. में हिल्टन होटल के बाहर घायल कर दिया।
1982 नासा के अंतरिक्ष यान कोलंबिया ने एसटीएस-3 मिशन पूरा कर पृथ्वी पर वापसी की।
1996 न्यूयॉर्क मेट्स ने एक प्रदर्शनी खेल में न्यूयॉर्क यांकीज़ को 5-3 से हराया।

छत्तीसगढ़ लोकसभा चुनाव में भाजपा-कांग्रेस में होगी कड़ी टक्कर

रायपुर। छत्तीसगढ़ में बीजेपी और कांग्रेस ने 11 लोकसभा सीटों पर अपने प्रत्याशियों का ऐलान कर दिया है। इन सीटों की यदि बात करें तो 9 सीटों पर बीजेपी काबिज है। जबकि 2 सीटों पर कांग्रेस ने कब्जा जमाया हुआ है। छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद से आज तक कांग्रेस प्रदेश में 2 सीटों से ज्यादा नहीं जीत सकी है। इस बार कांग्रेस का दावा है कि लोकसभा चुनाव के परिणाम चौंकाने वाले होंगे। आपको बताएंगे छत्तीसगढ़ की 11 लोकसभा सीटों पर कांग्रेस और बीजेपी के कैंडिडेट्स के बारे में। साथ ही जानेंगे क्या इस बार कांग्रेस पुराने इतिहास को बदल सकती है या फिर से एक बार फिर पुरानी तस्वीर ही सामने आएगी।

कांग्रेस के लिए प्लस प्वाइंट- लोकसभा चुनाव में इस बार कांग्रेस महागठबंधन के साथ मैदान में उतर रही है। बात यदि छत्तीसगढ़ की करें तो यहां पर ज्यादा से ज्यादा लोकसभा सीट जीतने के लिए कांग्रेस ने उन उम्मीदवारों को टिकट दिया है। जिनका जनाधार काफी ज्यादा है। कांग्रेस ने ऐसे चेहरों को मैदान में उतारा है,जिन्हें लोकसभा में हर कोई जानता पहचानता है। कांग्रेस की लिस्ट में भूपेश बघेल, ताम्रध्वज साहू,ज्योत्सना महंत, शिव डहरिया, देवेंद्र यादव, कवासी लखमा, शशि सिंह, विकास उपाध्याय ये कुछ ऐसे नाम हैं जिन पर कांग्रेस को बड़ी उम्मीद है। कांग्रेस का दावा है कि इन चेहरों के बूते वो लोकसभा चुनाव का किला फतह कर लेगी।

कांग्रेस के लिए बड़ी मुश्किल- विधानसभा चुनाव हारने के बाद कांग्रेस के लिए अपने कार्यकर्ताओं को एकजुट रखना बड़ी चुनौती है। जिन प्रत्याशियों को टिकट सौंपा गया है।उनमें से ज्यादातर को बाहरी प्रत्याशी बताकर कांग्रेस के अंदर ही विरोध के स्वर फूटने लगे हैं। भूपेश बघेल, विकास उपाध्याय,कवासी लखमा, शिव डहरिया, ताम्रध्वज साहू के नामों का पहले दिन से विरोध हो रहा है। यही नहीं कांग्रेस कार्यकर्ताओं की नाराजगी दूर करने के बाद मोदी फैक्टर को भी कांग्रेस को कम करना होगा। क्योंकि विधानसभा चुनाव में जिन वादों के बूते बीजेपी सत्ता में आई, उन्हें 100 दिनों के अंदर पूरा करने का काम सरकार ने किया है। ऐसे में लोकसभा चुनाव में बीजेपी के लिए कहने के लिए काफी कुछ है। वहीं 2018 विधानसभा चुनाव में बीजेपी का सूपड़ा साफ होने के बाद भी लोकसभा में इसका असर नहीं दिखा। अब जब प्रदेश में बीजेपी की सत्ता है तो ये कह पाना थोड़ा मुश्किल है कि कांग्रेस के लिए लोकसभा की राह आसान होगी।

भाजपा के लिए राहत की बात- कांग्रेस में जहां अंतरकलह की बातें सामने आ रही हैं,वहीं बीजेपी के लिए इस बात को लेकर काफी राहत है। पार्टी ने एक साथ 11 लोकसभा सीटों पर टिकट का ऐलान काफी पहले किया। ऐसे में जहां भी विरोध के स्वर उठे उसे पार्टी ने शांत करवा लिया। बीजेपी ने उन चेहरों को बड़ी सीटों पर मौका दिया है,जिनका जनाधार है। साथ ही साथ विधानसभा चुनाव के बाद बीजेपी के पक्ष में जो नतीजे आए उससे कार्यकर्ता पूरी तरह से चार्ज हैं। यही नहीं मोदी की गारंटी को पूरा करने के लिए सरकार ने पहले 100 दिनों में दिन रात एक किया है। ऐसे में बीजेपी का दावा है कि वो 11 की 11 लोकसभा सीटों पर इस बार फतह हासिल करेगी।

भाजपा के लिए परेशानी- विधानसभा चुनाव में मिली जीत का नशा अब भी कई कार्यकर्ताओं के सिर चढ़कर बोल रहा है। ऐसे में यदि कार्यकर्ता ओव्हर कॉन्फिडेंट हुए तो ये बीजेपी के लिए खतरे की घंटी हो सकती है।क्योंकि कांग्रेस ने जिन उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है,उन्हें कमतर नहीं आंका जा सकता। बीजेपी के लिए मोदी फैक्टर ने यदि काम नहीं किया तो लोकसभा चुनाव के नतीजे किसी भी ओर जा सकते हैं। विधानसभा चुनाव में ओव्हर ऑल वोट प्रतिशत की बात करें तो कांग्रेस का वोट बैंक कम नहीं हुआ है।यदि वोट बैंक ने एक बार फिर साथ दिया तो बीजेपी के लिए लोकसभा चुनाव में 11 की 11 सीट जीतने का सपना चकनाचूर हो सकता है।अब आईए आपको बताते हैं कांग्रेस और बीजेपी ने 11 लोकसभा सीटों में किन प्रत्याशियों पर दाव खेला है।

राजनांदगांव लोकसभा

भाजपा- संतोष पाण्डेय
कांग्रेस- भूपेश बघेल

संतोष पाण्डेय - संतोष पाण्डेय को बीजेपी ने दूसरी बार राजनांदगांव से लोकसभा उम्मीदवार बनाया है। 17वीं लोकसभा 2019 में पहली बार सदन पहुंचे थे। संतोष पाण्डेय की आरएसएस में अच्छी पकड़ है। बीजेपी कवर्धा मंडल के अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी निभा चुके हैं। संतोष पाण्डेय दो बार प्रदेश बीजेपी में महामंत्री के साथ कृषि उपज मंडी कवर्धा के अध्यक्ष भी रहे हैं। संतोष पाण्डेय को रमन शासन के दूसरे कार्यकाल में छत्तीसगढ़ युवा आयोग का अध्यक्ष बनाया गया था। साल 2003 विधानसभा चुनाव लड़ा,लेकिन सफल नहीं हुए। इसके बाद भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश प्रभारी रह चुके हैं। बीजेपी प्रशिक्षण प्रकोष्ठ के प्रदेश सह-संयोजक रह चुके हैं। स्वर्गीय शिवप्रसाद पाण्डेय सहसपुर लोहारा मंडल के दो बार बीजेपी अध्यक्ष रहे। इनकी माता अविभाजित मध्यप्रदेश में कवर्धा जिले में जो बार जिला पंचायत सदस्य चुनी गईं थीं।

भूपेश बघेल- भूपेश बघेल की छवि पाटन की जनता के बीच लोकप्रिय नेता और सीएम की रही है। पाटन में जितने भी विकास के काम हुए उन सबका श्रेय भूपेश बघेल को जनता देती है। पाटन सीट से भूपेश बघेल अब तक पांच बार चुनाव जीत चुके हैं। भूपेश बघेल पर कांग्रेस का केंद्रीय नेतृत्व पूरी तरह से भरोसा करता है। 2023 के विधानसभा चुनाव में भूपेश बघेल ने बीजेपी प्रत्याशी विजय बघेल को शिकस्त दी है।भूपेश बघेल को इस बार पार्टी ने राजनांदगांव सीट से संतोष पाण्डेय के खिलाफ उतारा है।

दुर्ग लोकसभा

भाजपा- विजय बघेल
कांग्रेस- राजेंद्र साहू

विजय बघेल- विजय बघेल भारतीय जनता पार्टी के कद्दावर और तेजतर्रार नेता हैं। साल 2000 में वह नगर पालिका निगम चरोदा के प्रथम अध्यक्ष बने थे। वे मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के रिश्तेदार होने के साथ साथ उनके राजनीतिक प्रतिद्वंदी भी माने हैं। 2023 के विधानसभा चुनाव में भूपेश बघेल के खिलाफ विजय बघेल को पार्टी ने उतारा था। जिसमें कड़ी टक्कर के बाद भूपेश बघेल को जीत मिली थी। दुर्ग लोकसभा के लिए एक बार फिर पार्टी ने सांसद विजय बघेल पर भरोसा जताया है। आपको बता दें कि विजय बघेल ने छत्तीसगढ़ में बीजेपी की सरकार लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। विजय बघेल को घोषणापत्र समिति का अध्यक्ष बनाया गया था।जिसके बाद उन्होंने पूरे प्रदेश में जाकर पार्टी कार्यकर्ताओं और आम जनता से बीजेपी के घोषणापत्र को लेकर राय मांगी थी। बताया जाता है कि बीजेपी के घोषणापत्र मोदी की गारंटी के कारण ही छत्तीसगढ़ में वोटर्स का मन बदला और प्रदेश में पंद्रह साल बाद सत्ता से बाहर हुई बीजेपी के लिए जीत के रास्ते खुले।

राजेंद्र साहू- दुर्ग लोकसभा से उम्मीदवार बनाए गए राजेंद्र साहू पूर्व सीएम भूपेश बघेल के करीबी माने जाते हैं। राजेंद्र साहू दुर्ग जिला सहकारी बैंक, दुर्ग के पूर्व अध्यक्ष भी रह चुके हैं। राजेंद्र साहू ने क्षेत्रीय पार्टी स्वाभिमान मंच से दुर्ग विधायक और महापौर का चुनाव लड़ा था। इसके बाद साल 2017 में वह फिर से कांग्रेस में शामिल हो गए। कांग्रेस ने दुर्ग से राजेंद्र साहू को टिकट देकर साहू समाज के मतदाताओं को साधने का प्रयास किया गया है।

महासमुंद लोकसभा

भाजपा- रूपकुमारी चौधरी
कांग्रेस- ताम्रध्वज साहू

रुपकुमारी चौधरी- बीजेपी ने महासमुंद लोकसभा सीट से बसना निवासी रूपकुमारी चौधरी को प्रत्याशी बनाया है। साल 2013 से 2018 तक रुपकुमारी बसना से विधायक रह चुकी हैं। मई 2015 से दिसंबर 2018 तक संसदीय सचिव का जिम्मा भी रूपकुमारी ने संभाला है। रुपकुमारी वर्तमान में महासमुंद जिलाध्यक्ष हैं। अघरिया समाज में रुपकुमारी चौधरी की अच्छी पकड़ मानी जाती है। रुपकुमारी विधायक बनने से पहले जिला पंचायत सदस्य रह चुकी हैं। रूपकुमारी की उम्र 47 साल है। शिक्षा की बात की जाए तो रूपकुमारी 10वीं तक पढ़ी हैं। परिवार का काम खेती किसानी है।

ताम्रध्वज साहू- ताम्रध्वज साहू भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी के सीनियर नेता है।युवावस्था से ही सामाजिक कार्यों से जुड़कर राजनीतिक जीवन की शुरुआत की। 2003 में कांग्रेस पार्टी की ओर से उन्हें विधानसभा का टिकट दिया गया और वह जीतकर पहली बार विधायक बने। इसके बाद 2008 में दूसरी बार और 2018 में तीसरी बार विधायक बने।1998 में पहली बार मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए चुने गए।साल 2000 में जब छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना हुई तब प्रदेश सरकार में ऊर्जा, शिक्षा, जल संसाधन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी,कृषि और पशुपालन विभाग का राज्य मंत्री बने। 2003, 2008 और 2018 में दुर्ग ग्रामीण से विधायक चुने गए।लेकिन 2023 विधानसभा चुनाव में दुर्ग ग्रामीण से उन्हें हार का सामना करना पड़ा। महासमुंद से ताम्रध्वज साहू को कांग्रेस ने उम्मीदवार बनाया है।

बस्तर लोकसभा

भाजपा- महेश कश्यप
कांग्रेस- कवासी लखमा

महेश कश्यप- महेश कश्यप को बीजेपी ने बस्तर से लोकसभा प्रत्याशी बनाया है। महेश कश्यप की छवि कट्टर हिंदूवादी के तौर पर जानी जाती है। वर्तमान में महेश कश्यप सरपंच संघ के अध्यक्ष के अलावा वर्तमान में भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जनजाति मोर्चा के जिला अध्यक्ष हैं। महेश सर्व आदिवासी समाज के प्रदेश उपाध्यक्ष भी हैं। महेश कश्यप ने धर्मांतरण के विरोध में आया चोर द्वार कार्यक्रम चलाकर सुर्खियां बटोरी थी। महेश कश्यप 1996 से 2001 तक बजरंग दल के जिला संयोजक रहे। इसके बाद 2001 से 2007 तक विश्व हिंदू परिषद जिला संगठन मंत्री और 2007 से 2008 तक विश्व हिंदू परिषद के विभाग संगठन मंत्री बने। 2014 में पंचायत चुनाव जीतकर महेश ग्राम पंचायत कलचा के सरपंच भी बने। सरपंच चुनाव जीतने के बाद उन्हें बस्तर सरपंच संघ अध्यक्ष बनाया गया। महेश कश्यप छत्तीसगढ़ सरपंच महासंघ के सह संयोजक और भतरा समाज विकास परिषद के संभागीय सचिव का जिम्मा भी संभाल चुके हैं।

कवासी लखमा- कवासी लखमा बस्तर रीजन में कांग्रेस का बड़ा चेहरा है। सबसे पहले 1998 में कवासी लखमा ने चुनाव जीता था, उसके बाद कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। 2003, 2008, 2013, 2018 और फिर इस बार 2023 में कवासी लखमा चुनाव जीतकर विधानसभा पहुंचे हैं।स्कूल का मुंह तक नहीं देखने वाले लखमा ने कांग्रेस सरकार में उद्योग और आबकारी मंत्री का पद संभाला है।छत्तीसगढ़ राज्य के कोंटा विधानसभा से पहली बार 2003 में विधायक चुने गए थे।

रायपुर लोकसभा

भाजपा- बृजमोहन अग्रवाल
कांग्रेस- विकास उपाध्याय

बृजमोहन अग्रवाल- रायपुर लोकसभा सीट के प्रत्याशी बृजमोहन अग्रवाल आठवीं बार विधायक बनकर विधानसभा पहुंचे थे। छत्तीसगढ़ कैबिनेट में चौथी बार मंत्री पद की शपथ लेने वाले बृजमोहन अग्रवाल का जन्म एक मई 1959 को रायपुर में हुआ था। कॉमर्स और आर्ट्स दोनों विषय से पोस्ट ग्रेजुएशन, एलएलबी की डिग्री भी ली है। साल 1986 में इनकी शादी सरिता देवी अग्रवाल से हुई। इनके 2 बेटे और 1 बेटी हैं। बृजमोहन रायपुर दक्षिण विधानसभा सीट से विधायक हैं। साल 1990 को महज 31 साल की उम्र में पहली बार विधायक बने थे। 1984 में वे भाजपा के सदस्य बने। 1990 में वे पहली बार मध्यप्रदेश विधानसभा में विधायक बने। इसके बाद 1993, 1998, 2003, 2008, 2013, 2018 और 2023 में वे लगातार विधायक बनते आ रहे हैं।

विकास उपाध्याय- विकास उपाध्याय का जन्म छत्तीसगढ़ के रायपुर में 5 नवंबर 1975 को एक किसान परिवार में हुआ। कॉलेज की पढ़ाई के दौरान 1998 में इकाई के अध्यक्ष के रूप में चुने गए। 1999 में एनएसयूआई के जिला अध्यक्ष बने। 2004 में एनएसयूआई का प्रदेशाध्यक्ष बनाया गया। 2006 में राष्ट्रीय स्तर का पद मिला और एनएसयूआई के राष्ट्रीय सचिव के रूप में नियुक्त हुए। अप्रैल 2010 में अखिल भारतीय युवा कांग्रेस का महासचिव बनाया गया। 2018 विधानसभा चुनाव में रायपुर पश्चिम से चुनाव लड़ा और राजेश मूणत को 12 हजार से ज्यादा मतों से हराया। लेकिन 2023 में राजेश मूणत से ही विकास चुनाव हार गए।

सरगुजा लोकसभा

भाजपा- चिंतामणि महाराज
कांग्रेस- शशि सिंह

चिंतामणि महाराज- चिंतामणि महाराज का जन्म गणतंत्र दिवस के दिन 26 जनवरी सन् 1968 को हुआ। पिता का नाम रामेश्वर है। चिंतामणि ने 11 वीं मैट्रिक तक की पढ़ाई की है। जिसमें वह संस्कृत विषय के प्रति खास रूचि रखते थे। चिंतामणि महाराज पूर्व की बीजेपी शासन के समय राज्य संस्कृत बोर्ड के अध्यक्ष भी रह चुके। चिंतामणि ने संस्कृत शिक्षा के लिए राज्य के जशपुर जिले में संस्कृत कॉलेज भी अपनी कोशिशों से खुलवाया। चिंतामणि महाराज ने दूसरी बार कांग्रेस की टिकट से बलरामपुर जिले के सामरी विधानसभा से जीत हासिल कर विधानसभा में पहुंचे थे।लेकिन साल 2023 में कांग्रेस ने उनका टिकट काट दिया। जिससे नाराज होकर चिंतामणि ने बीजेपी की सदस्यता ले ली। जिसका नतीजा ये हुआ कि कांग्रेस का सरगुजा से सूपड़ा साफ हो गया। वहीं इस जीत के बाद बीजेपी ने चिंतामणि को लोकसभा टिकट देकर उनका सम्मान किया है।

शशि सिंह- पूर्व मंत्री तुलेश्वर सिंह की बेटी शशि सिंह को कांग्रेस ने लोकसभा का टिकट दिया है। वर्तमान ने सूरजपुर जिले में शशि जिला पंचायत सदस्य हैं। अनुसूचित जनजाति वर्ग से आने वाली शशि सिंह का क्षेत्र में काफी जनाधार माना जाता है। गोंड जनजाति से आने वाली महिला नेता शशि सिंह को राजनीति विरासत में मिली है।दिल्ली से इंटीरियर डेकोरेशन की पढ़ाई करने वाली शशि सिंह भारत जोड़ो यात्रा और भारत न्याय यात्रा में सक्रिय रही हैं। भारत जोड़ो यात्रा में राहुल गांधी के साथ पूरे समय पदयात्रा में शामिल रहीं।

कांकेर लोकसभा

भाजपा- भोजराज नाग
कांग्रेस- बीरेश ठाकुर

भोजराज नाग- भोजराज नाग 2014 में हुए अंतागढ़ विधानसभा उपचुनाव में बीजेपी से जीत हासिल कर विधायक बने थे। भोजराज अनुसूचित जनजाति सुरक्षा मंच के संयोजक हैं। पूर्व विधायक भोजराज नाग ने अपनी राजनीतिक सफर की शुरुआत साल 1992 में की थी। सबसे पहले अपने गांव हिमोड़ा के सरपंच बने। साल 2000 से 2005 तक जनपद पंचायत अंतागढ़ के अध्यक्ष रहे। 2009 से 2014 तक जिला पंचायत सदस्य भी रहे। मौजूदा समय में भोजराज बीजेपी अंतागढ़ के मंडल अध्यक्ष हैं। लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने छत्तीसगढ़ के बस्तर के दोनों लोकसभा सीटों में हिंदुत्व के छवि वाले नेताओं पर अपना दाव खेला है। बस्तर लोकसभा सीट से महेश कश्यप और कांकेर लोकसभा सीट से भोजराज नाग को सांसद प्रत्याशी बनाया गया है।

बीरेश ठाकुर- 2019 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी के मोहन मंडावी ने कांग्रेस के बिरेश ठाकुर को 6,914 हजार वोटों से हराया था। मोहन मंडावी को 5,46,233 लाख यानी 47.11 फीसदी वोट मिले थे जबकि बिरेश ठाकुर को 5,39,319 लाख यानी 47 फीसदी वोट प्राप्त हुए थे। बीरेश ठाकुर 1995 में भानुप्रतापपुर क्षेत्र से जनपद सदस्य निर्वाचित हुए थे । साल 2000 और 2010 में फिर से जनपद सदस्य बने।2010 में ही जनपद अध्यक्ष बने। बीरेश ठाकुर साल 2015 के चुनाव में जिला पंचायत सदस्य निर्वाचित हुए।इसके बाद जिला पंचायत के सभापति बनाए गए। इसके बाद बीरेश का कांग्रेस कमेटी का उपाध्यक्ष भी बनाया गया।

रायगढ़ लोकसभा

भाजपा- राधेश्याम राठिया
कांग्रेस- डॉ. मेनका देवी

राधेश्याम राठिया- राधेश्याम राठिया को बीजेपी ने रायगढ़ लोकसभा से उम्मीदवार बनाया है।गोमती साय के विधानसभा चुनाव लड़ने के बाद इस सीट पर नए प्रत्याशी की तलाश बीजेपी कर रही थी। बीजेपी की तलाश 52 साल के राधेश्याम राठिया पर खत्म हुई। राधेश्याम का जन्म 12 जून 1972 को हुआ था। 12वीं तक की पढ़ाई करने वाले राधेश्याम घरघोड़ा, धरमजयगढ़ के रहने वाले हैं। वर्तमान में राधेश्याम जिला महामंत्री, बीजेपी किसान मोर्चा जिला रायगढ़ की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। इसके अलावा जिला सह संयोजक जनजाति सुरक्षा मंच और लघु वनोपज समिति के अध्यक्ष भी रह चुके हैं।

डॉ मेनका देवी- रायगढ़ लोकसभा सीट से कांग्रेस ने राजपरिवार की सदस्य को उम्मीदवार बनाया है। राजपरिवार गिरी विलास से डॉ।मेनका देवी को प्रत्याशी चुना गया है। मेनका सिंह तत्कालीन सारंगढ़ रियासत के राजा नरेश चंद्र के परिवार से ताल्लुक रखती हैं। मेनका रायगढ़ लोकसभा की सांसद रह चुकी पुष्पा देवी की छोटी बहन हैं। कांग्रेस नेत्री मेनका सिंह लंबे समय से कांग्रेस परिवार से जुड़ी हुई हैं। कांग्रेस ने मेनका को कई पदों से नवाजा है। वहीं अब लोकसभा चुनाव में बड़ी जिम्मेदारी दी है।

बिलासपुर लोकसभा

भाजपा- तोखन साहू
कांग्रेस- देवेंद्र यादव

तोखन साहू - बिलासपुर लोकसभा से बीजेपी ने तोखन साहू को उम्मीदवार बनाया है। तोखन का जन्म 15 अक्टूबर 1969 को मुंगेली में हुआ। पिता का नाम बलदाउ साहू और माता का नाम लीलावती साहू है।तोखन ने पोस्ट ग्रेजुएशन किया है।लोरमी विधानसभा से तोखन को पहली बार 2013 बीजेपी ने उम्मीदवार बनाया था। जिसमें तोखन ने कांग्रेस प्रत्याशी धरमजीत सिंह को हराया था। साल 2014-15 में महिलाओं और बच्चों के कल्याण संबंधित समिति के सदस्य के तौर पर तोखन को जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके अलावा तोखन छत्तीसगढ़ विधानसभा में प्रत्यायुक्त विधान समिति के सदस्य भी रहे। 2015 में छत्तीसगढ़ शासन के संसदीय सचिव का पद भी संभाला। तोखन साहू वर्तमान में भारतीय जनता पार्टी के किसान मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष हैं।

देवेंद्र यादव- देवेंद्र यादव 2009 में रुंगटा कॉलेज के एनएसयूआई प्रतिनिधि रहे। 2009 से 2011 तक जिला अध्यक्ष एनएसयूआई रहे। 2011 से 2014 तक प्रदेश अध्यक्ष एनएसयूआई बने। 2014 से 2015 तक राष्ट्रीय सचिव 2015 से 2016 तक राष्ट्रीय महासचिव एनएसयूआई रहे। 2016 में नगर पालिका निगम भिलाई के महापौर बने। 2017ङ्क18 में वे राष्ट्रीय सचिव यूथ कांग्रेस रहे। देवेंद्र यादव 2018 में पहली बार कांग्रेस की टिकट पर विधायक बने थे। देवेंद्र यादव ने स्कूल के दौरान ही कांग्रेस की छात्र राजनीति में कदम रख दिया था। देवेंद्र एनएसयूआई के प्रतिनिधि और एनएसयूआई के जिलाध्यक्ष भी रह चुके हैं। साथ ही एनएसयूआई के राष्ट्रीय सचिव और राष्ट्रीय महासचिव की जिम्मेदारी भी संभाली है। 25 वर्ष की उम्र में देश के सबसे कम उम्र के महापौर बनने का खिताब देवेंद्र यादव को मिला है। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में देवेंद्र यादव ने अहम भूमिका निभाई थी।देवेंद्र यादव ने दो बार छत्तीसगढ़ विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष और मंत्री प्रेमप्रकाश पाण्डेय को चुनाव में शिकस्त दी है।

कोरबा लोकसभा

भाजपा- सरोज पाण्डेय
कांग्रेस- ज्योत्सना महंत

सरोज पाण्डेय- कोरबा से सरोज पाण्डेय को बीजेपी ने लोकसभा चुनाव में उतारा है। पहली बार वर्ष 2000 और 2005 में दो बार दुर्ग की मेयर चुनीं गईं। वर्ष 2008 में पहली बार वैशाली नगर विधानसभा सीट से विधायक चुनी गईं।बीजेपी ने साल 2009 के आम चुनाव में दुर्ग से उतारा,जिसमें उन्होंने जीत हासिल की। साल 2013 में महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष बनीं। वर्ष 2014 का लोकसभा चुनाव भी लड़ा। लेकिन कांग्रेस के ताम्रध्वज साहू से हार गईं। हार के बावजूद बीजेपी की राष्ट्रीय महासचिव बनीं और मार्च 2018 में राज्यसभा के लिए चुना गया। एक ही समय में मेयर, विधायक और सांसद का पद संभालने का अनूठा विश्व रिकॉर्ड, गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स और लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में सरोज पाण्डेय का नाम शामिल है। इसके अलावा लगातार 10 वर्षों तक दुर्ग से मेयर रहकर सबसे लंबे कार्यकाल का रिकॉर्ड भी सरोज पाण्डेय ने बनाया है।

ज्योत्सना महंत- ज्योत्सना महंत पूर्व केंद्रीय मंत्री और वर्तमान विधानसभा नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत की पत्नी है। कोरबा लोकसभा सीट से दूसरी बार कांग्रेस ने उन्हें टिकट दिया है। ज्योत्सना का जन्म 18 नवंबर 1953 को हुआ था। भोपाल विश्वविद्यालय से वर्ष 1974 में बीएससी और फिर एमएससी पूरी की। ज्योत्सना और चरणदास महंत की शादी 23 नवंबर 1980 को हुई। उनकी तीन बेटी और एक बेटा है। ज्योत्सना महंत को साल 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने टिकट दिया था। जिसमें उन्होंने बीजेपी के ज्योति नंद दुबे को हराया था। 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को 2 सीट ही मिली थी।उसमें से एक कोरबा लोकसभा भी थी। 9 अक्टूबर 2019 को लोकसभा की कमेटी ऑन इंपावरमेंट ऑफ वुमेन की सदस्य बनाया गया। फिर 13 सितंबर 2019 को स्टेंडिंग कमेटी ऑन साइंस एंड टेक्नोलॉजी, ईनवायरनमेंट फॉरेस्ट एंड क्लाइमेट चेंज के सदस्य के तौर पर नियुक्त हुई।

जांजगीर लोकसभा

भाजपा- कमलेश जांगड़े
कांग्रेस- शिव डहरिया

कमलेश जांगड़े- बीजेपी ने जांजगीर लोकसभा सीट से कमलेश जांगड़े को टिकट दिया है। मौजूदा समय में कमलेश भारतीय जनता पार्टी में महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष हैं। कमलेश इससे पहले जिला पंचायत का चुनाव हार चुकी हैं। कमलेश साल 2005 से जनवरी 2015 तक दो पंचवर्षीय कार्यकाल में ग्राम पंचायत मसनियां कला से सरपंच रह चुकी हैं। पहली बार सरपंच कार्यकाल में उत्कृष्ट कार्य के लिए जिले में सर्वश्रेष्ठ सरपंच का सम्मान कलेक्टर ने कमलेश को सौंपा था। साल 2002 में विधार्थी परिषद संयोजक का दायित्व संभाला था। साल 2015 से 2020 तक प्रदेश महिला मोर्चा में विशेष आमंत्रित सदस्य और प्रदेश अनुसूचित जाति मोर्चा सदस्य के रूप में दायित्व संभाला।साल 2015 से 2020 तक सरगुजा जिला में जिला प्रभारी का दायित्व मिला। साल 2020 से बीजेपी जिला उपाध्यक्ष जांजगीर-चांपा का दायित्व मिला।

शिव डहरिया- शिव कुमार डहरिया का जन्म 18 दिसंबर 1964 को रायपुर जिले के अभनपुर में हुआ। पिता का नाम स्व। आशाराम डहरिया और पत्नी का नाम शकुन डहरिया है। शिव कुमार डहरिया ने बीएएमएस की पढ़ाई की है। शिव डहरिया ने 13 साल की उम्र ही राजनीति में कदम रखा। 1977 से लेकर 1988 तक स्कूल और कॉलेज में छात्र संघ के कई पदों पर नियुक्त हुए। साल 1990 में अनुसूचित जाति एवं जनजाति प्रकोष्ठ के संयुक्त मंत्री की जिम्मेदारी मिली।1997 में युवा कांग्रेस के महामंत्री बने। 1990 से 10 सालों तक जिला कांग्रेस कमेटी के महामंत्री रहे। इसके बाद साल 2000 में राज्य परिवहन प्रधिकरण के सदस्य बने। इसी बीच उन्हें राज्यमंत्री का दर्जा मिला।साल 2001 में छत्तीसगढ़ कांग्रेस के प्रभारी महामंत्री के रूप में नियुक्त हुए।2003 में कांग्रेस पार्टी की ओर से उन्हें विधानसभा का टिकट दिया गया और वह जीतकर पहली बार विधायक बने। फिर 2008 में दूसरी बार और 2018 में तीसरी बार विधायक बने।2023 में चौथी बार विधानसभा चुनाव हार गए।इस बार जांजगीर चांपा लोकसभा सीट से शिव डहरिया को उम्मीदवार बनाया गया है।

चेहरे पर टमाटर लगाने के गजब के फायदे

सब्जी का स्वाद बढ़ाने से लेकर सलाद की प्लेट सजाने तक, आपने कई बार टमाटर का इस्तेमाल किया होगा। लेकिन क्या आप जानते हैं यही टमाटर आपके पार्लर के महंगे खर्च को आधा करके आपके चेहरे पर निखार बिखेर सकता है। टमाटर में विटामिन-ए, विटामिन-बी, विटामिन-सी, पोटैशियम और एंटीऑक्सीडेंट्स जैसे कई गुण मौजूद होते हैं, जो त्वचा को टाइट और ग्लोइंग बनाए रखने के साथ इस्टेंट ग्लो भी देते हैं। टमाटर का पल्प चेहरे से एक्स्ट्रा ऑयल निकालकर टैनिंग,एक्ने जैसी कई स्किन प्रॉब्लम्स को दूर करने में मदद कर सकता है। आइए जानते हैं चेहरे पर टमाटर लगाने से क्या-क्या ब्यूटी बेनिफिट्स मिलते हैं।

रूखी त्वचा को बनाएं सॉफ्ट-

जर्नल ऑफ डर्माटोलॉजिकल साइंस के मुताबिक शरीर में पोटेशियम की कमी की वजह से ड्राई त्वचा और एक्जिमा की शिकायत हो सकती है। ऐसे में टमाटर एक नेचुरल हीलर की तरह काम करते हुए त्वचा को रूखेपन से बचाते हुए स्किन को माइश्चराइज बनाए रखने में मदद करता है। इस उपाय को करने के लिए 1 चम्मच टमाटर के रस में बराबर मात्रा में शहद मिलाएं। अब इस घोल को ब्रश की मदद से चेहरे पर लगाएं। इस उपाय को करने से स्किन सॉफ्ट ने के साथ चेहरे का नेचुरल ग्लो भी बना रहता है।

डेड स्किन से छुटकारा-

टमाटर का इस्तेमाल त्वचा की साफ-सफाई के लिए भी किया जा सकता है। टमाटर एंजाइमों से भरपूर होता हैं, जो स्किन पर एक्सफोलिएटर की तरह काम करता है। यह डेड स्किन से राहत दिलाने में फायदेमंद हो सकता है। त्वचा की डेड स्किन साफ करने के लिए आप टमाटर के गूदे को सीधे अपने चेहरे पर लगाएं और कुछ देर बाद पानी से धो लें।

एंटी एजिंग प्रॉपर्टीज-

टमाटर में एंटी एजिंग प्रॉपर्टीज मौजूद होने से यह चेहरे के दाग,धब्बे,झाइयां,झुर्रियां आदि को कम करने में मदद कर सकता है। इस उपाय को करने के लिए टमाटर के जूस को दूसरे इनग्रेडिएंट्स के साथ मिलाकर फेस पैक की तरह इस्तेमाल करें।

सनबर्न से राहत-

टमाटर में मौजूद विटामिन-सी और विटामिन-ए स्किन को फ्रेश और फेयर लुक दे सकते हैं। इतना ही नहीं इसके नियमित इस्तेमाल से सनबर्न को भी दूर किया जा सकता है। इस उपाय को करने के लिए आपको टमाटर के जूस के साथ बटरमिल्क को मिलाकर चेहरे पर 10 से 15 मिनट लगाना है। जिसके बाद चेहरा नॉर्मल पानी से धो लें।

ब्राइडल लहंगे को स्मार्ट तरीके से करें रीयूज

शादी का लहंगा तो लड़किया बड़े ही शौक से खरीदती हैं। लेकिन इतने मंहगे लहंगे को केवल एक बार पहनकर आलमारी में सजा लेती है। अगर आपको शादी का लहंगा बेहद पसंद है लेकिन दोबारा पहनने से बचती हैं। तो इन स्मार्ट तरीकों से उसे रीयूज कर सकती हैं। हर कोई बस आपके लुक की तारीफ करेगा।

लहंगे का ब्लाउज

लहंगे का ब्लाउज अधिकतर हैवी वर्क से बना होता है। जरदोजी और स्टोंस की कढ़ाई ब्लाउज को अट्रैक्टिव बना लेती है। तो इस ब्लाउज को आप दो तरह की साड़ियों के साथ मैच कर सकती हैं।

सिल्क की साड़ी

सिल्क की साड़ियों के साथ इस तरह के हैवी ब्लाउज बेहद खूबसूरत लगते हैं। आप किसी भी कंट्रास्ट कलर की सिल्क की साड़ी के साथ ब्लाउज को पेयर करें। ये बहुत ही खूबसूरत लगेगा।

ऑर्गेंजा या क्रेप सिल्क

अगर आपका ब्लाउज रेड, मरून, मजेंटा कलर में हैं तो इस तरह के ब्लाउज को शिफॉन की रेड, आइवरी या बीज कलर की क्रेप या ऑर्गेंजा साड़ी के साथ मैच करें। ये तरीका भी स्मार्ट है ब्लाउज को रीयूज करने का।

दुपट्टे को ऐसे करें इस्तेमाल

अगर आप ब्राइडल लहंगे के दुपट्टे को रीयूज करना चाहती हैं तो किसी क्रेप सिल्क की साड़ी के साथ अपने ब्लाउज को कंट्रास्ट कलर के साथ मैच करें और पल्लू के दूसरे कंधे पर अपने लहंगे वाले दुपट्टे को भी रखें। ये बेहद खूबसूरत लुक देगा।

श्रग की तरह करें इस्तेमाल

हैवी लहंगे को किसी भी क्रॉप टॉप और पलाजो के साथ मैचिंग लगाकर दुपट्टे को श्रग की तरह इस्तेमाल किया जा सकता है। ये स्मार्ट हैक स आपको जरूर पसंद आएंगे।

त्वचा चमकाने के लिए लगाएं ये फेस पैक

होली के बाद त्वचा को काफी केयर की जरूरत होती है। इस दौरान रंगों के इस्तेमाल से स्किन को भी नुकसान पहुंचता है। रंगों के कारण त्वचा काफी ज्यादा बेजान और रूखी हो जाती है। ऐसे में होली खेलने के बाद अगर आपकी स्किन भी रूखी हो गई है, और निखार खत्म हो गया है तो आप इस फेस पैक को लगाकर चेहरे की खोई चमक भी वापस पा सकती हैं। देखिए कैसे बनाएं ये फेस पैक-

चन्दन पाउडर से बनाएं फेस पैक

चेहरे की चमक पाने के लिए एक चम्मच चावल के आटे में आधा चम्मच चन्दन का पाउडर मिला लें और एक चम्मच गुलाब जल के साथ मिला कर एक पेस्ट बना लें। इस फेस पैक को चेहरे पर हल्के हाथ से मसाज करते हुए लगाएं और सूखने तक इसे लगाकर रखें और फिर इसे ठंडे पानी से धो लें। इस पैक को लगाने के बाद स्किन को ठंडक महसूस होगी और चेहरे की रौनक लौट आएगी।

मुलतानी मिट्टी से बनाएं फेस पैक

इस फेस पैक को बनाने के लिए मुलतानी मिट्टी में 2 चम्मच टमाटर का रस मिला लें और बादाम का तेल मिला कर फेस पैक बना लें। फिर इस पैक को चेहरे पर सूखने तक लगाकर रखें। जब ये सूख जाए तो चेहरे को धो लें। नियमित तौर पर इस फेस पैक को लगाएं। कुछ ही दिन में चेहरे का निखार फिर से लौट आएगा।

चेहरे के पिंपल मिटाने का आयुर्वेदिक नुस्खा

चेहरे पर पिंपल बहुत सारे लोगों की प्रॉब्लम होती है। जिसकी वजह से चेहरा खराब लगता है। वहीं ये पिंपल काफी दर्द भी होते हैं। चेहरे पर निकलने वाले ये पिंपल आसानी से नहीं जाते और जाने के बाद स्किन पर धब्बे छोड़ जाते हैं। ऐसे में आयुर्वेदिक नुस्खा आपकी मदद कर सकता है। लेकिन इस आयुर्वेदिक नुस्खे को चेहरे पर लगाने का सही तरीका भी पता होना चाहिए। जानें कैसे अप्लाई करें असरदार आयुर्वेदिक नुस्खा।

पिंपल हटाने का आयुर्वेदिक नुस्खा

नुस्खा नंबर 1

पिंपल हटाने के लिए धनिया के बीज को पीसकर पाउडर बना लें। फिर इस पाउडर को दूध में मिलाएं और पिंपल पर लगाएं।

नुस्खा नंबर 2

जायफल को दूध में अच्छी तरह से घिस लें। फिर इस मिक्सचर को पिंपल के ऊपर लगाएं। ये नुस्खा भी चेहरे के पिंपल को हटाने में मदद करेगा।

नुस्खा नंबर 3

काली मिर्च के पाउडर को दूध में मिलाकर पाउडर बना लें और पिंपल पर लगा लें। लेकिन ध्यान रहे कि काली मिर्च के पेस्ट को केवल पिंपल के ऊपर लगाना है।

पूरे चेहरे पर फेस पैक की तरह नहीं लगाना है। काली मिर्च से चेहरे पर जलन होने लगेगी।

कैसे लगाएं ये आयुर्वेदिक नुस्खा

आयुर्वेद के इन नुस्खों को अप्लाई करने का सही तरीका बता होना जरूरी है। अगर आप चाहती हैं कि पिंपल झट से खत्म हो जाए तो बस जिन जगहों पर पिंपल है, उन पिंपल के ऊपर ही इन सारे तैयार पेस्ट को लगाएं। खासतौर पर काली मिर्च को भूलकर भी पिंपल के अलावा चेहरे की स्किन पर ना लगाएं। नहीं तो जलन होने लगेगी।

बालों को नेचुरली काला करने के साथ घना और लंबा बनाएगा ये पेस्ट

बालों के सफेद होने की समस्या काफी ज्यादा कॉमन है। कम उम्र से ही लोग सफेद बालों के डर से केमिकल वाले कलर लगा रहे हैं। जिसकी वजह से बालों का टूटना और झड़ना शुरू हो जाता है। बाल बिल्कुल कमजोर और बेजान होने लगते हैं। केमिकल के असर को बालों के ऊपर से कम करना है तो कलर या मेहंदी लगाने की बजाय इस नेचुरल ष्द्धङ्ग को लगाएं। जो ना केवल बालों की सफेदी को भी कम करेगी बल्कि इससे बाल घने और मजबूत भी होंगे। तो चलिए जानें कैसे बनाएं बालों के लिए नेचुरल हेयर कलर।

बालों की लंबाई बढ़ाने के लिए लगाएं टोनर

लंबे बाल हर किसी को पसंद होते हैं। लेकिन कई बार बालों की ग्रोथ रुक जाती है, जिसकी वजह से समस्या हो सकती है। ऐसे में हेल्दी ग्रोथ के लिए सही पोषण के साथ देखभाल करना जरूरी है।बालों की केयर ना करने पर बाल काफी बेजान और ड्राई होने लगते है। जिसकी वजह से बालों के झड़ने की समस्या होने लगती है। इसे कम करने के लिए और शाइन बनाए रखने के लिए कुछ घरेलू तरीकों को इस्तेमाल किया जा सकता है। बालों की देखभाल करने के लिए आप हेयर टोनर बना सकते हैं। ये बालों की ग्रोथ को बूस्ट करेगा। देखिए कैसे बना सकते हैं हेयर ग्रोथ टोनर-

सेब के सिरके से बनाएं टोनर

सेब के सिरके में कई जरूरी गुण होते हैं जो बालों की खुसकी और ड्राईनेस कम करने में मदद कर सकते हैं। इस टोनर को बनाने के लिए एक बोतल में 2 गिलास पानी और 4 चम्मच सेब का सिरका मिक्स करें। इसे अच्छी तरह से मिक्स करने के बाद एक स्प्रे बोतल में भरकर रख दें। फिर शैंपू करने से आधे घंटे पहले टोनर को स्कैल्प पर स्प्रे करें और फिर कुछ देर के लिए मालिश करें। कुछ देर रहने के बाद गुनगुने पानी का इस्तेमाल करते हुए बाल धो लें। इस दौरान किसी माइल्ड शैम्पू का इस्तेमाल करें।

ग्रीन टी से बनाएं टोनर

ग्रीन टी में एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-इंफ्लामेटरी गुण होते हैं। ये बालों की ड्राइनेस दूर करने और बालों का झड़ना रोकने में मदद करते हैं। इसे बनाने के लिए एक बाउल में पानी डालकर गर्म करें। अब इसमें ग्रीन टी के बैग डालें और पानी का रंग बदलने तक गर्म करें। जब रंग बदल जाए तो इसे हल्का ठंडा होने दें और स्प्रे बोतल में डालकर रख दें। इसे भी शैम्पू करने से पहले बालों में लगाएं।

- नेचुरल हेयर कलर बनाने का तरीका
- दो चम्मच ऑर्गेनिक हल्दी पाउडर
- एक चम्मच आंवला पाउडर
- आधा चम्मच कॉफी पाउडर
- आधा चम्मच चाय की पत्ती
- एक चम्मच दही

इस तरीके से बनाएं डाई हेयर कलर

- सबसे पहले हल्दी पाउडर दो चम्मच लेकर इसे लोहे के कड़ाही या तवे पर अच्छी तरह से भूनकर काला कर लें।
- अब इस काली भुनी हल्दी को किसी बाउल में निकाल लें। इसमे एक चम्मच आंवला पाउडर मिलाएं।
- साथ में दही डालें और आधा चम्मच कॉफी का पाउडर मिक्स करें।
- एक गिलास पानी लें उसमे आधा चम्मच चाय की पत्ती डालकर उबालें। जब पानी आधा हो जाए तो गैस की फ्लेम बंद कर दें। चाय के पानी को छान लें।
- अब ये पानी तैयार मिक्सचर में डालकर चलाएं। अच्छी तरह से मिक्स कर लें।
- बालों को शैंपू से साफ किए हो तब इस पेस्ट को जड़ों पर अच्छी तरह से लगाएं और सिरों तक लगा लें।
- शॉवर कैप से ढंककर करीब दो से तीन घंटे के लिए छोड़ दें।
- फिर पानी से साफ कर लें।
- सप्ताह में दो बार इस नेचुरल कलर को लगाएं। कुछ ही इस्तेमाल के बाद बालों का रंग नेचुरली काला हो जाएगा और बाल मजबूत होंगे।
- जिससे झड़ना भी रुकेगा।

दही और आंवले से मिलेगी मजबूती

बालों को मजबूत बनाने के लिए आंवले और दही का इस्तेमाल किया जाता है। दही बालों को सिल्की और शाइनी बनाती है। तो वहीं आंवला जरूरी न्यूट्रिशन की कमी को पूरा करेगा। जिससे बाल मजबूत होंगे और कॉफी की मदद से उसे नेचुरल कलर मिलेगा।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

क्या अब महाराष्ट्र की सतारा सीट से खुद लड़ेंगे शरद पवार?

मुंबई। लोकसभा का बिगुल बज चुका है। महा विकास अघाड़ी और महायुति ने कई सीटों पर उम्मीदवारों के नाम का ऐलान भी कर दिया है। कुछ सीटों पर मतभेद के कारण अभी तक उम्मीदवारों की घोषणा नहीं की गई है। महाविकास अघाड़ी में सतारा की सीट राष्ट्रवादी शरद चंद्र पवार पार्टी के खाते में चली गई है। श्रीनिवास पाटिल को एनसीपी शरद चंद्र पवार की पार्टी ने सतारा से उम्मीदवार बनाया है। सूत्रों के मुताबिक, श्रीनिवास पाटिल ने एक बार फिर सतारा लोकसभा क्षेत्र की सीट से चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया है। बताया गया है कि उन्होंने खराब स्वास्थ्य के कारण चुनाव से नाम वापस ले लिया है। इसे शरद पवार के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। इस बीच श्रीनिवास पाटिल के चुनाव से हटने के बाद कार्यकर्ताओं की जोरदार मांग है कि शरद पवार को सतारा से चुनावी मैदान में उतरना चाहिए। यह जिला यशवंतराव चव्हाण का है, इसलिए कार्यकर्ताओं की मांग है कि शरद पवार को इस सीट से चुनाव लड़ना चाहिए।

कांग्रेस को आयकर विभाग से 1823 करोड़ रु. का नया नोटिस

नईदिल्ली। कांग्रेस ने शुक्रवार को कहा कि लोकसभा चुनाव से ठीक पहले आयकर विभाग ने टैक्स रिटर्न में कथित विसंगतियों के लिए 1823.08 करोड़ रुपये के भुगतान का नया नोटिस उसे जारी किया है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह दावा भी किया कि लोकसभा चुनाव से पहले कर आतंकवाद (टैक्स टेररिज्म) के जरिये विपक्ष पर हमला किया जा रहा है। पार्टी के कोषाध्यक्ष अजय माकन ने आरोप लगाया जिन मापदंडों के आधार पर कांग्रेस को जुर्माने के नोटिस दिए गए हैं उन्हीं के आधार पर भारतीय जनता पार्टी से 4600 करोड़ रुपये से आधिक के भुगतान की मांग करनी चाहिए। माकन ने संवादादाताओं से कहा, कल हमें आयकर विभाग से 1823.08 करोड़ रुपये का भुगतान करने के लिए नया नोटिस मिला। पहले ही आयकर विभाग ने हमारे बैंक खाते से जबरन 135 करोड़ रुपये निकाल लिए हैं। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस को आर्थिक रूप से पंगु किया जा रहा है। माकन ने कहा कि लोकसभा चुनाव से पहले समान अवसर की स्थिति को खत्म करने के लिए यह सब किया जा रहा है।

शाह सात अप्रैल से त्रिपुरा के दो-दिनी दौरे पर आ सकते हैं

अगरतला। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के सात अप्रैल से त्रिपुरा की दो-दिवसीय यात्रा पर रहने और दो लोकसभा सीट के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवारों के पक्ष में प्रचार अभियान के तौर पर आठ अप्रैल को एक रैली को संबोधित करने एवं रोडशो का नेतृत्व करने की संभावना है। पार्टी के एक नेता ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पार्टी नेता ने कहा कि शाह की प्रस्तावित यात्रा के दौरान उनके पार्टी नेताओं की बैठक की अध्यक्षता करने की भी संभावना है। भाजपा के प्रदेश महामंत्री अमित रक्षित ने कहा, ''अमित शाह सात अप्रैल को मिजोरम में एक रैली को संबोधित करने वाले हैं और उनके उसी दिन त्रिपुरा पहुंचने की संभावना है। वह पार्टी की एक संगठनात्मक बैठक आयोजित करेंगे, गोमती जिले के उदयपुर में एक रैली को संबोधित करेंगे तथा अगरतला में एक रोडशो का नेतृत्व करेंगे।''

हरदीप पुरी ने सुनीता केजरीवाल की तुलना राबड़ी देवी से की

नईदिल्ली। केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता हरदीप सिंह पुरी ने शुक्रवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल की तुलना बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और राजद के दिग्गज नेता लालू प्रसाद यादव की पत्नी राबड़ी देवी से करते हुए संकेत दिया कि पूर्व अपने पति के उत्तराधिकारी बनने की कतार में है, जैसा कि बिहार में हुआ था। आप जिस मैडम का नाम ले रहे हैं, वह शायद बिहार में राबड़ी देवी की तरह पद संभालने की तैयारी कर रही है। पुरी के हवाले से कहा गया कि दिल्ली बीजेपी के चुनाव कार्यालय के उद्घाटन समारोह में दिल्ली बीजेपी प्रमुख वीरेंद्र समेत नेताओं के साथ भाग लेने के बाद संवाददाताओं से बात कर रहे थे। भाजपा नेता ने सबसे भ्रष्ट पार्टी के साथ गठबंधन बनाने के लिए दिल्ली के सीएम पर कटाक्ष किया, जिसके खिलाफ उन्होंने 80 वर्षीय सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे के साथ भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन शुरू किया था।

बिहार में लालू की मुश्किल बढ़ाएंगे असदुद्दीन ओवैसी

नईदिल्ली। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) ने गुरुवार (28 मार्च) को घोषणा की कि उसने बिहार में 16 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ने का फैसला किया है। प्रदेश अध्यक्ष अख्तरुल इमाम ने कहा कि दरभंगा, पाटलिपुत्र, किशनगंज, मधुबनी, कटिहार, मुजफ्फरपुर, गोपालगंज, शिवहर, पूर्णिया, अररिया, सीतामढी, काराकाट, महाराजगंज, समस्तीपुर, पश्चिम चंपारण और वाल्मिकी नगर सीटों पर पार्टी के उम्मीदवार चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने कहा, हमारी पार्टी इंडिया ब्लॉक का हिस्सा बनना चाहती थी लेकिन उन्होंने हमें नजरअंदाज कर दिया। हम बीजेपी के खिलाफ अकेले लड़ेंगे। इमाम ने कहा, मुस्लिम समुदाय समाज के हर वर्ग से पिछड़ रहा है। यहां तक कि बिहार के जाति सर्वेक्षण में भी मुस्लिम लोगों का पिछड़ापन सामने आया। फिर भी, कोई भी राजनीतिक दल बिहार और देश में मुस्लिम नेताओं को बढ़ावा नहीं दे रहा है।

खुद को कानून से ऊपर समझते हैं कांग्रेसी नेताः अनुराग

कांग्रेस भ्रष्टाचार की जननी

नईदिल्ली। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और युवा एवं खेल मामलों के मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने मोदी सरकार के पिछले 10 वर्षों को आजाद भारत के इतिहास का सबसे बड़ा ट्रांसफॉरमेशन डिकेड बताया है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में जिस स्पीड और स्केल के साथ काम हुआ है वह पहले के 60 वर्षों को मिलकर भी नहीं हुआ। अनुराग ठाकुर ने कहा कि 2014 में भारत एक लड़खड़ाती और चरमराती अर्थव्यवस्था में गिना जाता था। आज हम विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं और अगले तीन वर्षों में विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएंगे। 2014 में समाचार मिलता था कि भारत की अर्थव्यवस्था गिर रही है। आज भारत विश्व में सबसे तेजी से प्रगति करने वाला बड़ी अर्थव्यवस्था है। आज भारत को ब्राइट स्पॉट के रूप में देखा जाता है।

अनुराग ठाकुर ने कहा कि 2014 से पहले भारत में 2ज़ स्कैम, कोयला घोटाला, अंतरिक्ष घोटाला, देवास घोटाला, अगस्ता वेस्टलैंड घोटाला, नेशनल हेराल्ड घोटाला और न जाने कितने घोटाले होते थे। आज ईमानदार सरकार के निर्णायक और परिणाम देने वाले निर्णयों की चर्चा होती है। आज भारत में चंद्रयान, आदित्य एल 1 की सफलता है। इंटरनेशनल सोलर, अलायंस, ह्20, इंटरनेशनल बायोफ्यूल एलाइंस, इंटरनेशनल बिग कैट एलाइंस के चर्चे हैं। यही फर्क है।

इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के बारे में बात करते हुए अनुराग ठाकुर ने कहा, 2014 में देश में 74 एयरपोर्ट थे आज 150 एयरपोर्ट हैं। 2014 में मात्र पांच शहरों में मेट्रो थी आज 20 शहरों में मेट्रो है। 2014 में 384 के आसपास मेडिकल कॉलेज थे आज 700 से ज्यादा हैं। 2014 में 7 एम्स थे, आज 22 हैं। 2014 में यूनिवर्सिटीज की संख्या 450 थी, आज 1100 है। 2014 में 16 आईआईएम थे, आज 23 आईआईएम हैं। 2014 में 12 आईआईटी थे, आज 19 आईआईटी हैं। 2014 में देश में लगभग 96 हजार किलोमीटर हाईवे थे, आज 1.5 लाख किलोमीटर हाईवे हैं। 2014 में 3,20,000 किलोमीटर ग्रामीण सड़क थी। आज 3,75,000 किलोमीटर नई ग्रामीण सड़कें जोड़ दी गई हैं। 2014 में 0 वंदे भारत ट्रेन थी, आज 41 वंदे भारत ट्रेनें चल रही हैं। 2014 में मात्र 20,000 किलोमीटर रेलवे ट्रेक्स इलेक्ट्रीफाइड थे, आज पूरे रेलवे ट्रेक्स इलेक्ट्रीफाइड हैं।

2014 में उत्तर प्रदेश में मात्र 2- 4 एयरपोर्ट थे, आज 21 हैं। इनमें से आठ इंटरनेशनल एयरपोर्ट हैं।

कांग्रेस के पास पैसे ना होने वाले राहुल गांधी के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए अनुराग ठाकुर ने कहा, कांग्रेस पार्टी भ्रष्टाचार की जननी है और इसके नेता खुद को देश के क़ानून से ऊपर समझते हैं। देश का पहला रक्षा घोटाला 1947 में जीप घोटाला कांग्रेस के कार्यकाल में हुआ। इन्हीं की सरकार के समय बोफोर्स घोटाला, अगस्ता वेस्टलैंड घोटाला समेत अन्य कई घोटाले हुए। इतने सारे पैसे कहां गए? राजनीतिक दलों को मिलने वाले चंदे पर इनकम टैक्स नहीं लगता, पर सभी दलों को इनकम टैक्स रिटर्न भरना होता है। क्या कांग्रेस इतनी बिजी थी कि वह इनकम टैक्स रिटर्न नहीं भर पाई? क्या इनके लिए हम नए कानून बना दें ताकि यह भ्रष्टाचार करें और इनके ऊपर कारवाई ना हो? यह इनकम टैक्स रिटर्न ना भरें और इनसे कोई पूछे भी ना? देश के कानून, नियम और संस्थाएं देश के संविधान के नियम से चलती हैं। अगर देश के अन्य सभी राजनीतिक दल अपना इनकम टैक्स रिटर्न भर सकते हैं तो राहुल गांधी की पार्टी क्यों नहीं भर सकती?

अनुराग ठाकुर ने आगे भारत में बोलने की आजादी और मीडिया स्वतंत्रता पर बोलते हुए कहा, अगर आप इंदिरा जी का समय देखेंगे तो आपातकाल के समय मीडिया को दबाया गया, आम लोगों को भी दबाया गया और पॉलीटिकल पार्टी को भी दबाया गया। मगर आज मोदी जी के नेतृत्व वाले भारत में आम लोगों के साथ-साथ मीडिया सारे तरीके के सवाल पूछने के लिए स्वतंत्र है। अभिव्यक्ति की आजादी हमारे सोच और कार्यशैली में समाहित है। हम सदैव इसके लिए लड़े हैं और खड़े हैं।

विपक्षी नेताओं पर जांच एजेंसियों की कार्रवाई के ऊपर पूछे गए प्रश्न के जवाब में अनुराग ठाकुर ने कहा, आज से 10 वर्ष पहले देश के आम लोग पूछते थे कि इन भ्रष्टाचारियों को कब सजा मिलेगी। आज जब भ्रष्टाचार के आरोपियों पर जांच एजेंसियां कार्रवाई करती हैं तो आप कहते हैं चुनाव के समय कार्रवाई हो रही है। आज से 10 महीने पहले जब मनीष सिसोदिया को जेल में डाला गया तब कौन से चुनाव थे? संजय सिंह को जब जेल में डाला गया तब कौन से चुनाव थे? सत्येंद्र जैन इतने दिनों से जेल में हैं, उन्हें बेल नहीं मिल रही। उस समय कौन से चुनाव थे? सच्चाई यह है कि यह लोग भ्रष्टाचारी हैं और जांच एजेंसियां इनके खिलाफ स्वतंत्रता से कार्रवाई कर रही हैं। भारत में एक प्रकार से देखा जाए तो हर 6 महीने में किसी न किसी राज्य में कोई चुनाव होता है। तो क्या इस सवाल के डर से भ्रष्टाचारियों पर कार्रवाई न हो? जब हम वन नेशन, वन इलेक्शन की बात करते हैं तो विपक्ष उसे भी नामंजूर कर देता है। इसी प्रकार हम वन नेशन, वन टैक्स लाए तो यह कहते हैं इन्हें मंजूर नहीं। आज जीएसटी के कारण आम नागरिक को दामों में 5 से 7ज़ की कमी आई है। आज ट्रांसपोर्टेशन का टाइम कम हुआ है। फास्ट टैग के कारण टोल नाकों पर मात्र 43 सेकंड से कम का समय लगता है। पहले 743 सेकंड से ज्यादा लगते थे। जीएसटी से पहले टैक्स कलेक्शन 90 से 92 हजार करोड रुपए होता था। आज औसतन 1 लाख 60 हजार करोड रुपए के ऊपर जीएसटी कलेक्शन होता है। इससे देश का खजाना भरा है। और देश का खजाना भरने से गरीबों और वंचितों को लाभ मिला है।

बिहार में महागठबंधन में सीटों का बंटवारा

26 सीटों पर लड़ेगी आजेडी, कांग्रेस के खाते में 9 सीटें

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने बिहार में कांग्रेस को 9 सीटें आवंटित की हैं और आगामी लोकसभा चुनाव में पूर्णिया सहित 26 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने का फैसला किया है। इन 26 सीटों में पाटलिपुत्र, हाजीपुर, सीवान, शिवहर, पूर्वी चंपारण, पूर्णिया, सुपौल, गया, नवादा, जहानाबाद, औरंगाबाद, बक्सर, जमुई, बांका, वाल्मिकी नगर, मुंगेर, सीतामढी, वैशाली, सारण, दरभंगा, गोपालगंज, मधुबनी, उजियारपुर, अररिया, मधेपुरा और झंझारपुर शामिल हैं। कांग्रेस अब बिहार में नौ सीटों पर चुनाव लड़ेगी, जिनमें किशनगंज, कटिहार, भागलपुर, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, पश्चिम चंपारण, पटना साहिब, सासाराम और महाराजगंज शामिल हैं।

गठबंधन को देखते हुए राजद ने भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) लिबरेशन (सीपीआई-एमएल) के लिए नालंदा, काराकाट और आरा लोकसभा सीटें छोड़ने का फैसला किया है। सीपीआई को बेगूसराय सीट दी गई है, जबकि सीपीएम को खगड़िया सीट मिली है। अब यह स्पष्ट है कि पूर्वी चंपारण, औरंगाबाद, मधुबनी, अररिया, दरभंगा, सारण, उजियारपुर, नवादा, पाटलिपुत्र, बक्सर सहित 10 सीटों पर राजद का भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से सीधा मुकाबला होगा; और वाल्मिकी नगर, सीतामढी, झंझारपुर, सुपौल, पूर्णिया, मधेपुरा, गोपालगंज, सीवान, बांका, मुंगेर, शिवहर और जहानाबाद सहित 12 सीटों पर जनता दल-यूनाइटेड (जेडीयू) के साथ है।

जहां तक चिराग पासवान के नेतृत्व वाली लोक जनशक्ति पार्टी-रामविलास (एलजेपी-आरवी) का सवाल है, तो राजद का भी वैशाली, हाजीपुर और जमुई सहित तीन सीटों पर सीधा मुकाबला होगा। पश्चिम चंपारण, पटना साहिब, सासाराम, महाराजगंज और मुजफ्फरपुर सहित पांच सीटों पर कांग्रेस पार्टी का भाजपा से सीधा मुकाबला होगा। पार्टी किशनगंज, कटिहार और भागलपुर सहित तीन सीटों पर जदयू के साथ मुकाबला करेगी। पूर्णिया की सीट राजद के खाते में गई है, ऐसे में यह साफ हो गया कि अब यहां से पार्टी के टिकट पर पप्पू यादव का चुनाव लड़ना असंभव है।

पूर्णिया लोकसभा के लिए पप्पू यादव का प्लान रेडी!

महागठबंधन ने बिहार की 40 सीटों के बंटवारे का ऐलान किया तो कांग्रेस नेता पप्पू यादव ने अपनी प्रतिक्रिया दी। पूर्णिया सीट गठबंधन के तहत राजद को मिलने पर अब आगे अपनी तैयारी को लेकर एक न्यूज चैनल से बातचीत के दौरान पप्पू यादव ने कहा कि मैं सौभाग्यशाली हूं कि देशभर की जनता का हमने दिल जीता और आशीर्वाद लिया। उन्होंने पूर्णिया सीट कांग्रेस को नहीं मिलने पर कहा कि ये कांग्रेस नेतृत्व को तय करना है। मैं राहुल गांधी को पीएम बनाने के संकल्प बनाने के साथ खड़े हैं। पूर्णिया-सीमांचल में हम कांग्रेस के झंडे को ऊंचा करेंगे। पूर्णिया में कांग्रेस का ही झंडा फहरेगा।

पप्पू यादव ने कहा कि पूर्णिया में जनता ही मालिक है और वही सब तय करती है। मायूसी के सवाल पर उन्होंने कहा कि जनता के रहते मैं मायूस नहीं हो सकता। पूर्णिया कांग्रेस का था, है और रहेगा। 4 जून को पूर्णिया में कांग्रेस का झंडा दिखेगा। कांग्रेस और जनता की जीत होगी।

मर जाएंगे लेकिन पूर्णिया नहीं छोड़ेंगे वाले वादे पर उन्होंने कहा कि मैं अभी भी कायम हूं। उन्होंने कहा कि लालू यादव से आज भी लगातार बात करने की कोशिश कर रहे हैं। बात नहीं हो पा रही है। वो हमारे अभिभावक हैं। हम एक परिवार की तरह हैं। राहुल गांधी प्रधानमंत्री होंगे और पूर्णिया में कांग्रेस का झंडा हम फहराएंगे।

खेल
प्रमुख समाचार

लखनऊ और पंजाब किंग्स के बीच मुकाबला आज

लखनऊ। लखनऊ सुपर जाइंट्स (एलएसजी) और पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) 30 मार्च को लखनऊ के एकाना स्पोर्ट्स सिटी में भिड़ेंगे। यह आईपीएल 2024 में एलएसजी का दूसरा मैच होगा, जबकि पीबीकेएस अपना तीसरा मैच खेलेगा। लखनऊ को अभी तक कोई अंक नहीं मिला है और वह अंक तालिका में सबसे नीचे है। वहीं पंजाब के 2 मैचों से 2 अंक के साथ 5वें नंबर पर है। मैच भारतीय समयानुसार शनिवार को शाम साढ़े सात बजे भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम, लखनऊ में खेला जाएगा। शुरू होगा। शाम सात बजे टॉस का आयोजन किया जाएगा।

आईपीएल 2022 में पदार्पण के बाद से अब तक लखनऊ और पंजाब ने केवल 3 आईपीएल मैच खेले हैं। एलएसजी ने 2 और पंजाब ने 1 जीते। पीबीकेएस के खिलाफ लखनऊ का अब तक का उच्चतम स्कोर 257 है और एलएसजी के खिलाफ पंजाब का उच्चतम स्कोर 201 है।

केएल राहुल की अगुआई वाली लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम जब शनिवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के दूसरे मैच में पंजाब किंग्स से भिड़ेगी तो उसकी निगाहें हर विभाग में बेहतर प्रदर्शन करने पर लगी होगी। लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) को चंडीगढ़ में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ पहले मैच में 20 रन से हार का सामना करना पड़ा था।

शिखर धवन की अगुआई वाली टीम को पावरप्ले में रन गति में तेजी लाने की जरूरत है और ऐसा तभी होगा जब पहले दो मैच में विफल रहने वाले जॉनी बेयरस्टो धमाकेदार बल्लेबाजी करें। सिर्फ आईपीएल में खेलने वाले धवन को भी आगे अपने स्ट्राइक रेट में तेजी लाने की जरूरत है। उन्होंने खुद ही स्वीकार किया था कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ बल्लेबाजी धीमी रही थी।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

विदेशी निवेशकों ने शेयरों में दो लाख करोड़ रु. से अधिक डाले

नईदिल्ली। चुनौतीपूर्ण वैश्विक माहौल के बीच देश की मजबूत आर्थिक बुनियाद के चलते विदेशी निवेशकों ने वित्त वर्ष 2023-24 में भारतीय शेयर बाजार में दो लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया है। मजार्स इन इंडिया के प्रबंध भागीदार भारत धवन ने कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 के लिए पूर्वानुमान सर्तकता के साथ आशावादी है। प्रगतिशील नीतिगत सुधारों, आर्थिक स्थिरता और आकर्षक निवेश अवसरों के चलते एफपीआई प्रवाह जारी रहने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, ''हालांकि, हम वैश्विक भू-राजनीतिक प्रभाव को लेकर सचेत हैं, जिनके चलते बीच-बीच में अस्थिरता आ सकती है, लेकिन हम बाजार के उतार-चढ़ाव से निपटने में रणनीतिक योजना और तत्परता के महत्व पर जोर देते हैं। विंडमिल कैपिटल के स्मॉलकेस प्रबंधक और वरिष्ठ निदेशक नवीन केआर ने कहा कि एफपीआई के नजरिये से 2024-25 की संभावनाएं मजबूत बनी हुई हैं।

एफकॉन्स इंफ्रा. आईपीओ के जरिए जुटाएगी 7000 करोड़

नईदिल्ली। एफकॉन्स इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड अपना आईपीओ लाने की तैयारी कर रही है। शापूरजी पालोनजी ग्रुप की कंपनी ने आईपीओ के जरिए 7,000 करोड़ रुपये की धनराशि जुटाने की योजना बनाई है। रिपोर्ट के मुताबिक, कंपनी ने पूंजी बाजार नियामक सेबी के पास ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस फाइल कर दिया है। सेबी के पास दाखिल ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस से पता चलता है कि प्रस्तावित आईपीओ रू. 1,250 करोड़ के इक्विटी शेयरों के फ्रेश इश्यू और रू. 5,750 करोड़ की बिक्री पेशकश का एक संयोजन है। डीआरएचपी के अनुसार, ओएफएस के तहत, प्रमोटर गोस्वामी इंफ्राटेक प्रा.लि. लगभग रू. 5,750 करोड़ इक्विटी शेयर बेचेगा। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज, डीएएम कैपिटल, नोमुरा, जेफरीज और एसबीआई कैपिटल इस इश्यू के लीड मैनेजर हैं।

जीईएम पर चालू वित्त वर्ष में खरीद 4 लाख करोड़ रु. के पार

नईदिल्ली। देश के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों की अधिक खरीद गतिविधियों से चालू वित्त वर्ष में अभी तक सरकारी मंच जीईएम के जरिए वस्तुओं तथा सेवाओं की खरीद चार लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गई है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। केंद्र सरकार के सभी मंत्रालयों तथा विभागों द्वारा वस्तुओं व सेवाओं की ऑनलाइन खरीद के लिए सरकारी ई-मार्केट (जीईएम) मंच की शुरुआत नौ अगस्त 2016 को की गई थी। जीईएम के मुख्य कार्यपालक अधिकारी पी. के. सिंह ने पत्रकारों से कहा, '' 28 मार्च तक खरीद चार लाख करोड़ रुपये को पार कर गई। यह ऐतिहासिक है।'' वित्त वर्ष 2021-22 में खरीद मूल्य 1.06 लाख करोड़ रुपये था और पिछले वित्त वर्ष में यह दो लाख करोड़ रुपये को पार कर गया। उन्होंने कहा कि मंच से सेवाओं की खरीद चालू वित्त वर्ष में अभी तक 2.05 लाख करोड़ रुपये हो गई है।

अदाणी ग्रीन एनर्जी का सोलर प्रोजेक्ट का ऑपरेशन शुरू

नईदिल्ली। अदाणी ग्रीन एनर्जी ने गुजरात के खावडा में 775 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजनाओं का परिचालन शुरू कर दिया है। अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि परियोजनाओं का परिचालन संबंधित मंजूरियां मिलने के बाद शुरू किया गया है। बयान के अनुसार, अदाणी ग्रीन एनर्जी ने अपनी विभिन्न पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी की अनुषंगी कंपनियों के माध्यम से गुजरात के खावडा में कुल 775 मेगावाट क्षमता की परियोजनाओं का संचालन शुरू किया है। कंपनी ने कहा कि इस परियोजना से बिजली उत्पादन 29 मार्च से शुरू हो जाएगा।

राज्यों के बजट आंकड़ों का सही आकलन जरूरी

ए के भट्टाचार्य

अब तक कई राज्य 2024-25 का अपना बजट पेश कर चुके हैं। उनमें से कई ने गुलाबी तस्वीर पेश की है और ऊंचे-ऊंचे वादे किए हैं। यह तो वक्त ही बताएगा कि ये घोषणाएं हकीकत में बदलेंगी या नहीं। इसके लिए वादे निभाने होंगे या फिर नीतियों पर कारगर तरीके से अमल करना होगा। लेकिन अगर क्रियान्वयन के प्रश्न से हटकर देखें तो ये बजट एक और उद्देश्य की पूर्ति करते हैं। वे उन वास्तविक तथा संशोधित आंकड़ों को सामने लाते हैं जो बीते तीन वर्षों में पेश किए गए बजट में छिपे होते हैं।

इस आलेख का उद्देश्य है इन बजटों की मदद से यह आकलन करना कि कोविड के बाद 2021-22 से 2023-24 तक इन राज्यों का प्रदर्शन कैसा रहा? अब इन वर्षों के लिए विश्वसनीय आंकड़े मौजूद हैं। इनकी तुलना इन्हीं वर्षों में केंद्र के बजट में दिखे रुझानों से भी की जा सकती है। स्वाभाविक रुप से 2021-22 और 2022-23 के लिए वास्तविक आंकड़े मौजूद हैं जबकि चालू वित्त वर्ष के लिए संशोधित आंकड़े हैं। आंध्र प्रदेश और ओडिशा जहां विधानसभा चुनाव होने वाले हैं उन्हें छोड़कर 20 बड़े राज्यों के बजट आंकड़ों पर नजर डालने पर कई जानकारीपरक सूचनाएं सामने आती हैं।

इन राज्यों के राजकोषीय समेकन के प्रश्नों पर बात करें तो मिलीजुली तस्वीर सामने आती है। कुछ ही राज्य हैं जो बजट में उल्लिखित अपने राजकोषीय घाटे के लक्ष्य को पूरा करने में चूके हैं। उदाहरण के लिए 2023-24 में सात राज्यों ने अपने घाटे के लिए संशोधित अनुमान पेश किया जो बजट में किए गए उल्लेख से अधिक था। असम, बिहार, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, तमिलनाडु, महाराष्ट्र और राजस्थान घाटे के

लक्ष्य पर टिके नहीं रह सके। कर्नाटक और उत्तर प्रदेश किसी तरह अपने तय लक्ष्य के करीब बने रह सके।

इस प्रदर्शन में कोई रुझान शामिल नहीं था। अगर आप सोचते हैं कि समस्या पूर्वी, पूर्वोत्तर और पहाड़ी राज्यों के साथ है तो फिर तमिलनाडु, महाराष्ट्र और राजस्थान के खराब प्रदर्शन के लिए क्या कहा जाए? कर्नाटक और उत्तर प्रदेश के साधारण प्रदर्शन को समझ पाना भी मुश्किल है।

जिन राज्यों ने अपने राजकोषीय घाटे में उल्लेखनीय कमी की उनकी सूची और भी दिलचस्प है। ये राज्य हैं- दिल्ली, गुजरात, हरियाणा, पंजाब, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा, तेलंगाना, गोवा, झारखंड और केरल। यहां इसे केवल इस बात से समझा जा सकता है कि अपेक्षाकृत छोटे राज्यों का राजकोषीय समेकन बड़े राज्यों की तुलना में कहीं बेहतर रहा है। गुजरात और पश्चिम बंगाल जरूर अपवाद हैं।

कोविड के बाद के सालों में राज्यों का राजकोषीय समेकन कैसा रहा? जिन 20 राज्यों ने 2024-25 के लिए बजट पेश किया उनमें से 13 राज्य 2023-24 में राजकोषीय घाटे से जूझ रहे थे जिसका स्तर 2021-22 के स्तर से अधिक था। ये राज्य हैं असम, बिहार, छत्तीसगढ़, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, तमिलनाडु, गोवा, झारखंड, महाराष्ट्र, राजस्थान और त्रिपुरा। यह उल्लेखनीय है कि आज के कुछ मजबूत राज्यों का राजकोषीय घाटा 2021-22 के स्तर से अधिक है। इस मोर्चे पर बेहतर प्रदर्शन करने वाले राज्य हैं दिल्ली, हरियाणा, कर्नाटक, पंजाब, पश्चिम बंगाल, केरल और तेलंगाना। वे केंद्र सरकार का मुकाबला कर सकते है जिसने इन वर्षों के दौरान हर वर्ष घाटे के मोर्चे पर अपना प्रदर्शन बेहतर किया। इस अवधि में उसने घाटे में एक फीसदी की कमी की। चिंता की बात यह है कि कई बड़े राज्य किफायती संचालन के बावजूद घाटे को कम नहीं कर सके।

पूंजीगत व्यय की बात करें तो केंद्र सरकार इसे 2021-22 में सकल घरेलू उत्पाद के 2.5 फीसदी से बढ़ाकर 2023-24 में 3.2 फीसदी करने में कामयाब रही। ऐसा ही कुछ बल्कि इससे बेहतर राज्यों के साथ हुआ। इस अवधि में इन 20 राज्यों का कुल पूंजीगत व्यय उनके राज्य सकल घरेलू उत्पाद के अनुपात में 2.09 फीसदी से बढ़कर 3.36 फीसदी हो गया।

नबीन लोस चुनाव के छग प्रभारी हुए नियुक्त, किरणदेव ने दी बधाई

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने कहा-इनके अद्भुत अनुभव से हम लोकसभा की 11 की 11 सीटे जीतेंगे

रायपुर। बीजेपी के वरिष्ठ नेता और बड़े चुनावी रणनीतिकारों में शुमार नितिन नबीन को छत्तीसगढ़ लोकसभा चुनाव में प्रदेश प्रभारी नियुक्त किया गया है। इनके प्रदेश प्रभारी बनाए जाने पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने उनको हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि उनके अनुभव का से हम छत्तीसगढ़ लोकसभा क्षेत्र की सभी 11 की 11 सीटों पर जीत हासिल करेंगे। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के 400 पार के संकल्पों को पूरा करेंगे।

इसके लिए बीजेपी के कार्यकर्ताओं में उत्साह है। क्योंकि पीएम मोदी की सभी गारंटियों को विष्णुदेव की सरकार ने तीन महीने में पूरा कर इतिहास रच दिया है। जनता में मोदी की गारंटी की लहर चल रही है। भाजपा नितिन नबीन जी के मार्गदर्शन में इस बार विधानसभा चुनाव की तरह ही लोकसभा चुनाव में जीत हासिल करेंगे।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि भाजपा ने प्रदेश के सह प्रभारी नितिन नबीन को प्रदेश प्रभारी नियुक्त कर दिया है। अभी तक प्रदेश के प्रभारी ओम माथुर थे। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में सह प्रभारी के रूप में नितिन नबीन के द्वारा किए गए कामों को देखते हुए पार्टी ने उन्हें इस बार बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है।

बता दें कि विस चुनाव में भाजपा को बड़ी सफलता मिली थी। बिहार भाजपा के दिग्गज नेता किशोर सिन्हा के बेटे नितिन नबीन राजनीतिज्ञ और सामाजिक कार्यकर्ता हैं। बांकीपुर से वह चार बार विधायक चुने जा चुके हैं। वे भारतीय जनता युवा मोर्चा के राष्ट्रीय महासचिव रह चुके हैं। इसके साथ ही वह बिहार सरकार में मंत्री भी रह चुके हैं। कुछ दिन पहले ही उन्हें पुन: नीतीश मंत्रिमंडल में जगह मिली है। उनके अनुभव को देखते हुए नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। छत्तीसगढ़ में पार्टी के सहप्रभारी के तौर पर नितिन नबीन की नियुक्ति 2019 के चुनाव के दौरान हुई थी

दीपक बैज को प्रताड़ित करने की कोशिश कर रहे है कांग्रेसी: उपमुख्यमंत्री शर्मा

बस्तर में सभी नेताओं को दी गई है बराबर सुरक्षा

रायपुर। छत्तीसगढ़ में जारी कांग्रेस की कलह पर डिप्टी सीएम विजय शर्मा का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में पीसीसी चीफ दीपक बैज को प्रताड़ित करने की कोशिश हो रही है। एक वर्ग उन्हें लगातार टारगेट करने का प्रयास कर रहा है। चुनाव के समय भी लेनदेन का मामला सामने आया था। यह कांग्रेस का अंदरूनी मामला है पर ऐसा प्रतीत होता है। इसके साथ ही उन्होंने बस्तर में कड़ी सुरक्षा के बीच लोकसभा चुनाव पर कहा कि नामांकन के बाद सभी नेताओं को समान रूप से सुरक्षा दी जाएगी।

सुरक्षा के मामले में किसी भी राजनीतिक पार्टी से भेद भाव नहीं होगा। उन्होंने यह भी कहा कि जो व्यक्तिगत तौर पर सुरक्षा मांग रहे हैं, उसकी भी समीक्षा होगी। विजय शर्मा ने बताया कि बस्तर में इस समय कर्मा परिवार को सर्वाधिक सुरक्षा है। गौरतलब है कि कांग्रेस में विधानसभा चुनाव के हार के बाद शुरू हुई कलह अब तक जारी है। लोकसभा चुनाव में प्रत्याशियों के ऐलान के बाद से फिर कांग्रेस में घमासान जारी है। देवेंद्र यादव को बिलासपुर से चुनाव लड़ाने को लेकर बिलासपुर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं में असंतोष है। बीते दिन से कांग्रेस के वरिष्ठ कार्यकर्ता जगदीश कौशिक कांग्रेस भवन के सामने धरने पर बैठे रहे। हालांकि पार्टी के आश्वासन के बाद जगदीश कौशिक ने आज अनशन समाप्त किया है।

कांग्रेस के पास इस समय विश्वसनीयता का संकट है - शर्मा

छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के द्वारा आज से नारी न्याय का फार्म भरवाए जाने पर उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि कांग्रेस के पास इस समय विश्वसनीयता का संकट है। पहले जो भी वादा किया उसे पूरा नहीं किया, अब राहुल गांधी कुछ भी कहें लोग मानने वाले नहीं हैं। लोगों को पता है देश में मोदीजी की सरकार बन रही है। इन्होंने वादा निभाया नहीं इसलिए जनता ने उन्हें नकार दिया।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के ईवीएम हैक वाले बयान पर बृजमोहन अग्रवाल का तंज, कहा-

राजस्थान, मध्य प्रदेश, कर्नाटक में जब जीते तब नहीं हुआ था हैक

रायपुर। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के ईवीएम हैक वाले बयान पर रायपुर लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी और साय सरकार में मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने तंज कसा है. उन्होंने कहा कि कांग्रेस जब कर्नाटक, राजस्थान, मध्य प्रदेश और हिमाचल में जब जीते, तब ईवीएम हैक नहीं हुआ था. भूपेश बघेल का यह बचकाना बयान है. लोकसभा चुनाव को लेकर बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि ये मेरे लिए जनता का प्यार सबसे बड़ा है. 40 सालों से मुझे इतना स्नेह मिला है. मैं भरोसा दिलाता हूँ कि पहले जैसे उनके लिए उपलब्ध था अब भी रहूँगा. रायपुर को अपना घर मानता हूं. छत्तीसगढ़ को अपना परिवार मानता हूं.

इसके साथ कहा कि विकास के लिए राज्य सरकार से राशि तो लेंगे, साथ ही केंद्र सरकार से भी राशि लाएंगे. कार्यकर्ता से लेकर जनता में अपार उत्साह है. इस बार जैसे अनुकूल माहौल कभी नहीं मिला है. हर वर्ग के लोग तैयार है कि तीसरी बार देश में मोदी को प्रधानमंत्री बनाना है.

बस्तर में 11 प्रत्याशी मैदान में

महेश और कवासी के बीच कांटे की टक्कर

रायपुर। लोकसभा चुनाव के लिए पहले चरण का मतदान 19 अप्रैल को होना है. इसके लिए बुधवार को नामांकन की अंतिम तिथि के बाद गुरुवार को नामांकन पत्रों की स्क्रूटनी की गई. स्क्रूटनी के बाद 11 प्रत्याशी मैदान में हैं. एक भारतीय साक्षर पार्टी के राजाराम नाक का नामांकन खारिज कर दिया गया. इधर इस बार बस्तर लोकसभा चुनाव में जिन दो

प्रमुख उम्मीदवारों का आमना-सामना होने जा रहा है. उनमें भाजपा के महेश कश्यप लखपति हैं तो वहीं कांग्रेस प्रत्याशी कवासी लखमा करोड़पति हैं. महेश कश्यप 30.86 लाख के स्वामी हैं, वहीं कवासी लखमा 1.63 करोड़ के आसामी हैं. इसके अलावा 9 और उम्मीदवार चुनावी मैदान में अपनी किस्मत आजमा रहे हैं. दरअसल कवासी लखमा के पास जहां हाथ खर्च के रूप में 16.21 लाख रुपए हैं. वहीं महेश के पास 1.98 लाख रुपए हैं. इसके अलावा महेश के पास 17.50 लाख की अचल संपत्ति है तो लखमा ने अपने पास 1.13 करोड़ की अचल संपत्ति का ब्यौरा अपने हलफनामे में दिया है.

भाजपा प्रत्याशी महेश कश्यप के नाम पर 6 बैंक खाते हैं, जिनमें कुल 3 हजार 725 रुपए जमा हैं. इसके अलावा उनके पास एक कार 70 हजार, लोडर 5 लाख और एक ट्रॉली 42 हजार की है. आभूषणों में महेश के पास 57 ग्राम सोना और 100 ग्राम चांदी है, जिनकी कुल कीमत 3.47 लाख है. इसके अलावा उनके पास 7.88 एकड़ अचल संपत्ति है, जिसकी कुल कीमत 17.50 लाख रुपए है. महेश 9वी कक्षा पास हैं.

इधर कांग्रेस प्रत्याशी कवासी लखमा के पास हाथ में 16.21 लाख रुपए हैं. जबकि उनके 3 बैंक खातों में 8.20 लाख रुपए जमा हैं. लखमा के पास एक कार है, जिसकी कीमत 4 लाख रुपए आंकी गई है. वहीं आभूषणों में उनके पास 130 ग्राम सोना और 550 ग्राम चांदी है, जिसकी कुल कीमत 4.85 लाख है. उनके पास अचल संपत्ति 12.53 एकड़ है, जिसकी कीमत 1.13 लाख है. उनकी कुल संपत्ति 1.63 करोड़ है.

लखमा का बयान- भाजपा के चुने हुए जनप्रतिनिधियों का देंगे मेरा साथ, बोले- महेश कश्यप राजाओं के कैंडीडेट

रायपुर. बस्तर लोकसभा के कांग्रेस प्रत्याशी कवासी लखमा आज बीजापुर दौरे पर रहे। इस दौरान कवासी लखमा ने भाजपा प्रत्याशी महेश कश्यप पर जुबानी हमला बोला। लखमा ने महेश कश्यप को राजाओं का कैंडीडेट बताया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि इसलिए केदार कश्यप, दिनेश कश्यप, महेश गागड़ा, लता उसेंडी सहित बस्तर के चुने हुए भाजपा जनप्रतिनिधियों का आशीर्वाद मुझे मिलेगा।

अपने बेबाक बयानों के चर्चित पूर्व मंत्री कवासी लखमा ने आज बीजापुर में मीडिया कर्मियों से बात करते हुए भाजपा के प्रत्याशी को राजाओं का कैंडीडेट करार दिया। उन्होंने महेश कश्यप को प्रदेश अध्यक्ष किरण देव और बस्तर महाराज कमलचंद भंजदेव के इशारे पर चलने वाला करार दिया। कवासी लखमा ने बताया कि महेश कश्यप को टिकट मिलने से भाजपा नेताओं में नाराजगी है।

लखमा ने कहा कि बस्तर के बड़े नेता क्या महेश कश्यप के लिए दरी बिछाएंगे जो कभी भाजपा का झंडा नहीं लगाया। इसीलिए मंत्री केदार कश्यप, दिनेश कश्यप, महेश गागड़ा, लता उसेंडी सहित बस्तर के चुने हुए भाजपा जनप्रतिनिधियों का मुझे आशीर्वाद मिलेगा। बता दें कि कवासी लखमा बस्तर लोकसभा से कांग्रेस प्रत्याशी हैं और उनका सामना भाजपा के महेश कश्यप से होना है।

कांग्रेस नेता दाऊ ने दी बघेल को खुली चुनौती, कहा

मेरी हार हुई तो मैं राजनांदगांव जिला छोड़ दूंगा

रायपुर. कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुरेंद्र दाऊ ने छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को फिर से आड़े हाथों लिया है। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर कई गंभीर आरोप लगाए। इन आरोपों पर उन्होने खुले मंच में बातचीत की चुनौती भी दी। उन्होंने कहा कि भूपेश बघेल ने अपने कार्यकाल में आज तक जनता की सुध नहीं ली और अब जब चुनाव नजदीक आ गए हैं, तो जनता के बीच जा रहे हैं। बघेल राजनांदगांव से चुनाव मैदान में हैं। सुरेंद्र दाऊ ने कहा, पांच साल में कार्यकर्ता और राजनांदगांव की जनता आपसे मिलने को तरस गई थी, अब परिस्थिति ऐसी बनी कि पूर्व सीएम कार्यकर्ताओं के बीच जाकर उनकी बातें सुन रहे हैं और उनसे हार-माला पहन रहे हैं। यही तो मैं चाहता था। अब आगे की लड़ाई संस्कारधानी को जीतने की है, मुझे पूरा विश्वास है कि वे ऐसे अहंकारी को अपनी बागडोर नहीं देगी, जिसने अपने पांच साल के कार्यकाल में जिले से सिर्फ छीना ही है, दिया कुछ भी नहीं।

सुरेंद्र दाऊ ने कहा, संस्कारधानी की जनता के कुछ सवाल हैं, उसे वे पत्रकारों के माध्यम से रख रहे हैं। लोकसभा चुनाव आप जीत जाते हैं तो लोकसभा में बने रहेंगे या फिर विधानसभा ही जाएंगे। अगर आप अपनी पाटन विधानसभा को छोड़ते हैं, तो वहां से राजनांदगांव जिले के किसी नेता को मौका देंगे क्या या फिर आपके परिवार का सदस्य चुनाव लड़ेगा।दाऊ ने कहा, प्रदेश में चुनाव के पहले आपने छत्तीसगढ़ की भोली-भाली जनता से कई वादे किए, जिसे आप निभा नहीं पाए। इस कारण कांग्रेस की सरकार प्रदेश में आपके हाथ से फिसल गई। इसके अलावा वादाखिलाफी करने में भूपेश जी आपने अपने साथियों को भी नहीं छोड़ा। दाऊ ने पूर्व सीएम भूपेश बघेल को खुला चैलेंज करते हुए कहा, जो भी बात मैंने आज कही है, उसका प्रमाण है। इसके लिए मैं आपको शहर के किसी भी चौराहे पर आमंत्रित करता हूं, डिबेट के लिए। मैं आपसे हार गया, तो राजनांदगांव जिला छोड़ दूंगा और आप जवाब नहीं दे पाए, तो आपको चुनावी मैदान छोडना होगा। उन्होंने कहा, जनता आपको वोट क्यों दे, यह बड़ा सवाल है, क्योंकि आपने संस्कारधानी को कुछ नहीं दिया। यहां की पहचान हॉकी यहां के लिए आपने दो करोड़ रुपए देने की घोषणा की, लेकिन नहीं दिए।

प्रमुख समाचार
छत्तीसगढ़/राजधानी

केंद्र सरकार के खिलाफ आज कांग्रेस का मशाल जुलूस

रायपुर। कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने बयान जारी कर कहा कि भाजपा द्वारा भारतीय लोकतंत्र को विफल करने विपक्षी दलो का दमन किया जा रहा, विपक्ष को आर्थिक रूप से कमजोर करने की साजिश की जा रही है। पिछले महीने फरवरी में राष्ट्रीय आम चुनाव के पूर्व पार्टी के बैंक खातों को फ्रीज करने का प्रयास एक महीने से अधिक समय तक चला। अब अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी को आईटी विभाग से 1823.08 करोड़ रूपये का भुगतान करने के लिए ताजा नोटिस मिला है। पहले ही आईटी विभाग ने कांग्रेस पार्टी के बैंक खाते से 135 करोड़ रूपये निकाल लिए हैं। लोकतंत्र पर इस गंभीर हमले के विरोध में प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों में 30 मार्च को बड़े पैमाने पर सार्वजनिक रूप से मशाल जुलूस के साथ विरोध प्रदर्शन किये जाने का निर्णय लिया गया है। साथ ही अगले दिन स्थानीय वरिष्ठ नेताओं और पार्टी पदाधिकारियों को शामिल करते हुए कांग्रेस पार्टी के उम्मीद्वारों के नेतृत्व में सभी निर्वाचन क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किया जायेगा।

नशीले पदार्थ की तस्करी में शामिल कैदी हुआ फरार

रायपुर। विचाराधीन कैदियों को कोर्ट में पेशी के दौरान बरती जाने वाली अतिरिक्त सुरक्षा में एक बार फिर से बड़ी चूक सामने आई हैं। पुलिस के इस चूक का फायदा उठाकर एक विचारधीन कैदी के फरार होने के मामला एक बार फिर राजधानी रायपुर में सामने आया हैं। फरार आरोपी एनडीपीएस एक्ट के तहत हिरासत में लिया गया था। उसे लॉकअप से कोर्ट रूम ले जाया जा रहा था इसी दौरान वह दो आरक्षकों को चकमा देकर मौके से भाग निकला। आरक्षकों ने अपने स्तर पर आसपास उसकी खोजबीन की जिसके बाद इसकी सूचना बड़े अफसरों को दी। लापरवाही बरतने वाले दोनों आरक्षकों को फ़िलहाल सस्पेंड कर दिया गया हैं। पूरी घटना गुरूवार शाम की बताई जा रही हैं। आरोपी का नाम प्रदीप आदिनाथ फाल्के बताया जा रहा हैं जो कि रायपुर जेल में निरुद्ध था। उसे दो महीने पहले डीआरआई ने गिरफ्तार किया था। वह महाराष्ट्र के अहमदनगर का रहने वाला था। बहरहाल सिविल लाइन थाने में मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी गई हैं।

कांग्रेस को इनकम टैक्स का नोटिस सरकार की तानाशाही

रायपुर। कांग्रेस पार्टी के ऊपर इनकम टैक्स विभाग द्वारा 1823.08 करोड़ रू. जमा करने की नोटिस को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने भाजपा की केंद्र सरकार की तानाशाही बताया है। देश में लोकसभा चुनाव के समय प्रमुख विपक्षी दल को संसाधन विहीन करने की भाजपा की केंद्र सरकार की साजिश है। मोदी को यह पता चल चुका है कि उनके खिलाफ देश में माहौल है उनकी विदाई की बेला नजदीक आ गयी है तो विपक्ष को चुनाव लड़ने से रोकने के लिये इनकम टैक्स विभाग को आगे कर दिया गया। मोदी सरकार लोकतंत्र विरोधी षड्यंत्र करके विपक्षी दलों के सीमित संसाधनों को भी छीनने का काम कर रही है। कांग्रेस की पिछली सरकारों ने 70 सालों से निष्पक्ष चुनाव और स्वस्थ लोकतंत्र की जो छवि बनाई थी, केंद्र की मोदी सरकार और वर्तमान भारतीय जनता पार्टी का नेतृत्व उसके खिलाफ काम कर रही है। भाजपा ने विपक्षी दलों से साधन, संसाधन छीनकर एकाधिकार स्थापित करने का षड्यंत्र रचा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने भारतीय जनता पार्टी और केंद्र की मोदी सरकार पर लोकतंत्र विरोधी षड्यंत्र रचने का आरोप लगाते हुए कहा है कि अधिनायकवादी मोदी सरकार ने पहले कांग्रेस की चुनी हुई सरकारों को गिराया, डर और लालच से नेताओं की खरीद फरोख्त की और जो नेता नहीं झुके उनके ऊपर ईडी, आईटी और सीबीआई जैसे जांच एजेंसियों का अंकुश लगाया.

रेरा ने बिल्डर को दिया नोटिस, दो माह के भीतर दो मकान

रायपुर। 18 महीने में मकान देने का वादा कर 60 महीने बाद भी मकान नहीं देने के मामले में रेरा ने बिल्डर को नोटिस जारी किया है। रेरा ने अपने आदेश में दो माह के भीतर जरूरी सुविधाओं को पूरा करने का आदेश दिया। इसके अलावा रेरा ने बिल्डर को 11 लाख 98 हजार 600 रुपए हाउसिंग लोन ब्याज दर 8.85 प्रतिशत व 2 प्रतिशत कुल 10.85 प्रतिशत ब्याज दर से 04 साल का ब्याज 5 लाख 20 हजार 192 रुपए 45 दिन के भीतर आवेदक को देने को कहा गया है। चंगोराभाठा निवासी संतोषी साहू ने महादेव घाट के समीप ग्राम सांकरा में स्थित मारुति इंफ्रा सिटी में प्लॉट क्रमांक एल-01 को खरीदने का सौदा किया गया था, जिसमें मारुति इंफ्रासिटी द्वारा मकान को सर्व सुविधाओं से परिपूर्ण होना बताकर 16 लाख 2 हजार 766 रुपए में बुक किया। मारुति इंफ्रासिटी द्वारा 18 महीने में मकान तैयार करने का वादा किया गया था, लेकिन 60 महीने बाद भी मकान तैयार नहीं हो पाया, जिसे रेरा के अधिनियम 2016 का उल्लंघन माना है। बिल्डर ब्रोशर और अपने विज्ञापन सामग्री में उल्लेखित वायदों को समय सीमा में पूर्ण करने में असफल रहा। पीड़िता संतोषी साहू ने रेरा के समक्ष अपनी शिकायत दर्ज कराई जिस पर संज्ञान लेते हुए और संपूर्ण जानकारी के बाद रेरा ने मारुति इंफ्रा सिटी को नोटिस जारी करते हुए दो माह में आवेदिका को सर्व सुविधायुक्त मकान देने का निर्णय सुनाया।

पूर्व रमन सरकार के दौरान 4 साल नहीं दिया वही हाल महतारी वंदन योजना का होगा: मणि वैष्णव

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता मणि वैष्णव ने कहा कि साय सरकार ने लोकसभा चुनाव को देखते हुए महतारी वंदन योजना की पहली किस्त जारी किया है। चुनाव खत्म होते ही महतारी वंदन योजना में ढेर सारे नियम कायदे लगाकर इस योजना को बंद कर दिया जाएगा जैसे रमन सरकार के दौरान चुनाव को देखते हुए किसानों को बोनस की एक किस्त दिया गया था उसके बाद 4 साल तक बोनस नहीं दिया गया था। प्रदेश में एक करोड़ तीन लाख से अधिक महिला मतदाता है जिन्हें नियम शर्तें लगाकर इस योजना से वंचित कर दिया गया है और जितने महिलाओं ने फार्म जमा किया है।उसमे से मात्र 30 प्रतिशत महिलाओं को ही किस्त की राशि दी गई है। और जिन्हें किस्त की राशि दी गई है। उनमे वृद्धा पेंशन, परित्यक्ता पेंशन प्राप्त करने वाली महिलाओं की संख्या ज्यादा है और उन महिलाओं को अब सिर्फ महतारी वंदन योजना की 1000 रु की राशि दी गई है। पूर्व से मिलने वाली पेंशन की राशि बंद कर दी गई है यह प्रदेश के महिलाओं के साथ सरासर धोखा, दगाबाजी है। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता मणि वैष्णव ने कहा कि साय सरकार बने आज चार महीना हो गया है। महिलाओं को महतारी वंदन योजना के तहत 4000 रु की राशि मिलना था लेकिन मात्र 1000रु दिया गया है।

पूर्व मुख्यमंत्री की सलाह पर इलेक्शन कमीशन सतर्क

ज्यादा प्रत्याशी होने पर दो ईवीएम यूनिटों का इस्तेमाल कर सकता है चुनाव आयोग

रायपुर। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इवीएम की जगह बैलेट पेपर से चुनाव कराने 300 से अधिक पार्टी प्रत्याशियों को नामांकन भरने की सलाह दी है। इसे लेकर अब कई तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही है। दूसरी ओर चुनाव आयोग ऐसी चुनौतियों से निपटने के लिए लंबे समय से काम भी कर रहा है। सूत्रों के मुताबिक ऐसी स्थिति में आयोग अधिकतम संख्या की दो ईवीएम यूनिटों का भी इस्तेमाल कर सकता है, जिसमें 24-24 बैलेट यूनिट के दो सेट लगेंगे। ऐसे में नोटा सहित 767 प्रत्याशियों के मैदान में उतरने पर भी ईवीएम के जरिए आसानी से चुनाव कराए जा सकते है। वहीं, जैसे-जैसे प्रत्याशियों की संख्या बढ़ती जाएगी, वैसे-वैसे बैलेट यूनिट की संख्या भी बढ़ा दी जाती है। हालांकि, इसका भी एक मानक है, जिसमें एक कंट्रोल यूनिट (सीयू) के साथ ही मौजूदा समय में अधिकतम 24 बैलेट यूनिट ही जोड़ी जा सकती है, जिसमें नोटा सहित अधिकतम 384 प्रत्याशी

चुनाव में जब से ईवीएम का इस्तेमाल शुरू हुआ है, उसके बाद से अब तक कभी भी ऐसी नौबत नहीं आयी है। आयोग से जुड़े सूत्रों की मानें तो यदि एक लोकसभा सीट से 384 से अधिक प्रत्याशी नामांकन करते है तो यह भी एक हास्यास्पद स्थिति होगी। इतना ही नहीं, एक सीट से एक साथ 370 से अधिक प्रत्याशी यदि खड़े किए जाएंगे, तो प्रत्येक नामांकन के लिए 25 हजार की जमानत राशि और दस प्रस्तावों की जरूरत होगी। यह राशि करीब एक करोड़ होगी। साथ करीब चार हजार प्रस्तावों की भी जरूरत होगी। जो किसी भी पार्टी के आसान नहीं होगा, क्योंकि सभी की जमानत जब्त होनी तय है। भूपेश बघेल की ईवीएम को लेकर और प्रत्येक सीट से 385 से अधिक प्रत्याशियों के प्लान की खबर लगने के बाद आयोग ने पूरे मामले की जानकारी भी तलब की है। वहीं, भाजपा ने उनके इस प्लान को मुद्दा बनाते हुए आयोग से ईवीएम के दुष्प्रचार को लेकर शिकायत भी दर्ज कराई है।

लखमा का बयान छत्तीसगढ़ की जनभावनाओं का अपमानः भाजपा

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष विकास मरकाम ने बस्तर संसदीय क्षेत्र के कांग्रेस प्रत्याशी कवासी लखमा के उस बयान को बस्तर लोकसभा क्षेत्र समेत पूरे छत्तीसगढ़ की जनभावनाओं का घोर अपमान बताया है, जिसमें लखमा ने कहा है, मैं तो अपने बेटे के लिए दुल्हन मांगने गया था, पर पार्टी ने मुझे ही दूल्हा बना दिया। श्री मरकाम ने कहा कि इससे छत्तीसगढ़ को एक बार फिर कांग्रेस के लोगों की उथली सोच और वैचारिक दरिद्रता का परिचय मिल गया है। भाजपा अजजा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष ने शुक्रवार को एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में प्रेस ब्रीफ के दौरान पत्रकारों से कहा कि भाजपा सत्ता और जनप्रतिनिधित्व को सेवा का माध्यम मानकर इसे अपना सौभाग्य समझती है। लेकिन, कांग्रेसियों में सेवा का भाव कहीं नहीं दिखता है। बस्तर समेत पूरे छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की तयशुदा हार को देखकर कवासी लखमा अपनी दिमागी संतुलन खो बैठे हैं। श्री मरकाम ने कहा कि लोकसभा चुनाव में टिकट वितरण के पूर्व कांग्रेस के सभी बड़े नेता चुनाव लड़ने से मना कर रहे थे। सभी नेताओं ने बयान जारी करके अपनी आलाकमान से मांग की थी कि उन्हें टिकट न दिया जाए। अब टिकट वितरण के बाद ही कांग्रेस के नेताओं द्वारा अपने प्रत्याशियों का विरोध किया जा रहा है।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.